



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY
भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1
प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 72|
No. 72|

नई दिल्ली, सोमवार, मार्च 19, 2012/फाल्गुन 29, 1933
NEW DELHI, MONDAY, MARCH 19, 2012/PHALGUNA 29, 1933

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

(पाटनरोधी एवं संबद्ध शुल्क महानिदेशालय)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 19 मार्च, 2012

प्रारंभिक जांच परिणाम

विषय : चीन जन.गण., इण्डोनेशिया, थाइलैण्ड तथा यू.ए.ई. के मूल के अथवा वहां से निर्यातित प्लेन जिप्सम प्लास्टर बोर्डों के आयातों से संबंधित पाटनरोधी जांच ।

सं. 14/45/2010-डीजीएडी.—समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ अधिनियम, 1975 (जिसे एतदपश्चात् अधिनियम कहा गया है) और उसके तहत बनाए गए, समय-समय पर यथासंशोधित सीमा-शुल्क टैरिफ (पाटित वस्तुओं की पहचान, उन पर पाटनरोधी शुल्क का आकलन एवं संग्रहण तथा क्षति-निर्धारण) नियम, 1995 (जिसे एतदपश्चात् नियमावली कहा गया है) को ध्यान में रखते हुए :

1. यतः मैसर्स सेन्ट गोबेन गाइप्राॅक इण्डिया लि. (जिन्हें एतदपश्चात् घरेलू उद्योग कहा गया है) ने उक्त अधिनियम और नियमावली के अनुसरण में चीन जन.गण., इण्डोनेशिया, थाइलैण्ड और यू.ए.ई. (जिन्हें एतदपश्चात् सम्बद्ध देश कहा गया है) के मूल के अथवा वहां से निर्यातित " जिप्सम बोर्डों को छोड़कर सभी मोटाइयों एवं आयामों के प्लेन जिप्सम प्लास्टर बोर्ड जिनकी जल अवशोषण क्षमता 5 प्रतिशत और उसके भीतर हैं जिन्हें आमतौर पर नमीरोधी बोर्ड कहा जाता है और जिप्सम बोर्ड, जिनका न्यूनतम ब्रेकिंग लोड बोर्ड की प्रति मिलीमीटर मोटाई के लिए उर्ध्वाधर दिशा में 24 न्यूटन तथा क्षैतिज दिशा में 50 न्यूटन है, जिन्हें इम्पेक्ट रेजिस्टेंट बोर्ड अथवा अग्निरोधी बोर्ड कहा जाता है " (जिन्हें सम्बद्ध वस्तुएं कहा गया है) के आयातों की पाटनरोधी जांच की शुरुआत करने हेतु एक आवेदन निर्दिष्ट प्राधिकारी (जिन्हें एतदपश्चात् प्राधिकारी कहा गया है) के समक्ष प्रस्तुत किया है और सम्बद्ध वस्तुओं पर पाटनरोधी शुल्क लगाने का अनुरोध किया है ।

2. और यतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर सम्बद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित वस्तुओं के कथित पाटन की मौजूदगी, सीमा और प्रभाव का निर्धारण करने तथा पाटनरोधी शुल्क की वह राशि संस्तुत करने, जिसे लगाए जाने पर वह घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति को दूर करने हेतु पर्याप्त होगी, के उद्देश्य से नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार सम्बद्ध जांच की शुरुआत करते हुए दिनांक 21 जुलाई, 2011 की अधिसूचना सं. 14/45/2010-डीजीएडी द्वारा एक सार्वजनिक सूचना जारी की थी, जिसे भारत के राजपत्र, असाधारण में प्रकाशित किया गया था ।

क. प्रक्रिया

3. संबद्ध जांच के बारे में प्राधिकारी ने निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई है :

- i. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 5(5) के अनुसार घरेलू उद्योग से संबद्ध आवेदन की प्राप्ति के बारे में संबद्ध देशों के दूतावासों को अधिसूचित किया ।
- ii. प्राधिकारी ने 21 जुलाई, 2011 की जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना की प्रति भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों, संबद्ध देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों, घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए पत्रों के अनुसार ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं तथा घरेलू उद्योग को भेजी और उनसे जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना के 40दिन के भीतर लिखित में अपने विचारों से अवगत कराने का अनुरोध किया ।
- iii. उपर्युक्त नियमावली के नियम 6(3) के अनुसार प्राधिकारी ने आवेदन के अगोपनीय रूपांतरण की प्रति ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों तथा भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को उपलब्ध कराई ।
- iv. नियमावली के नियम 6(2) के अनुसार भारत स्थित संबद्ध देशों के दूतावासों को जांच की शुरुआत के बारे में इस अनुरोध के साथ सूचित किया गया था कि वे अपने-अपने देशों के निर्यातकों/उत्पादकों को निर्धारित समय सीमा के भीतर प्रश्नावली का उत्तर देने की सलाह दें । निर्यातकों को भेजे गए पत्र और प्रश्नावली की प्रति संबंधित देशों के ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों के नाम और पत्रों सहित उनके पास भी भेजी गई थी ।
- v. नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार संगत सूचना मांगने के लिए प्राधिकारी ने संबद्ध देशों के निम्नलिखित ज्ञात उत्पादकों/निर्यातकों को निर्यातक प्रश्नावलियां भेजीं ।

क्र. सं.	उत्पादक/निर्यातक का नाम
1	जिप्सेम्ना कंपनी (एल एल सी) पो. बा. 74682, प्लॉट सं. 51 एम आर 2 इंडस्ट्रियल सिटी ऑफ अबूधाबी (आई सी ए डी-II) मुसाफाह, अबूधाबी, संयुक्त अरब अमीरात
2	दि सियाम जिप्सम इंड (सराबुरी) कंपनी लि. सं. 9, पाकिन बिल्डिंग, 5वां तल, रेचाडापीसेक रोड, दिनदांग, बैंकाक -10400, थाइलैंड
3	पीटी. सियाम इंडो जिप्सम इंडस्ट्री जे 1 इस्पेक्सी, कलिमालांग के एम 2 के पी सिकेडोकन आर टी/आर डब्ल्यू 001/01 सीबी तुंग, बेकासी 17520, इंडोनेशिया
4	पी टी पेट्रोजया बोरल प्लास्टर बोर्ड गृहा मोबिजेल बिल्डिंग, चौथा तल, मामपांग, प्रापाटा नराया

	सं. 139, जकार्ता सेलाटन 12790 इंडोनेशिया
5	शेनडोंग बेअर बी बिल्डिंग मैटीरियल्स जी क्यू पिंगरी लिनई शेनडोंग लिनयी सिटी, चीन जन.गण.
6	लिनयी हुआमाई जिप्सम बिल्डिंग मैटीरियल्स कं. लि. लूओझुआंग जिला, लिनई, क्विंगडाओ, चीन जन.गण.
7	सी एन बी एम इंटरनेशनल कार्पो. 17वां तल सं. 4 बिल्डिंग, झूयू इंटरनेशनल कामर्शियल सेंटर सं. 9, शाउटी साउथ रोड, हाईडियान जिला, चीन जन.गण.

vi. संबद्ध देशों के निम्नलिखित उत्पादकों/निर्यातकों ने निर्धारित प्रपत्र में निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर दायर किया ।

- (क) मै. जिप्सेम्मा कंपनी एल एल सी, अबुधाबी, स.अ. अमी.
- (ख) मै. सियाम जिप्सम इंड (सोंखला) कंपनी लिमिटेड, बैंकॉक, थाइलैंड
- (ग) मै. सियाम जिप्सम इंड (साराबुरी) कंपनी लिमिटेड, बैंकॉक, थाइलैंड

vii. मै. नॉफ एल एल सी, दुबई, यू ए ई ने प्राधिकारी को यह सूचित करते हुए केवल एक पत्र प्रस्तुत किया कि उसने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है । परंतु कंपनी ने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया । इसी प्रकार हस्टन इंटर ट्रेड कंपनी लिमिटेड, थाइलैंड ने अपने सॉलीसिटर्स के पक्ष में प्राधिकार पत्र प्रस्तुत किया परंतु उसने निर्धारित प्रपत्र में प्रश्नावली का कोई उत्तर प्रस्तुत नहीं किया । उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी संबद्ध जांच में सहयोगी निर्यातकों के रूप में उपर्युक्त कंपनियों को स्वीकार नहीं करते हैं ।

viii. प्राधिकारी ने नियमावली के नियम 6(4) के अनुसार आवश्यक सूचना मांगने के लिए भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित ज्ञात आयातकों/प्रयोक्ताओं को आयातक प्रश्नावलियां भेजीं ।

क्र.सं.	आयातक/निर्यातक
1	सास्था सीनियर बिल्डिंग प्रोडक्ट 34, स्परटैंक रोड, चैटपेठ, चेन्नई 600 031
2	लाफर्ज बोरल जिप्सम इंडिया प्रा.लि., ए-10, ग्रीन पार्क, नई दिल्ली -110016
3	लाफर्ज बोरल जिप्सम इंडिया प्रा.लि., द्वार सं.-34, परटैंक रोड, चैटपेठ, चेन्नई 600 031
4	विकास ट्रेडिंग कंपनी सं.10/12वां तल, ओल्ड बंगलौर रोड, होसुर 635 109, तमिलनाडु
5	टोटल सोल्यूशंस बिल्डिंग मैटीरियल कंपनी, मुख्यालय, 318, तीसरा क्रॉस, बाबा लेन, धर्मा मोहल्ला, ओल्ड मद्रास रोड, बंगलौर-16

ix. भारत में संबद्ध वस्तु के निम्नलिखित आयातकों/प्रयोक्ता से निर्धारित पत्र में आयातित प्रश्नावली का उत्तर प्राप्त हुआ ।

- (क) मै. विकास ट्रेडिंग कं., बंगलौर
- (ख) मै. आर्मस्ट्रांग वर्ल्ड इंड, मुंबई
- (ग) मै. लाफर्ज बोरल जिप्सम इंडिया, गुडगांव

- x. मै. टोटल सोल्यूशंस बिल्डिंग मैटीरियल कं. लि., बंगलौर ने अपने सॉलीसिटर्स के पक्ष में प्राधिकार पत्र प्रस्तुत किया परंतु उसने निर्धारित प्रपत्र में आयातित प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया ।
- xi. जांच की शुरुआत के बाद उत्पादकों/निर्यातकों अर्थात् मै. सियाम जिप्सम (सरबुरी) कं. लि., थाइलैंड, सियाम जिप्सम (सांखला) कं. लि., थाइलैंड और मै. जिप्सोमना, यू ए ई तथा आयातकों/प्रयोक्ताओं अर्थात् मै. लाफर्ज बोरल जिप्सम इंडिया प्रा. लि., मै. आर्मस्ट्रांग वर्ल्ड इंड (इंडिया) प्रा.लि. एवं मै. इंडिया जिप्सम, कोचीन ने अनुरोध किए हैं।
- xii. कुछ हितबद्ध पक्षकारों से समय विस्तार के लिए अनुरोध प्राप्त हुआ था । प्राधिकारी ने समय की कमी को ध्यान में रखते हुए समय विस्तार प्रदान किया ।

- xiii. प्राधिकारी ने विभिन्न हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य का अगोपनीय रूपांतरण सार्वजनिक फाइल के रूप में उपलब्ध कराया जिसे हितबद्ध पक्षकारों के निरीक्षणार्थ खुला रख ।
- xiv. वाणिज्यिक आसूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) से जांच अवधि सहित पिछले तीन वर्षों के लिए संबद्ध वस्तु के आयातों के ब्यौरे प्रदान करने का अनुरोध किया गया था । डी जी सी आई एंड एस द्वारा प्रदत्त आयात के आंकड़ों पर प्राधिकारी ने इस जांच परिणाम में भरोसा किया है ।
- xv. आवेदक द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु की ईष्टतम उत्पादन लागत और उसे बनाने तथा बेचने की लागत सामान्यतः स्वीकृत लेखा सिद्धांतों (जी ए ए पी) के आधार पर निकाली गई थी ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि क्या पाटन मार्जिन से कम पाटनरोधी शुल्क घरेलू उद्योग को हुई क्षति समाप्त करने के लिए पर्याप्त होगा ।
- xvi. वर्तमान जांच के प्रयोजनार्थ जांच अवधि 1 जनवरी, 2010 से 31 दिसंबर, 2010 (12 माह) की है । तथापि, क्षति जांच अवधि में अप्रैल, 2007-मार्च, 2008, अप्रैल, 2008-मार्च, 2009, अप्रैल, 2009- मार्च, 2010 की अवधि और जांच अवधि शामिल थी ।
- xvii. जहां कहीं किसी हितबद्ध पक्षकार ने वर्तमान जांच के दौरान आवश्यक सूचना जुटाने से मना किया है अथवा उसे अन्यथा उपलब्ध नहीं कराया है अथवा जांच में अत्यधिक बाधा डाली है वहां प्राधिकारी ने ऐसे हितबद्ध पक्षकारों को असहयोगी माना है और उपलब्ध तथ्यों के आधार पर प्रारंभिक जांच परिणाम दर्ज किए हैं ।
- xviii. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा गोपनीय आधार पर प्रदत्त सूचना की जांच गोपनीयता के दावों की पर्याप्तता के बारे में की गई थी । संतुष्ट होने के उपरांत प्राधिकारी ने अपेक्षानुसार गोपनीयता के दावों को स्वीकार किया है और ऐसी सूचना गोपनीय मानी गई है जिसका प्रकटन अन्य हितबद्ध पक्षकारों को नहीं किया गया है । जहां संभव हुआ है, गोपनीय आधार पर सूचना प्रदाता पक्षकारों को यह निर्देश दिया गया था कि वे गोपनीय आधार पर दायर सूचना का पर्याप्त अगोपनीय रूपांतरण उपलब्ध कराएं जिसे नियमानुसार प्राधिकारी द्वारा रखी गई सार्वजनिक फाइल में रखा गया था ।
- xix. *** यह चिन्ह इस अधिसूचना में किसी हितबद्ध पक्षकार द्वारा गोपनीय आधार पर प्रस्तुत सूचना का द्योतक है और प्राधिकारी ने नियमानुसार उसे गोपनीय ही माना है ।
- xx. संबद्ध जांच के लिए प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई विनिमय दर 1 अम डा = 4644 रूपए है ।

ख. विचाराधीन उत्पाद और समान वस्तु

4. वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद प्राधिकारी द्वारा जांच शुरुआत संबंधी अधिसूचना में यथापरिभाषित "समस्त मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड" हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल नहीं हैं :-

- (i) 5% तक जिसमें 5% भी शामिल है, का जल अवशोषण वाले जिप्सम बोर्ड । इन बोर्डों को सामान्यतः "आद्रता रोधी बोर्ड" कहा जाता है जिनका विशिष्ट उपयोग उन स्थानों पर होता है जहां आद्रता रोकने की जगह होती है । आद्रतारोधी ये गुणधर्म कुछ जल रोधी अभिवृद्धियों को जोड़कर प्राप्त किए जाते हैं ।

- (ii) जिप्सम बोर्ड जिनमें बोर्ड की प्रति मिलिमीटर मोटाई में अनुप्रस्त दिशा में 24 न्यूटन और लंबवत दिशा में 50 न्यूटन का न्यूनतम ब्रेकिंग लोड होता है। बोर्डों को विशेष अनुप्रयोग हेतु विशिष्ट रूप से तैयार किया जाता है जिन्हें "प्रभावरोधी बोर्ड" या "अग्निरोधी बोर्ड" कहा जाता है।

5. सादा जिप्सम बोर्डों को विश्व भर में व्यापार की सामान्य भाषा में स्टैंडर्ड जिप्सम बोर्ड, रेग्युलर जिप्सम बोर्ड या जिप्सम बोर्ड भी कहा जाता है। संबद्ध वस्तु का उपयोग सस्पेंडेड सीलिंग में आंतरिक निर्माण तथा विभाजनकारी अनुप्रयोगों में किया जाता है।

6. सादा जिप्सम बोर्डों को अध्याय शीर्ष 68091100 के अंतर्गत वर्गीकृत किया जाता है जो निम्नानुसार है :-

टैरिफ मद	वस्तु का विवरण
68	पत्थर, प्लास्टर, सीमेंट, एसबेसटोस, अभ्रक या इसी प्रकार की सामग्रियों की वस्तुओं; सिरैमिक उत्पाद; कांच तथा कांच की वस्तुएं
6809	प्लास्टर की वस्तुएं या प्लास्टर बोर्डों, शीटों, पैनलों, टायलों या किसी प्रकार की वस्तुओं पर आधारित संरचनाएं।
68091100	केवल पेपर या पेपर बोर्ड से फेस्ड या रिइन्फोर्स्ड

7. घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि संबद्ध वस्तु का आयात 68091100 के अलावा, अन्य टैरिफ शीर्ष 68099900 तथा 68091900 के अंतर्गत भी किया जा रहा है। परंतु प्राधिकारी नोट करते हैं कि डी जी सी आई एंड एस के आंकड़ों के अनुसार संबद्ध वस्तु का आयात केवल टैरिफ उपशीर्ष 68091100 तथा 68091900 के अंतर्गत किया गया पाया गया है। तथापि, सीमाशुल्क वर्गीकरण केवल सांकेतिक है और वर्तमान जांच के दायरे पर किसी भी रूप में बाध्यकारी नहीं है।

निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध

8. निर्यातकों, आयातकों, प्रयोक्ताओं और अन्य हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

i. जिप्सम बोर्ड मुख्यतः दो प्रकार के होते हैं :- सादा बोर्ड और तकनीकी बोर्ड। तकनीकी जिप्सम प्लास्टर बोर्डों की निम्नलिखित किस्मों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए।

(क) फायर बोर्ड: ऐसे जिप्सम बोर्ड जो "सॉफ्ट वाल"बोर्डों सहित बी एस 476: भाग 20 और 22 के अनुसार अग्नि के समक्ष 30 मिनट से अधिक के फॉयर रेटिंग स्टैंडर्ड को पूरा करते हैं। इन बोर्डों में विशेष रूप से तैयार की गई पर्त होती है जो अधिक अग्नि प्रतिरोधी तथा उच्च क्षमता प्रदान करती है। इन बोर्डों का इस्तेमाल उन क्षेत्रों में किया जाता है जिनमें सर्वर रूमों, लिफ्ट क्षेत्रों आदि जैसे उच्च फायर रेटिंग की जरूरत होती है।

(ख) हीट बोर्ड : पालिएस्टर धातुकृत फाइल वाले जिप्सम बोर्ड जिनके पीछे इन्हें मजबूती से चस्पा किया जाता है जो कम से कम 75% सौर परावर्तन देते हैं। इन बोर्डों का उपयोग ऐसे स्थानों के आसपास विभाजन के लिए किया जाता है जिनमें बड़ी मात्रा में ताप विकिरण उत्पन्न होता है जैसे कि जनरेटर रूम या फिर ऐसे स्थानों पर उपयोग होता है जिनमें उसके आस-पास के गर्म तापमान से उष्मा कम करने की जरूरत होती है। यथा किसी भवन के सबसे ऊपर की छत।

(ग) फॉयर हीट बोर्ड : ऐसे जिप्सम बोर्ड जो बी एस 476 : भाग 20 और 22 के अनुसार अग्नि के समक्ष 30 से अधिक मिनट की फायर रेटिंग स्टैंडर्ड को पूरा करते हैं (प्रदर्शन 1 ख और प्रदर्शन 1 ग के रूप में प्रतियां संलग्न) और जिनके पीछे पालिएस्टर धातुकृत फाइल को मजबूती से चस्पा किया जाता है जो कम से कम 75% सौर परावर्तन देते हैं। इन बोर्डों में विशेष रूप से तैयार की गई पर्त होती है जो सर्वोत्तम अग्निरोधी तथा उच्च क्षमता प्रदान करती है और जिनमें बोर्ड के पीछे के संघनन के जोखिम को कम करने के लिए उसके पीछे मजबूती से चस्पा किया गया पालिएस्टर धातुकृत फॉइल भी होता है। इन बोर्डों का उपयोग उन स्थानों के आस पास सुरक्षा के लिए किया जाता है जिनमें अग्नि का जोखिम होता है और इन्हें वाल लाइनिंग के रूप में भी प्रयोग किया जाता है।

(घ) इको बोर्ड : ऐसे जिप्स बोर्ड जिनमें किनारों पर वर्गाकार या वृताकार परफोरेशन होते हैं जिनसे उनमें विशेष ध्वनि अवशोषी गुणधर्म उपलब्ध होते हैं। इन बोर्डों में प्रति ध्वनि कक्ष में आई एस 8225-1987 के अनुसार 0.65 से 0.80 तक ध्वनि न्यूनीकरण गुणांक ("एन आर सी") होता है। इन बोर्डों का उपयोग सिनेमा हॉलों, रिकॉर्डिंग रूमों या ऐसे अन्य स्थानों पर किया जाता है जहां ध्वनि के प्रति ध्वनि प्रभाव को कम करना होता है।

(ङ) इम्पैक्ट बोर्ड : ऐसे जिप्सम बोर्ड जिनमें उच्च घनत्व की पर्त होती है जिससे उनमें रेग्युलर स्टैंडर्ड बोर्ड की तुलना में अधिक ब्रेकिंग लोड क्षमता आ जाती है। इसका उपयोग मुख्यतः द्वारों, सीढ़ियों आदि जैसे उच्च ट्रैफिक जोन में किया जाता है जहां बार-बार अति वजनदार आवागमन होता है। इन बोर्डों का वजन 12.5 मिमी. की मोटाई के प्रति वर्ग मी. में 12.5 किग्रा. (+/-0.35 किग्रा./वर्ग मी.) जबकि स्टैंडर्ड बोर्ड में 12 मिमी. की मोटाई के प्रति मीटर वर्ग में लगभग 9 किग्रा. का वजन होता है। इस प्रकार इम्पैक्ट बोर्ड स्टैंडर्ड बोर्डों की तुलना में 50 प्रतिशत अधिक वजनदार होते हैं और इस प्रकार उनका उपयोग उन स्थानों पर किया जाता है जहां अधिक भार का भंडारण अथवा आवागमन होता है।

(च) एंटी मोल्ड बोर्ड या वैदर बोर्ड ऐसे जिप्सम बोर्ड जिनमें पर्त के साथ कुछ विशेष अभिवृद्धक जोड़े जाते हैं और स्तह पर विशेष पेपर लाइनर लगाए जाते हैं ताकि एंटी मोल्ड स्टैंडर्ड (ए एस आी एम स्टैंडर्ड) डी 3273 के भीतर आने वाले मोल्ड या फफूंदी वृद्धि के खिलाफ संवर्धित संरक्षण मिल सके। इन बोर्डों को विशेष रूप से अस्पतालों तथा भांडागारों तथा ऐसे अन्य क्षेत्र में किया जाता है जिनमें आद्रता या असामान्य पर्यावरणिक स्थितियां उत्पन्न होती रहती हैं।

(छ) थर्मल बोर्ड पी बी ए ब्ल्यू का उपयोग करते हुए पिछले हिस्से पर एक्स पी एक्स कंपोजिट पैनल से युक्त जिप्स बोर्ड जो बोर्ड की कम मोटाई के साथ अतिरिक्त थर्मल इंसुलेशन प्रदान करते हैं।

- ii. "आर्द्रता रोधी जिप्सम सीलिंग बोर्डों" का आयात मै. आर्मस्ट्रांग द्वारा किया जा रहा है जो विचाराधीन उत्पाद की अपवर्जित श्रेणी में आते हैं और इसलिए इसे वर्तमान जांच के दायरे से विशेष तौर पर अलग रखा जाना चाहिए । इसी प्रकार "व्हाइट फिल्म में एल्युमिनियम एजेज शील्ड वाले जिप्से सीलिंग बोर्डों" को भी विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र से अलग रखा जाना चाहिए ।
- iii. वर्तमान मामले में विचाराधीन उत्पाद की परिभाषा अत्यधिक चुनिंदा है जिससे पाटनरोधी कानून का दुरुपयोग हुआ है । याचिकाकर्ता ने अत्यंत चुनिंदा ढंग से विचाराधीन उत्पाद के दायरे पर विचार किया है और उन उत्पादों को अलग रखा है जिनका याचिकाकर्ता भारत में उत्पाद नहीं कर रहा है और जिनका याचिकाकर्ता अपने विदेश स्थित संबद्ध संयंत्रों से आयात कर रहा है ।
- iv. याचिकाकर्ता ने "आर्द्रतारोधी बोर्डों" और "अग्निरोधी बोर्डों" को विशेष रूप से अलग रखा है क्योंकि याचिकाकर्ता स्वयं थाइलैंड स्थित अपनी खुद की संबद्ध/सहायक कंपनी से इस अपवर्जित श्रेणी का आयात कर रहा है ।

घरेलू उद्योग के अनुरोध

9 घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

i. विचाराधीन उत्पाद "समस्त मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड" हैं जिनमें निम्नलिखित शामिल नहीं हैं :-

- क. 5% तक जिसमें 5% भी शामिल है, का जल अवशोषण वाले जिप्सम बोर्ड । इन बोर्डों को सामान्यतः "आर्द्रता रोधी बोर्ड" कहा जाता है जिनका विशिष्ट उपयोग उन स्थानों पर होता है जहां आर्द्रता रोकने की जगह होती है । आर्द्रतारोधी ये गुणधर्म कुछ जल रोधी अभिवृद्धियों को जोड़कर प्राप्त किए जाते हैं ।
- ख. जिप्सम बोर्ड जिनमें बोर्ड की प्रति मिलिमीटर मोटाई में अनुप्रस्त दिशा में 24 न्यूटन और लंबवत दिशा में 50 न्यूटन का न्यूनतम ब्रेकिंग लोड होता है । बोर्डों को विशेष अनुप्रयोग हेतु विशिष्ट रूप से तैयार किया जाता है जिन्हें "प्रभावरोधी बोर्ड" या "अग्निरोधी बोर्ड" कहा जाता है ।
- ii. सादा जिप्सम बोर्डों को विश्व भर में व्यापार की सामान्य भाषा में स्टैंडर्ड जिप्सम बोर्ड, रेग्युलर जिप्सम बोर्ड या जिप्सम बोर्ड भी कहा जाता है ।
- iii. संबद्ध वस्तु का उपयोग सस्पेंडेड सीलिंग में आंतरिक निर्माण तथा विभाजनकारी अनुप्रयोगों में किया जाता है ।
- iv. संबद्ध वस्तु अध्याय शीर्ष 68091100 के अंतर्गत वर्गीकृत है । संबद्ध वस्तु का आयात टैरिफ शीर्षों 68099900 तथा 68091900 के अंतर्गत भी किया जा रहा है ।
- v. भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है । भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु और संबद्ध देशों

से आयातित वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया, प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसी विशेषताओं के अनुसार तुलनीय है। दोनों तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता दोनों का अदल-बदल कर उपयोग कर रहे हैं।

- vi. तथाकथित हितबद्ध पक्षकारों ने अपवर्जन के अपने दावे को न्यायोचित ठहराते हुए पर्याप्त आधार प्रस्तुत नहीं किए हैं। कानून का यह सर्वमान्य सिद्धांत है कि विचाराधीन उत्पाद से अपवर्जन को सिद्ध करने का दायित्व पूर्णतः उस पक्षकार पर होता है जो ऐसा दावा करता है। इसके अलावा, तथाकथित हितबद्ध पक्षकारों ने तकनीकी विनिर्देशनों का उल्लेख किया है किंतु उन्हें गोपनीय रखा है।
- vii. डी जी ए डी की सुसंगत परंपरा के अनुसार प्राधिकारी ऐसे किसी आयातक द्वारा किए गए अनुरोधों का संज्ञान नहीं ले सकता जिसमें निर्धारित आयातक प्रश्नावली का उत्तर दायर नहीं किया है।
- viii. 5% तक जिसमें 5% भी शामिल है के जल अवशोषी आर्द्रतारोधी बोर्डों को भी "विचाराधीन उत्पाद" होने का दावा नहीं किया गया है, अतः आर्द्रतारोधी जिप्सम सीलिंग बोर्डों को अलग रखने का प्रश्न ही नहीं उठता है।
- ix. फायर बोर्डों और "सॉफ्ट वॉल" बोर्डों को "विचाराधीन उत्पाद" के दायरे से अलग रखा जा चुका है। तथापि, घरेलू उद्योग को उस स्थिति में कोई टिप्पणी नहीं करनी है यदि निम्नलिखित तालिका में उल्लिखित विनिर्देशनों को पूरा करने वाले फायर बोर्डों को अलग रखा जाता है।

गुणधर्म	विनिर्देशन	जांच पद्धति	अंतिम उपयोग
भारत	न्यूनतम 9.8 किग्रा./वर्ग मी. 12.5 मिमी. के लिए तथा 11.7 किग्रा./वर्ग मी. 15 मिमी के लिए	आई एस 2542	सर्वर रूम, लिफ्ट एरिया आदि जैसे उच्चतर फायर रेटिंग की जरूरत वाले क्षेत्र। ई एन 520 टाइप एफ के अनुरोध
बोर्ड पर ब्रांडिंग	बोर्ड के प्रकार का उल्लेख किया जाए		
बोर्ड की क्षमता (लंबवत)	9.5 मिमी- न्यू. 400 एन	आई एस 2542	
	12.5 मिमी- न्यू. 550 एन		
	15 मिमी.- न्यू. 650 एन		
फायर रेटिंग	न्यू. 60 मिनिट 80 मिमी. मोटाई की प्रणाली के लिए	बी एस 476 भाग 6 बीएस 476 भाग 7 बी एस 476 भाग 20 तथा 22	

- x. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा प्रदत्त विनिर्देशन के हीट बोर्ड को अलग नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि यह बोर्ड विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है और इसका वाणिज्यिक एवं

तकनीकी प्रतिस्थापन है । इसके अलावा, संबद्ध देशों से जांच अवधि के दौरान भारत में इस बोर्ड का कोई खास आयात नहीं हुआ था ।

- xi. फायर हीट बोर्ड या अग्निरोधी बोर्डों को पहले से ही "विचाराधीन उत्पाद" से बाहर रखा गया है बशर्ते वे उल्लिखित तकनीकी मापदंडों को पूरा करते हों और इसलिए किसी विशिष्ट अपवर्जन का कोई प्रश्न नहीं उठता है । तथापि, घरेलू उद्योग को उस स्थिति में कोई टिप्पणी नहीं करनी है यदि निम्नलिखित तालिका में उल्लिखित विनिर्देशनों को पूरा करने वाले फायर बोर्डों को अलग रखा जाता है ।

गुणधर्म	विनिर्देशन	जांच पद्धति	अंतिम उपयोग
भारत	न्यूनतम 9.8 किग्रा./वर्ग मी. 12.5 मिमी. के लिए तथा 11. 7किग्रा./वर्ग मी. 15 मिमी के लिए	आई एस 2542	सर्वर रूम, लिफ्ट एरिया आदि जैसे उच्चतर फायर रेटिंग की जरूरत वाले क्षेत्र । ई एन 14190 के अनुरूप
बोर्ड पर ब्रांडिंग	बोर्ड के प्रकार का उल्लेख किया जाए		
बोर्ड की क्षमता (लंबवत)	9.5मिमी- न्यू. 400 एन	आई एस 2542	
	12.5 मिमी- न्यू. 550 एन		
	15मिमी.- न्यू. 650 एन		
फॉयर रेटिंग	न्यू. 60 मिनट 80 मिमी. मोटाई की प्रणाली के लिए	बी एस 476 भाग 6 बीएस 476 भाग 7 बी एस 476 भाग 20 तथा 22	
थर्मल चालकता	न्यूनतम 0.24 डब्ल्यू/एमके		

- xii. निम्नलिखित विनिर्देशन वाले ईको बोर्ड विचाराधीन उत्पाद से अलग रखे जा सकते हैं:-

गुणधर्म	विनिर्देशन	जांच पद्धति	अंतिम उपयोग
भारत	न्यूनतम 9.8 किग्रा./वर्ग मी. 12.5 मिमी. के लिए तथा 11. 7किग्रा./वर्ग मी. 15 मिमी के लिए	आई एस 2542	सर्वर रूम, लिफ्ट एरिया आदि जैसे उच्चतर फायर रेटिंग की जरूरत वाले क्षेत्र । ई एन 14190 के अनुरूप
बोर्ड पर ब्रांडिंग	बोर्ड के प्रकार का उल्लेख किया जाए		
बोर्ड की क्षमता (लंबवत)	9.5मिमी- न्यू. 400 एन	आई एस 2542	
	12.5 मिमी- न्यू. 550 एन		
	15मिमी.- न्यू. 650 एन		

फॉयर रेटिंग	न्यू. 60 मिनिट 80 मिमी. मोटाई की प्रणाली के लिए	बी एस 476 भाग 6 बीएस 476 भाग 7 बी एस 476 भाग 20 तथा 22	
थर्मल चालकता	न्यूनतम 0.24 डब्ल्यू/एमके		

- xiii. घरेलू उद्योग को कोई टिप्पणी नहीं करनी है यदि निम्नलिखित तालिका के विनिर्देशनों को पूरा करने वाले इम्पैक्ट बोर्डों को अलग रखा जाता है ।

गुणधर्म	विनिर्देशन	जांच पद्धति	अंतिम उपयोग
भारत	न्यूनतम 9.8 किग्रा./वर्ग मी. 12.5 मिमी. के लिए तथा 11.7 किग्रा./वर्ग मी. 15 मिमी के लिए	आई एस 2542	सर्वर रूम, लिफ्ट एरिया आदि जैसे उच्चतर फायर रेटिंग की जरूरत वाले क्षेत्र । ई एन 14190 के अनुरूप
बोर्ड पर ब्रांडिंग	बोर्ड के प्रकार का उल्लेख किया जाए		
बोर्ड की क्षमता (लंबवत)	9.5 मिमी- न्यू. 400 एन	आई एस 2542	
	12.5 मिमी- न्यू. 550 एन		
	15 मिमी.- न्यू. 650 एन		
फॉयर रेटिंग	न्यू. 60 मिनिट 80 मिमी. मोटाई की प्रणाली के लिए	बी एस 476 भाग 6 बीएस 476 भाग 7 बी एस 476 भाग 20 तथा 22	
थर्मल चालकता	न्यूनतम 0.24 डब्ल्यू/एमके		

- xiv. प्रतिवादियों द्वारा उल्लिखित एंटीमोल्ड या वैदर बोर्ड को अलग नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि यह बोर्ड विचाराधीन उत्पाद के "समान वस्तु" है और ये दोनों वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय हैं । इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकारों ने ऐसा कोई तर्कसंगत मामला नहीं बनाया है कि ये रोड किस प्रकार से विचाराधीन उत्पाद से तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं हैं ।
- xv. प्रतिवादियों द्वारा उल्लिखित थर्मल बोर्ड को अलग नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि यह बोर्ड विचाराधीन उत्पाद के "समान वस्तु" है और ये दोनों वाणिज्यिक और तकनीकी रूप से प्रतिस्थापनीय हैं । इसके अलावा, हितबद्ध पक्षकारों ने ऐसा कोई तर्कसंगत मामला नहीं बनाया है कि ये रोड किस प्रकार से विचाराधीन उत्पाद से तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय नहीं हैं ।

- xvi. जहां तक मै. आर्मस्ट्रॉंग द्वारा आयात किए जा रहे "आर्द्रतारोधी जिप्सम सीलिंग बोर्डों" को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखे जाने के बारे में किए गए अनुरोध का संबंध है, प्राधिकारी ने आवेदक द्वारा परिभाषित विचाराधीन उत्पाद की ओर ध्यान आकर्षित किया है जिसमें 5% तक और उस सहित जल अवशोषी आर्द्रतारोधी बोर्डों को "विचाराधीन उत्पाद" होने का दावा ही नहीं किया गया है ।
- xvii. यह एक सुस्थापित सिद्धांत है कि पाटनरोधी एक विशेष उपाय है और संरक्षण वहां तक सीमित रखा जाना चाहिए जहां तक पाटन हो रहा है और घरेलू उद्योग को क्षति हो रही है । यह सुझाव देना तर्क से परे है कि घरेलू उद्योग ने चुनिंदा ढंग से विचाराधीन उत्पाद को परिभाषित किया है । जहां तक घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पादों का संबंध है, प्राधिकारी को पूर्ण सूचना प्रदान की गई है ।
- xviii. आर्द्रतारोधी बोर्डों और अग्निरोधी बोर्डों का आयात काफी अधिक कीमतों पर किया जा रहा था जिनका घरेलू उद्योग पर कोई प्रतिकूल प्रभाव नहीं पड़ा है । यदि घरेलू उद्योग ने इन उत्पादों को "विचाराधीन उत्पाद" के दायरे में शामिल किया होता तो उन्हीं हितबद्ध पक्षकारों ने यह मुद्दा उठाया होता कि जो उत्पाद "समान वस्तु" नहीं हैं और जिनसे घरेलू उद्योग को क्षति नहीं हो रही है, तो उन्हें शामिल क्यों किया गया है । इसके अलावा, ऐसे विशिष्टता उत्पादों का हिस्सा घरेलू उद्योग के कारोबार में काफी कम है और कुल घरेलू बाजार में भी यही स्थिति है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

10. प्राधिकारी ने विचाराधीन उत्पाद को समस्त मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्डों के रूप में परिभाषित कर संबद्ध जांच शुरू की जिसमें 5% और उस सहित जल अवशोषी जिप्सम बोर्ड और अनुप्रस्थ दिशा में 24 न्यूटन के न्यूनतम ब्रेकिंग लोड तथा बोर्ड की मोटाई की प्रति मिमी. लंबवत दिशा में 50 न्यूटन के लोड वाले जिप्सम बोर्ड शामिल नहीं हैं ।
- 11 प्राधिकारी नोट करते हैं कि सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्डों को विश्व भर में व्यापार की सामान्य भाषा में स्टैंडर्ड जिप्सम बोर्ड, रेग्यूलर जिप्सम बोर्ड या केवल जिप्सम बोर्ड भी कहा जाता है । संबद्ध वस्तु का उपयोग सस्पेंडिड सीलिंग में आंतरित निर्माण या विभाजनकारी उपयोगों में भी किया जाता है ।
- 12 प्राधिकारी नोट करते हैं कि जो जिप्सम प्लास्टर बोर्ड आर्द्रतारोधी अथवा अग्निरोधी अथवा प्रभावरोधी क्षमता प्रदान करने के लिए विशेष अनुप्रयोगों की दृष्टि से विशिष्ट तौर पर तैयार किए जाते हैं, उन्हें क्रमशः "आर्द्रतारोधी बोर्ड" "प्रभावरोधी बोर्ड" अथवा "अग्निरोधी बोर्ड" के नाम से जाना जाता है और इस प्रकार ये वर्तमान जांच में विचाराधीन उत्पाद के क्षेत्र में नहीं आते हैं ।
- 13 प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिप्सम प्लास्टर बोर्डों के मौटे तौर पर दो प्रकार हैं अर्थात् सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड और विशिष्टीकृत या तकनीकी या मूल्यवर्धित जिप्सम प्लास्टर बोर्ड । जिप्सम प्लास्टर बोर्डों के विभिन्न प्रकारों की उत्पादन प्रक्रिया कमोवेश एक समान है । तथापि, अंतिम उत्पाद में अपेक्षित गुणधर्म प्राप्त करने के लिए विशिष्ट निविष्टियां/अभिवृद्धक जुड़ जाते हैं ।

- 14 जांच की शुरुआत के बाद हितबद्ध पक्षकारों ने फायर बोर्डों, हीट बोर्डों, फायर हीट बोर्डों, ईको बोर्डों, प्रभाव बोर्डों, एंटी मोल्ड बोर्डों या वैदन बोर्डों, थर्मल बोर्डों आर्द्रतारोधी जिप्सम सीलिंग बोर्डों और व्हाइट फिल्म में एल्युमिनियम एजोज शील्ड वाले जिप्सम सीलिंग बोर्डों को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखने का दावा किया। इस मामले की निम्नानुसार जांच की गई है इ

फायर बोर्ड

- i. हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया कि "फायर बोर्ड" ऐसे जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं जो अग्नि के समक्ष 30 मिनट से अधिक की फायर रेटिंग स्टैंडर्ड को पूरा करते हैं क्योंकि इन बोर्डों पर ऐसी विशेष पर्त होती है जो उत्पाद को विशेष अग्निरोधी और उच्च क्षमता प्रदान करती है और उन्होंने इसे विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखने का अनुरोध किया है। घरेलू उद्योग ने भी उसके द्वारा प्रदत्त विनिर्देशनों के अधीन इस प्रकार के बोर्डों को अलग रखे जाने पर सहमति व्यक्त की। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं और इस प्रकार फायर बोर्ड या "अग्निरोधी बोर्ड" विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर हैं।

फॉयर हीट बोर्ड

- ii. हितबद्ध पक्षकारों ने यह अनुरोध किया है कि "फॉयर हीट बोर्ड" ऐसे जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं जो बी एस 476 : भाग 20 और 22 के अनुसार अग्नि के समक्ष 30 से अधिक मिनट की फायर रेटिंग स्टैंडर्ड को पूरा करते हैं (प्रदर्शन 1 ख और प्रदर्शन 1 ग के रूप में प्रतियां संलग्न) और जिनके पीछे पालिस्टर धातुकृत फाइल को मजबूती से चस्पा किया जाता है जो कम से कम 75% सौर परावर्तन देते हैं। इन बोर्डों का उपयोग उन स्थानों के आस पास सुरक्षा के लिए किया जाता है जिनमें अग्नि का जोखिम होता है और इन्हें वाल लाइनिंग के रूप में भी प्रयोग किया जाता है। घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि फॉयर हीट बोर्डों या फायररोधी बोर्डों को "विचाराधीन उत्पाद" के दायरे से पहले ही अलग रखा गया है बशर्ते वे उनके द्वारा उल्लिखित तकनीकी मानदंड को पूरा करते हों और इसलिए कोई विशिष्ट अपवर्जन करने का प्रश्न नहीं उठता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं और इस प्रकार फायर बोर्ड या "फायर हीट बोर्ड" अग्निरोधी बोर्ड होने के कारण विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर हैं।

इम्पैक्ट बोर्ड

- iii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि "इम्पैक्ट बोर्ड" जिप्सम प्लास्टर बोर्डों के वे प्रकार हैं, जिन पर उच्च घनत्व वाली पर्त होती है जिनसे उन्हें उच्चतर ब्रेकिंग लोड क्षमता प्राप्त होती है। जैसा कि हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि उच्चतर ब्रेकिंग लोड क्षमता रखने वाले जिप्स बोर्डों के ऐसे प्रकार का उपयोग द्वारों, सीड़ियों आदि जैसे उच्च यातायात जोन में किया जाता है जहां भारी वजन का बार-बार आवागमन होता है। हितबद्ध पक्षकारों ने आगे यह अनुरोध किया है कि इन

बोर्डों का वजन 12.5 मिमी. की मोटाई के प्रति वर्ग मी. में 12.5 किग्रा. (+/-0.35 किग्रा/वर्ग मी.) जबकि स्टैंडर्ड बोर्ड में 12 मिमी. की मोटाई के प्रति मीटर वर्ग में लगभग 9 किग्रा. का वजन होता है। घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि "इम्पैक्ट बोर्ड" को "विचाराधीन उत्पाद" के दायरे से अलग रखा गया है। बशर्ते वे उनके द्वारा उल्लिखित तकनीकी मानदंड को पूरा करते हों और इसलिए कोई विशिष्ट अपवर्जन करने का प्रश्न नहीं उठता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं और इस प्रकार "इम्पैक्ट बोर्ड" को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर है।

आर्द्रतारोधी जिप्सम सीलिंग बोर्ड

iv. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने "आर्द्रतारोधी जिप्सम सीलिंग बोर्ड" को अलग रखने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने यह भी सूचित किया है कि 5% तक और 5% सहित जल अवशोषी आर्द्रतारोधी बोर्डों को पहले से ही "विचाराधीन उत्पाद" के दायरे से अलग रखा गया है और इसलिए आर्द्रतारोधी जिप्सम सीलिंग बोर्ड के विशिष्ट अपवर्जन का प्रश्न नहीं उठता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं और इस प्रकार आर्द्रतारोधी बोर्ड होने के कारण "आर्द्रतारोधी जिप्सम सीलिंग बोर्ड" अग्निरोधी बोर्ड होने के कारण विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर हैं।

ईको बोर्ड

v. प्राधिकारी नोट करते हैं कि "ईको बोर्ड" ऐसे जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं जो विशेष ध्वनि अवशोषण गुणधर्मों से युक्त होते हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि "ईको बोर्डों" में प्रतिध्वनि कक्ष में प्रति ध्वनि कक्ष में आई एस 8225-1987 के अनुसार 0.65 से 0.80 तक ध्वनि न्यूनीकरण गुणांक ("एन आर सी") होता है जिससे विशेष ध्वनि अवशोषी गुणधर्म उपलब्ध होते हैं। उन्होंने आगे अनुरोध किया है कि विशेष ध्वनि अवशोषी गुणधर्मों के कारण इन बोर्डों का उपयोग सिनेमा हॉलों, रिकॉर्डिंग रूमों या ऐसे अन्य स्थानों पर किया जाता है जहां ध्वनि के प्रति ध्वनि प्रभाव को कम करना होता है। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने भी उसके द्वारा प्रदत्त विनिर्देशनों वाले विचाराधीन उत्पाद के दायरे से "ईको बोर्डों" के अपवर्जन पर सहमति व्यक्त की है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं और "ईको बोर्ड" जिप्सम प्लास्टर बोर्ड का एक विशेष/मूल्यवर्धित परिवर्ती है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने दावा किए जा रहे तकनीकी विनिर्देशनों के अनुरूप जांच अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान उनके द्वारा "ईको बोर्ड" के उत्पादन की पुष्टि करने के लिए कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रदान नहीं किया है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिप्सम प्लास्टर बोर्डों का एक विशेष/मूल्यवर्धित परिवर्ती होने के कारण "ईको बोर्ड" को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा जाता है।

हीट बोर्ड

vi. हितबद्ध पक्षकारों ने उल्लेख किया है कि "हीट बोर्ड" ऐसे जिप्सम प्लास्टर बोर्ड होते हैं जिनके पीछे पालिएस्टर धातवीकृत फ्वाइल मजबूती से चस्पा किए जाते हैं जिससे कम से कम 75% सौर परावर्तन होता है और उन्होंने इसे विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखने का

दावा किया है। परंतु घरेलू उद्योग ने यह तर्क दिया है कि बोर्ड का यह प्रकार विचाराधीन उत्पाद के समान वस्तु है जो तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों से भारत में इस बोर्ड का कोई खास आयात नहीं हुआ है और उसने "हीट बोर्ड" को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग न रखने का अनुरोध किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं और "हीट बोर्ड" एक विशेष/मूल्यवर्धित जिप्सम प्लास्टर बोर्ड का परिवर्ती है। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान ऐसी किस्म के उत्पादन और आपूर्ति की पुष्टि करने के लिए कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिप्सम प्लास्टर बोर्डों का एक विशेष/मूल्यवर्धित परिवर्ती होने के कारण "हीट बोर्ड" को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा जाता है।

एन टी मोल्ड बोर्ड या वैदर बोर्ड

vii. जैसा कि हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है "एन टी मोल्ड बोर्ड या वैदर बोर्ड" जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं जिन पर कुछ विशेष अभिवर्धक का उपयोग होता है और मोल्ड या फुफुदी की वृद्धि से अधिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए स्तह पर विशेष पेपर लाइनर लगाया जाता है। उन्होंने आगे यह अनुरोध किया है कि इन बोर्डों का विशेष उपयोग, अस्पतालों, भांडागारों और ऐसे अन्य क्षेत्रों में किया जाता है जिनमें आर्द्रता या असामान्य पर्यावरणिक स्थितियां विद्यमान रहती हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने जिप्सम प्लास्टर बोर्डों के इस प्रकार को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखने का अनुरोध किया है। इसके विपरीत घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि यह विचाराधीन उत्पाद के "समान वस्तु" है और इसका वाणिज्यिक तथा तकनीकी प्रतिस्थापन किया जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं और "एन टी मोल्ड बोर्ड या वैदर बोर्ड" जिप्सम प्लास्टर बोर्ड का एक विशेष/मूल्यवर्धित परिवर्ती है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान जिप्सम प्लास्टर बोर्ड की इस किस्म के उत्पादन और आपूर्ति की पुष्टि करने के लिए कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रदान नहीं किया है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिप्सम प्लास्टर बोर्ड का एक विशेष/मूल्यवर्धित परिवर्ती होने के कारण "एन टी मोल्ड बोर्ड या वैदर बोर्ड" को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा जाता है।

थर्मल बोर्ड

viii. हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि "थर्मल बोर्ड" पी वी ए ग्लू का उपयोग करते हुए पिछली तरफ एक्स पी एस कंपोजिट पैनल वाले जिप्सम प्लास्टर बोर्ड होते हैं जो बोर्ड की कम मोटाई के साथ अतिरिक्त थर्मल इंसुलेशन प्रदान करते हैं और इसलिए इन्हें विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा जाना चाहिए। इसे विपरीत घरेलू उद्योग ने यह अनुरोध किया है कि थर्मल बोर्ड को अलग नहीं रखा जाना चाहिए क्योंकि यह बोर्ड विचाराधीन उत्पाद के "समान वस्तु" है और इसका वाणिज्यिक तथा तकनीकी रूप से अदल-बदल कर उपयोग किया जा सकता है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं और "थर्मल बोर्ड" जिप्सम प्लास्टर बोर्ड का एक विशेष/मूल्यवर्धित परिवर्ती है। प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने जांच अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान

"थर्मल बोर्ड" के उत्पादन और आपूर्ति की पुष्टि करने के लिए कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रदान नहीं किया है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी नोट करते हैं कि जिप्सम प्लास्टर बोर्ड का एक विशेष/मूल्यवर्धित परिवर्ती होने के कारण "थर्मल बोर्ड" को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखा जाता है।

व्हाइट फिल्म में एल्युमिनियम ऐजेज शील्ड जिप्सम सीलिंग बोर्ड

ix. हितबद्ध पक्षकारों ने "व्हाइट फिल्म में एल्युमिनियम ऐजेज शील्ड जिप्सम सीलिंग बोर्ड" को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से अलग रखने का अनुरोध किया है। घरेलू उद्योग ने भी जांच अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान इस किस्म के उत्पादन और आपूर्ति की पुष्टि करने के लिए कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध जांच में विचाराधीन उत्पाद सभी मोटाई और आयामों के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्ड हैं और जिप्सम प्लास्टर बोर्ड का एक विशेष/मूल्यवर्धित परिवर्ती होने के कारण "व्हाइट फिल्म में एल्युमिनियम ऐजेज शील्ड जिप्सम सीलिंग बोर्ड" को विचाराधीन उत्पाद के दायरे से बाहर रखा जाता है।

समान वस्तु

15. पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(घ) में समान वस्तु को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है :-

"समान वस्तु" का अर्थ एक ऐसी वस्तु है जो भारत में पाटन के लिए जांच के अधीन वस्तु के समान हो या प्रत्येक दृष्टि से उसके जैसी हो अथवा ऐसी वस्तु के अभाव में कोई अन्य ऐसी वस्तु जो यद्यपि प्रत्येक दृष्टि से समान न हो तब भी उसमें जांचाधीन वस्तु से अत्यधिक मिलती-जुलती विशेषताएं हो;

16. घरेलू उद्योग ने दावा किया है कि भारत में पाटित की जा रही संबद्ध वस्तु उसके द्वारा उत्पादित घरेलू समान उत्पाद के समनुरूप है। घरेलू उद्योग ने आगे यह दावा किया है कि उनके उत्पाद और संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है और ये भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत विपणन/विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसे विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई खास अंतर नहीं है और ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। हितबद्ध पक्षकारों ने भी घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से निर्यातित समान वस्तु के निर्यात का खंडन नहीं किया है।

17. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित तथा संबद्ध देशों से निर्यातित संबद्ध वस्तु में कोई ज्ञात अंतर नहीं है। भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित और संबद्ध देशों से आयातित संबद्ध वस्तु भौतिक एवं रासायनिक विशेषताओं, विनिर्माण प्रक्रिया एवं प्रौद्योगिकी, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, कीमत विपणन/विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण जैसे विशेषताओं के संबंध में तुलनीय है। ये दोनों तकनीकी तथा वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय हैं। उपभोक्ता दोनों का अदल बदल कर उपयोग कर रहे हैं। इस संबंध में किसी हितबद्ध पक्षकार ने

कोई आपत्ति नहीं की है । उपर्युक्त के मद्देनजर घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित संबद्ध वस्तु को नियमों के अनुसार संबद्ध देश से आयातित विचाराधीन उत्पाद के घरेलू समान वस्तु माना जा रहा है ।

18. रिकॉर्ड में उपलब्ध सूचना में विचार करने के बाद प्राधिकारी का विचार है कि संबद्ध देशों से निर्यातित और भारतीय उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद के बीच कोई ज्ञात अंतर नहीं है । घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित विचाराधीन उत्पाद रासायनिक विशेषताओं, कार्य एवं उपयोग, उत्पाद विनिर्देशन, वितरण एवं विपणन तथा वस्तु के टैरिफ वर्गीकरण के संबंध में आयातित संबद्ध उत्पाद से तुलनीय है । इस प्रकार दोनों को तकनीकी और वाणिज्यिक रूप से प्रतिस्थापनीय माना जाता है और इस प्रकार ये नियमों के अनुसार समान वस्तुएं हैं ।

ग घरेलू उद्योग का क्षेत्र और आधार

19. हितबद्ध पक्षकारों ने अनुरोध किया है कि याचिकाकर्ता की यू ए ई तथा थाइलैंड में संबद्ध कंपनी है जो भारत को जिप्सम बोर्डों का निर्यात कर रही है । इससे याचिकाकर्ता पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) के अनुसार, "संबद्ध निर्यातक" बन जाता है और ऐसे उत्पादक घरेलू उद्योग का भाग नहीं होंगे ।

20 घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि न तो वे संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु के निर्यातकों या भारत में संबद्ध वस्तु के आयातकों से संबंधित हैं और न ही उन्होंने जांच अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात किया है ।

प्राधिकारी द्वारा जांच

21. यथासंशोधित पाटनरोधी नियमावली के नियम 2(ख) में घरेलू उद्योग को निम्नानुसार परिभाषित किया गया है:-

"घरेलू उद्योग" का तात्पर्य ऐसे समग्र घरेलू उत्पादकों से है जो समान वस्तु के विनिर्माण और उससे जुड़े किसी कार्यकलाप में संलग्न हैं अथवा उन उत्पादकों से है जिनका उक्त वस्तु का सामूहिक उत्पादन उक्त वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन का एक बड़ा हिस्सा बनता है, परंतु जब ऐसे उत्पादक आरोपित पाटित वस्तु के निर्यातकों या आयातकों से संबंधित होते हैं या वे स्वयं उसके आयातक होते हैं तो ऐसे मामले में "घरेलू उद्योग" पद का अर्थ केवल शेष उत्पादकों के उल्लेख के रूप में निकाला जाएगा ।

22. प्राधिकारी नोट करते हैं कि संबद्ध जांच में आवेदन घरेलू उद्योग की ओर से मै. सेंटगोवेन जीप्रोक इंडिया लि. द्वारा दायर किया गया था । मै. सेंटगोमेन जीप्रोक इंडिया लि. द्वारा प्रस्तुत सूचना के अनुसार भारत में संबद्ध वस्तु का एक अन्य उत्पादक अर्थात् मै. लाफर्ज बोरल जिप्सम इंडिया प्रा. लि. (एल बी जी आई) है । आवेदक कंपनी का हिस्सा संबद्ध वस्तु के कुल घरेलू उत्पादन में 79% होने का दावा किया गया था और शेष हिस्सा आवेदक कंपनी मै. लाफर्ज बोरल जिप्सम इंडिया प्रा. लि. का था । तथापि, आवेदक कंपनी के दावानुसार मै. लाफर्ज बोरल जिप्सम इंडिया प्रा. लि. संबद्ध वस्तु का नियमित आयातक है और उसने जांच अवधि के दौरान संबद्ध वस्तु का आयात भी किया है जिससे वह नियमानुसार घरेलू उद्योग के दर्जे का पात्र नहीं रह गया है ।

प्राधिकारी नोट करते हैं कि मै. लाफर्ज बोरेल जिप्सम इंडिया प्रा. लि. सहित किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस तथ्य का खंडन नहीं किया है।

23 प्राधिकारी आगे नोट करते हैं कि किसी भी हितबद्ध पक्षकार ने इस आशय का दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत कर इस दावे की पुष्टि नहीं की है कि संबद्ध देशों में मै. सेंटगोवेन जीप्रोक इंडिया लि. की संबद्ध कंपनियां हैं जिन्होंने जांच अवधि के दौरान भारत को संबद्ध वस्तु का निर्यात किया है। यह स्थिति हो सकती है कि संबद्ध देशों में उसकी कुछ संबद्ध कंपनियों ने कुछ जिप्सम प्लास्टर बोर्डों की अपवर्जित किस्म का निर्यात किया हो परंतु उससे वह नियमानुसार घरेलू उद्योग के दर्जे की अपात्र नहीं बन जाती है। उपर्युक्त स्थिति को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी मै. सेंटगोवेन जीप्रोक इंडिया लि. को भारत में संबद्ध वस्तु के उत्पादन में एक बड़ा हिस्सा रखने वाली मानते हैं और इसलिए वह नियमानुसार घरेलू उद्योग है।

घ. न्यूनतम सीमाएं

24. वाणिज्यिक आरूचना एवं सांख्यिकी महानिदेशालय (डी जी सी आई एंड एस) तथा अन्य गौण स्रोतों से प्राधिकारी को प्राप्त आयात के आंकड़ों एवं संबद्ध देशों के सहयोगी निर्यातकों से प्रस्तुत आंकड़ों के अनुसार संबद्ध देशों से संबद्ध वस्तु का आयात न्यूनतम सीमा से अधिक है।

ङ सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन

25. हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

- i. याचिकाकर्ता का यह कथन गलत है कि थाइलैंड में संबद्ध वस्तु की कीमतें उसकी पहुंच के बाहर हैं क्योंकि उसकी एक सहायक कंपनी अर्थात् मै. थाई जिप्सम प्रोडक्ट्स पी एल सी संबद्ध वस्तु का उत्पादन करती है।
- ii. याचिकाकर्ता का यह दावा कि थाइलैंड में जिप्सम की घरेलू बिक्री कीमत सरकार द्वारा नियंत्रित है, किसी दस्तावेजी साक्ष्य से समर्थित नहीं है। कुछ पत्रों में यह बताया गया है कि प्राकृतिक संसाधन का विदेश में अनुचित निर्यात न किए जाने की दृष्टि से सरकार जिप्सम की एक न्यूनतम निर्यात कीमत तय करेगी। इस प्रकार थाइलैंड की सरकार द्वारा जिस बात पर नियंत्रण रखा जा रहा है वह थाइलैंड के बाहर बिक्री हेतु जिप्सम की न्यूनतम निर्यात कीमत है न कि घरेलू बिक्री कीमत।
- iii. याचिका में प्रस्तुत परिकलित सामान्य मूल्य कानून की अपेक्षा पर खरा नहीं उतरता है। प्रमुख कच्ची सामग्री-जिप्सम की कीमत पर "घरेलू उद्योग के अनुभव" के आधार पर विचार किया गया है। परिकलित सामान्य मूल्य की ऐसी किसी कार्यप्रणाली सुनी नहीं गई है।
- iv. याचिकाकर्ता ने उस सामग्री का भी प्रकटन नहीं किया है जिसे उसने कच्ची सामग्री माना है और परिकलित सामान्य मूल्य के निर्धारण में विचारित उसका मूल्य क्या है। याचिकाकर्ता द्वारा अपनाया गया खपत का कारक भी नहीं

बताया गया है । जिस साक्ष्य के आधार पर ऐसी कीमत का परिकलन किया गया था उसे भी उपलब्ध नहीं कराया गया है । लागत का एक प्रमुख घटक बिजली की लागत भी है । याचिकाकर्ता ने विद्युत की खपत हेतु प्रयुक्त मानदंड भी उपलब्ध नहीं कराया है और न ही परिकलित सामान्य मूल्य के निर्धारण में विचारित विद्युत की प्रति इकाई लागत का उल्लेख किया है ।

- v. कारखाना निर्यात कीमत का निर्धारण करने में याचिकाकर्ता ने आई बी आई एस से उपलब्ध सी आई एफ निर्यात कीमत का समायोजन अन्य बातों के साथ-साथ उस समुद्री भाड़े के साथ किया है जिसका व्यय भारत को निर्यातक देश से संबद्ध वस्तु को भेदने में किया जाएगा । याचिकाकर्ता ने यह दावा किया है कि उसके पास उपलब्ध सूचना के अनुसार भारत को थाइलैंड से समुद्री भाड़ा 55 अम.डा. प्रति घन मी. है । भाड़ा लागत अधिक बताई गई है । जांच अवधि के दौरान भाड़ा प्रभार 55 अम.डा. प्रति घन मी. से काफी कम रहा है ।
- vi. याचिकाकर्ता ने यू ए ई/थाइलैंड के लिए सामान्य मूल्य परिकलित किया है । ऐसा इस तथ्य के बावजूद किया गया है कि उसकी यू ए ई/थाइलैंड में जिप्सम प्लास्टर बोर्डों का उत्पादन करने वाली खुद की कंपनियां हैं । ऐसा मामला होने के कारण याचिकाकर्ता ने जानबूझकर इन देशों में वास्तविक बिक्री कीमत के आधार पर सामान्य मूल्य का साक्ष्य प्रदान नहीं किया है ।
- vii. सियाम सरबुरी ने *** मिमी. की चौड़ाई और *** मिमी. की मोटाई के ऑर्डर पर बनाए गए लाजिप ब्रांड के सादा जिप्सम प्लास्टर बोर्डों का भारत को निर्यात किया है । तथापि, थाइलैंड के घरेलू बाजार में सियाम सरबुरी ने **, **, ** तथा ** मिमी. की मोटाई, ***, *** मिमी की चौड़ाई और ***-*** मिमी. की लंबाई के स्टैंडर्ड बोर्ड के सादा जिप्सम बोर्डों की बिक्री की है । चूंकि निर्यातित वस्तु घरेलू रूप से बेची गई वस्तु से अलग है, इसलिए घरेलू बिक्री कीमत का उपयोग श्याम सरबुरी हेतु सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए नहीं किया जा सकता । तथापि, श्याम सरबुरी ने अन्य देशों को *** मिमी. की मोटाई बोर्डों का निर्यात किया है । अतः सीमाशुल्क टैरिफ अधिनियम के संगत उपबंधों के अनुसार सियाम सरबुरी के लिए सामान्य मूल्य का निर्धारण अन्य देशों को निर्यातित *** मिमी. की मोटाई के बोर्डों की कीमत के आधार पर किया जाना चाहिए । तथापि यदि प्राधिकारी का यह मत है कि सामान्य मूल्य का निर्धारण अन्य मोटाई के जिप्सम बोर्डों की घरेलू बिक्री के आधार पर किया जाए तो ऐसा ** मिमी. की मोटाई वाले बोर्ड, जो समान उत्पाद है, की घरेलू बिक्री कीमत को लेकर किया जा सकता है ।
- viii. सियाम सांखला ने न तो घरेलू बाजार में *** मिमी. की मोटाई के बोर्ड की बिक्री की है और न ही इसका निर्यात अन्य देशों को किया है । इस बात को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी को भारत को निर्यातित *** मिमी. की मोटाई के बोर्डों की बिक्री कीमत की तुलना थाइलैंड के घरेलू बाजार में बेचे गए ** मिमी. की मोटाई के बोर्डों के साथ करनी चाहिए ।

26. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के संबंध में घरेलू उद्योग के अनुरोध निम्नानुसार हैं :-

- i. थाइलैंड में उत्पादकों को मुख्यतः सरकारी हस्तक्षेप के कारण कच्ची सामग्री की कीमत के बारे में अनुचित लाभ प्राप्त है। जिप्सम की न्यूनतम निर्यात कीमत के निर्धारण के बारे में थाइलैंड की खनन उद्योग परिषद द्वारा 16 जनवरी, 2009 को जारी अधिसूचना संदर्भ संख्या ओ आर . के ओ. 0516/193 में यह उल्लेख है कि संबद्ध वस्तु के लिए प्रमुख कच्ची सामग्री जिप्सम की कीमत को थाइलैंड में अपनाई गई विशेष कीमत नीति के कारण उसके अंकित मूल्य पर स्वीकार नहीं किया जा सकता। इसके अलावा इसमें थाइलैंड में जिप्सम की उचित बाजार कीमत का प्रदर्शन नहीं होता है। प्राधिकारी से अनुरोध है कि वह थाइलैंड में सामान्य मूल्य के निर्धारण के प्रयोजनार्थ उत्पादन लागत की गणना करते समय जिप्सम के बाजार मूल्य को हिसाब में लें।
- ii. संबद्ध देशों में से एक देश थाइलैंड को चीन जन.गण. के सामान्य मूल्य के निर्धारण के लिए उचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में लिया जाए क्योंकि संबद्ध वस्तु के विनिर्माण हेतु चीन जन गण में क्षमता थाइलैंड में विनिर्माण क्षमता के आसपास है। इसके अलावा, औद्योगिक संरचना, संयंत्रों की औसत क्षमता, लागत संरचना, उत्पादन प्रक्रिया और प्रौद्योगिकी चीन में पाई गई इन विशेषताओं से अत्यधिक मिलती-जुलती हैं। अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण से संबंधित संगत सूचना जांच के दौरान प्राधिकारी द्वारा थाइलैंड से प्राप्त की जा सकती है।
- iii. इस ग्रुप के भीतर विभिन्न कंपनियां अलग-अलग विधिक सत्ताएं हैं जिनका स्वतंत्र प्रबंधन है। जहां उन पर किसी खास प्रयोजन के लिए संबद्ध कंपनियों के रूप में विचार किया जा सकता है वहीं अलग-अलग शेयरधारिता की पद्धति के कारण ग्रुप के भीतर समूची सत्ताओं की सूचना के आदान-प्रदान की कोई परंपरा नहीं है। इसके अलावा, ग्रुप कंपनियों के भीतर भी लागत तथा कीमत सूचना की भागीदारी पर तब तक जोर नहीं दिया जा सकता जब तक कि एक कंपनी दूसरी कंपनी की 100% सहायक कंपनी न हो। बहरहाल आवेदक का दायित्व जांच की शुरुआत के प्रयोजनार्थ पर्याप्त साक्ष्य उपलब्ध कराने का ही होता है और सहयोगी निर्यातक की वास्तविक लागत तथा कीमत ही वह मद है जिस पर पाटन मार्जिन की गणना के प्रयोजनार्थ विचार किया जाएगा।
- iv. यह कथन निराधार है कि याचिका में प्रस्तुत परिकलित सामान्य मूल्य कानून की अपेक्षा को पूरा नहीं करता है। कानून के अंतर्गत आवेदक को केवल वह साक्ष्य देना अपेक्षित होता है जो पाटनरोधी नियमावली के नियम 5 के अनुसार जांच की शुरुआत को न्यायोचित ठहराने के लिए पर्याप्त हो।
- v. घरेलू उद्योग की सूचना को डी जी ए डी ने परिकलित सामान्य मूल्य एवं पाटन मार्जिन की गणना हेतु नैमित्तिक रूप से वैध आधार माना जा रहा है। कानून में वास्तविक जांच और परंपरा यह रही है कि क्या माननीय प्राधिकारी द्वारा भरोसा की गई सूचना जांच की शुरुआत के लिए पर्याप्त है अथवा नहीं।
- vi. कच्ची सामग्री और विद्युत की लागत/खपत से संबंधित सूचना व्यापार संवेदनशील सूचना है और इस प्रकार यह गोपनीय है।
- vii. समुद्री भाड़े के संदर्भ में किए गए दावे की पुष्टि करने के लिए संगत दस्तावेज आवेदन के साथ संलग्न है।

- viii. सियाम सरबुरी तथा सियाम सांखला के सुझावानुसार सामान्य मूल्य के निर्धारण की कार्यप्रणाली कानून में निर्धारित कार्यप्रणाली के अनुसार नहीं है।
- ix. घरेलू और यू ए ई से निर्यात कीमत को अस्वीकार किया जाना चाहिए क्योंकि उनमें स्वयं निर्यातकों के अनुरोधों के अनुसार उत्पादन तथा बिक्री की संपूर्ण लागत प्रदर्शित नहीं होती है जो एसीजेड में स्थित होने के कारण प्रोत्साहनों/सब्सिडी का कुछ लाभ ले रहे हैं।

प्राधिकारी द्वारा जांच

27. सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन के बारे में हितबद्ध पक्षकारों के अनुरोधों पर प्राधिकारी ने निम्नानुसार विचार किया है :-

- i. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत थाइलैंड की खनन उद्योग परिषद की 16 जनवरी, 2009 की अधिसूचना संदर्भ संख्या ओ आर. के ओ. 0516/193 से यह पता चलता है कि कच्ची सामग्री अर्थात् जिप्सम की निर्यात कीमत संबद्ध देश की सरकार द्वारा विनियमित होती है। तथापि, इस बात की पुष्टि करने के लिए कोई साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया गया है कि निर्यातक देश की सरकार के उक्त आदेश द्वारा कच्ची सामग्री की घरेलू कीमत पर भी प्रभाव पड़ता है। अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के इससे संबंधित तर्क को स्वीकार नहीं किया है।
- ii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा 7 के अनुसार गैर बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयात होने की स्थिति में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश में कीमत या परिकलित मूल्य या तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों को कीमत के आधार पर किया जाएगा अथवा जहां ऐसा संभव न हो वहां उचित लाभ मार्जिन को शामिल करने के लिए आवश्यकतानुसार विधिवत समायोजित समान उत्पाद के लिए भारत में वास्तव में संदत्त या संदेय कीमत सहित किसी अन्य उचित आधार पर किया जाएगा। प्राधिकारी द्वारा संबद्ध देश के विकास के स्तर और संदर्भाधीन उत्पाद को ध्यान में रखते हुए उचित ढंग से बाजार अर्थव्यवस्था वाले समुचित तीसरे देश का चयन किया जाएगा। एवं चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी भरोसेमंद सूचना को विधिवत ध्यान में रखा जाएगा। प्राधिकारी आगे यह नोट करते हैं कि न तो थाइलैंड को चीन जन.गण. के अनुसार विकास के समान स्तर पर माना जा सकता है और न ही इस संबंध में किसी हितबद्ध पक्षकार ने कोई भरोसेमंद सूचना उपलब्ध कराई है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए वर्तमान जांच में थाइलैंड को चीन जन.गण. हेतु सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु बाजार अर्थव्यवस्था वाले समुचित तीसरे देश के रूप में एक संबद्ध देश मानने के बारे में घरेलू उद्योग के अनुरोध को प्राधिकारी द्वारा स्वीकार नहीं किया जाता है।
- iii. घरेलू उद्योग ने अनुरोध किया है कि जांच अवधि के दौरान संबद्ध देशों में उनकी संबद्ध कंपनियों ने भारत में संबद्ध वस्तु का निर्यात नहीं किया है। परिणामतः ऐसी संबद्ध कंपनियों ने भी वर्तमान जांच में उत्तर नहीं दिया है। इसके अलावा, घरेलू उद्योग ने यह बताया है कि गुप के भीतर विभिन्न कंपनियां स्वतंत्र प्रबंधन वाली अलग-अलग विधिक सत्ताएं हैं और इसलिए लागत एवं कीमत से संबंधित सूचना गोपनीय होने के कारण उसकी भागीदारी नहीं की जाती है।

- iv. जहां तक घरेलू उद्योग के इस अनुरोध का संबंध है कि एसीजैड में स्थित होने के कारण यू ए ई के निर्यातकों को प्रोत्साहन/सब्सिडी उपलब्ध है, प्राधिकारी ने इस चरण पर यू ए ई के प्रतिवादी निर्यातक के दावों को स्वीकार किया है जो सभी प्रकार के उसके अनुरोधों के सत्यापन के अधीन है ।
- v. जहां तक संबद्ध देशों के सहयोगी निर्यातकों के अनुरोधों के आधार पर कारखाना निर्यात कीमत के निर्धारण हेतु परिवहन लागत के समायोजन के बारे में घरेलू उद्योग के दावे का संबंध है, प्राधिकारी नेट करते हैं कि उक्त दावा स्पष्ट तौर पर फालतू प्रतीत होता है । अतः सामान्य मूल्य के निर्धारण में प्राधिकारी ने इस संबंध में सहयोगी निर्यातकों के दावों के आधार पर परिवहन लागत पर विचार किया है ।
- vi. प्राधिकारी द्वारा सामान्य मूल्य और निर्यात कीमत के निर्धारण के लिए अपनाई गई कार्य प्रणाली नियमों में निर्धारित सिद्धांतों के अनुरूप है और इसका उल्लेख इस जांच परिणाम में किया गया है ।

28. निम्नलिखित सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों द्वारा प्रस्तुत निर्यातक प्रश्नावली के उत्तरों को प्राधिकारी ने उनके दावों के सत्यापन के अधीन स्वीकार किया है और उन पर इस प्रारंभिक जांच परिणाम में सामान्य मूल्य, निर्यात कीमत तथा पाटन मार्जिन के निर्धारण हेतु विचार किया है । संबंधित संबद्ध देशों के अन्य उत्पादकों/निर्यातकों के बारे में प्राधिकारी ने रिकॉर्ड में उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना पर भरोसा किया है ।

- (क) जिप्सेमना कंपनी एल एल सी, यू ए ई
- (ख) दि सियाम जिप्सम इंडस्ट्री (सांखला) कंपनी लि., थाइलैंड
- (ग) दि सियाम जिप्सम इंडस्ट्री (सरबुरी) कंपनी लि., थाइलैंड

29. प्राधिकारी ने सामान्य मूल्य निर्यात कीमत और पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया है:-

सामान्य मूल्य

30. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने प्रश्नावली के उत्तर प्रस्तुत नहीं किए हैं और इसलिए वह असहयोगी हैं । किसी उत्तर के अभाव में और चीन जन.गण. एक गैर-बाजार अर्थव्यवस्था होने के कारण प्राधिकारी चीन जन.गण. हेतु सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार, कार्यवाही करना उचित समझते हैं । नियमावली के अनुबंध-1 के नियम 7 में उपबंधित है कि:-

गैर-बाजार अर्थव्यवस्था वाले देशों से आयातों के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश की कीमत अथवा संरचित मूल्य, अथवा किसी तीसरे देश से भारत सहित अन्य देशों के लिए कीमत अथवा जहां यह संभव न हो, अथवा अन्य किसी समुचित आधार पर किया जाएगा, जिसमें भारत में समान वस्तु के लिए वास्तविक रूप से संदत्त अथवा भुगतान योग्य कीमत, जिसमें यदि आवश्यक हो तो लाभ की समुचित गुंजाइश भी शामिल की जाएगी । निर्दिष्ट प्राधिकारी द्वारा बाजार अर्थव्यवस्था वाले किसी

तीसरे समुचित देश का चयन उचित तरीके से किया जाएगा जिसमें संबंधित देश के विकास के स्तर तथा प्रश्नगत उत्पाद का ध्यान रखा जाएगा और चयन के समय उपलब्ध कराई गई किसी विश्वसनीय सूचना का भी ध्यान रखा जाएगा । जहां उचित हो उचित समयसीमा के भीतर किसी अन्य बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के संबंध में इसी प्रकार के मामले में की गई जांच पर भी ध्यान दिया जाएगा । जांच से संबंधित पक्षों को बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के उपर्युक्त प्रकार से चयन के बारे में बिना किसी अनुचित विलंब के सूचित किया जाएगा और उन्हें अपनी टिप्पणियां देने के लिए उचित अवधि प्रदान की जाएगी ।

31. घरेलू उद्योग ने नियमावली के अंतर्गत यथापेक्षित कोई विश्वसनीय सूचना प्रस्तुत किए बिना, चीन जन.गण. हेतु सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु थाइलैण्ड को समुचित बाजार अर्थव्यवस्था वाले तीसरे देश के रूप में मानने का प्रस्ताव किया था। इसके अलावा प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. और थाइलैण्ड को विकास के समान स्तर पर नहीं माना जा सकता है। उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए नियमावली के अनुबंध-1 के पैरा-7 के अनुसार, प्राधिकारी संरचित सामान्य मूल्य (CNV) का "अंतिम निर्धारण समान उत्पाद हेतु भारत में वास्तविक रूप से एकत्र अथवा देय कीमत, जिसमें, यदि आवश्यक हो, समुचित लाभ मार्जिन को शामिल करने हेतु विधिवत समायोजन किया गया है, सहित किसी अन्य समुचित आधार पर करते हैं" । तदनुसार, प्राधिकारी ने चीन जन.गण. के संबंध में सीएनवी का निर्धारण *** अम.डॉलर प्रति मी.टन किया है ।

32. प्राधिकारी नोट करते हैं कि इण्डोनेशिया के किसी भी उत्पादक/निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है । अतः प्राधिकारी ने इण्डोनेशिया के संबंध में सामान्य मूल्य के निर्धारण हेतु नियमावली के नियम 6(8) के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना पर विश्वास किया है और सामान्य मूल्य का निर्धारण *** अम.डॉलर प्रति मी.टन किया है ।

थाइलैण्ड और यूएई के सहयोगी निर्यातकों/उत्पादकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारण

यूएई

मेसर्स जिपसेम्मा, यूएई

33. कंपनी ने घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री का ब्यौरा प्रस्तुत किया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तु की *** घन मीटर की बिक्री की थी । प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में बेची गई सम्बद्ध वस्तु की मोटाई *** मिमी से *** मिमी के बीच थी। जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कंपनी की घरेलू बिक्री के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि उपभोक्ताओं को बेची गई वस्तु की मोटाई के आधार पर बिक्री कीमत में उल्लेखनीय अन्तर था। घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की कारखाना-द्वार बिक्री कीमत *** अम.डॉलर प्रति घन मीटर से *** अम.

डॉलर प्रति घन मीटर के बीच थी। अतः सामान्य मूल्य ज्ञात करने के प्रयोजनार्थ और समान वस्तु के आधार पर तुलना हेतु कंपनी द्वारा भारत को निर्यातित जिप्सम प्लास्टर बोर्ड की मोटाई की घरेलू बिक्री कीमत पर विचार किया गया है। तदनुसार, जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री की औसत सीआईएफ कीमत *** अम.डॉलर थी। कंपनी ने स्थानीय परिवहन और ऋण लागत के आधार पर समायोजन का भी दावा किया है। मेसर्स जिप्सेम्ना, यूएई ने यह भी दावा किया है कि घरेलू बाजार में उपभोक्ताओं को सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री व्यापार के विभिन्न स्तरों पर की जा रही है। तदनुसार, कंपनी बेची गई वस्तु की मात्रा के आधार पर उपभोक्ताओं को उल्लेखनीय डिस्काउंट देती है। कंपनी द्वारा प्रस्तुत सूचना के सत्यापन तथा दस्तावेजी साक्ष्य द्वारा प्रमाणित किए जाने के अध्यक्षीन प्राधिकारी इस स्थिति में सामान्य मूल्य के बारे में कंपनी के दावे को स्वीकार नहीं करते हैं। तदनुसार, प्राधिकारी द्वारा मेसर्स जिप्सेम्ना, यूएई के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण *** अम.डॉलर/मीटर क्यूब किया गया है।

थाइलैण्ड

मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (सोंगखला) कंपनी लि., थाइलैण्ड

34. कंपनी ने घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री का ब्यौरा प्रस्तुत किया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तु की *** घन मीटर की बिक्री की थी। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में बेची गई सम्बद्ध वस्तु की मोटाई *** मिमी से *** मिमी के बीच थी। जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कंपनी की घरेलू बिक्री के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि उपभोक्ताओं को बेची गई वस्तु की मोटाई के आधार पर बिक्री कीमत में उल्लेखनीय अन्तर था। घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की कारखाना-द्वार बिक्री कीमत *** अम.डॉलर प्रति घन मीटर से *** अम. डॉलर प्रति घन मीटर के बीच थी। अतः सामान्य मूल्य ज्ञात करने के प्रयोजनार्थ और समान वस्तु के आधार पर तुलना हेतु कंपनी द्वारा भारत को निर्यातित जिप्सम प्लास्टर बोर्ड की मोटाई की घरेलू बिक्री कीमत पर विचार किया गया है। तदनुसार, जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री की औसत सीआईएफ कीमत *** अम.डॉलर थी। कंपनी ने स्थानीय परिवहन समुद्री मालभाड़े, बीमे, पत्तन प्रहस्तन प्रभार, सीमाशुल्क विभाग के शुल्क ऋण लागत और बैंक प्रभारों हेतु समायोजन का भी दावा किया है। कंपनी द्वारा प्रस्तुत सूचना के सत्यापन के अध्यक्षीन प्राधिकारी सामान्य मूल्य के बारे में कंपनी के दावे को स्वीकार करते हैं। तदनुसार, मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (सोंगखला) कंपनी लि. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण *** अम.डॉलर प्रति मीटर क्यूब किया गया है।

मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (साराबूरी) कंपनी लि.

35. कंपनी ने घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री का ब्यौरा प्रस्तुत किया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तु की *** घन मीटर की बिक्री की थी। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू बाजार में बेची गई सम्बद्ध वस्तु की मोटाई *** मिमी से *** मिमी के बीच थी। जांच अवधि के दौरान याचिकाकर्ता कंपनी की घरेलू बिक्री के विश्लेषण से ज्ञात होता है कि उपभोक्ताओं को बेची गई वस्तु की मोटाई के आधार पर बिक्री कीमत में उल्लेखनीय अन्तर था। घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की कारखाना-द्वारा बिक्री कीमत *** अम.डॉलर प्रति घन मीटर से *** अम. डॉलर प्रति घन मीटर के बीच थी। अतः सामान्य मूल्य ज्ञात करने के प्रयोजनार्थ और समान वस्तु के आधार पर तुलना हेतु कंपनी द्वारा भारत को निर्यातित जिप्सम प्लास्टर बोर्ड की मोटाई की घरेलू बिक्री कीमत पर विचार किया गया है। तदनुसार, जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध वस्तुओं की घरेलू बिक्री की औसत सीआईएफ कीमत *** अम.डॉलर थी। कंपनी ने स्थानीय परिवहन समुद्री मालभाड़े, बीमे, पत्तन प्रहस्तन प्रभार, सीमाशुल्क विभाग के शुल्क ऋण लागत और बैंक प्रभारों हेतु समायोजन का भी दावा किया है। कंपनी द्वारा प्रस्तुत सूचना के सत्यापन के अध्यक्षीन प्राधिकारी सामान्य मूल्य के बारे में कंपनी के दावे को स्वीकार करते हैं। तदनुसार, प्राधिकारी द्वारा मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (साराबूरी) कंपनी लि. के मामले में सामान्य मूल्य का निर्धारण *** अम.डॉलर प्रति मीटर क्यूब किया गया है।

थाइलैण्ड और यूएई के असहयोगी निर्यातकों के संबंध में सामान्य मूल्य का निर्धारणअसहयोगी निर्यातक, यूएई

36. प्राधिकारी ने यूएई के असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण नियमावली के अनुसार सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर *** अम.डॉलर प्रति मी.टन किया है।

असहयोगी निर्यातक, थाइलैण्ड

37. प्राधिकारी ने नियमावली के अनुसार, सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना के आधार पर थाइलैण्ड के असहयोगी उत्पादकों/निर्यातकों हेतु सामान्य मूल्य का निर्धारण *** अम.डॉलर प्रति मी.टन किया है।

निर्यात कीमतयूएईमेसर्स जिप्सेम्ना कंपनी (एलएलसी), दुबई

38. कंपनी ने भारत को सम्बद्ध वस्तुओं के निर्यात का ब्यौरा निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत किया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने भारत के बाजार में केवल *** मिमी मोटाई की सम्बद्ध वस्तुएं बेची हैं। कंपनी ने *** अम.डॉलर की औसत निर्यात कीमत पर भारतीय बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की कुल *** मीटर क्यूब मात्रा बेची थी। कंपनी ने निर्यात कीमत में ऋण लागत, स्थानीय परिवहन, प्रलेखन प्रभार तथा समुद्री मालभाड़े हेतु समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ सूचना के सत्यापन के अध्यक्षीन निर्यात कीमत के बारे में कंपनी का दावा स्वीकार कर लिया है। तदनुसार, सत्यापन के अध्यक्षीन जांच अवधि के दौरान मेसर्स जिप्सम कंपनी (एलएलसी), दुबई द्वारा निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं की प्राधिकारी द्वारा ज्ञात की गई निर्यात कीमत *** अम.डॉलर प्रति घन मीटर बनती है।

यूएई के असहयोगी निर्यातक

39. प्राधिकारी नोट करते हैं कि यूएई के किसी अन्य निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। अतः प्राधिकारी ने इस देश के असहयोगी निर्यातकों हेतु यूएई के सहयोगी निर्यातकों की *** अम.डॉलर प्रति मीटर की भारत को न्यूनतम प्रतिनिधि निवल निर्यात कीमत को अपनाया है।

थाइलैण्ड

द सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (सोंगखला) कंपनी लि., थाइलैण्ड

40. कंपनी ने भारत को सम्बद्ध वस्तुओं के निर्यात का ब्यौरा निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत किया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने भारत के बाजार में *** मिमी और *** मिमी मोटाई की सम्बद्ध वस्तुएं बेची हैं। कंपनी ने *** अम.डॉलर की औसत निर्यात कीमत पर भारतीय बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की कुल *** मीटर क्यूब मात्रा बेची थी। कंपनी ने निर्यात कीमत में समुद्री मालभाड़े, पत्तन प्रहरतन प्रभार, ऋण लागत और बैंक प्रभार हेतु समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ सूचना के सत्यापन के अध्यक्षीन निर्यात कीमत के बारे में कंपनी का दावा स्वीकार कर लिया है। तदनुसार, सत्यापन के अध्यक्षीन जांच अवधि के दौरान मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (सोंगखला) कंपनी लि., थाइलैण्ड द्वारा जांच अवधि के दौरान भारत को निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं की प्राधिकारी द्वारा ज्ञात निवल निर्यात कीमत *** अम.डॉलर प्रति घन मीटर बनती है।

द सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (साराबूरी) कंपनी लि., थाइलैण्ड

41. कंपनी ने भारत को सम्बद्ध वस्तुओं के निर्यात का ब्यौरा निर्धारित प्रपत्र में प्रस्तुत किया था। प्राधिकारी नोट करते हैं कि कंपनी ने भारत के बाजार में *** मिमी मोटाई की सम्बद्ध वस्तुएं बेची हैं। कंपनी ने *** अम.डॉलर की औसत निर्यात कीमत पर भारतीय बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की कुल *** मीटर क्यूब मात्रा बेची थी। कंपनी ने निर्यात

कीमत में अन्तर्देशीय परिवहन, समुद्री मालभाड़े, पत्तन प्रहरस्तन प्रभार, ऋण लागत और बैंक प्रभार हेतु समायोजन का दावा किया है। प्राधिकारी ने प्रारंभिक जांच परिणाम के प्रयोजनार्थ सूचना के सत्यापन के अध्यक्षीन निर्यात कीमत के बारे में कंपनी का दावा स्वीकार कर लिया है। तदनुसार, सत्यापन के अध्यक्षीन जांच अवधि के दौरान मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (साराबूरी) कंपनी लि., थाइलैण्ड द्वारा भारत को निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं की प्राधिकारी द्वारा ज्ञात की गई निवल निर्यात कीमत *** अम.डॉलर प्रति घन मीटर बनती है।

थाइलैण्ड के असहयोगी निर्यातक

42. प्राधिकारी नोट करते हैं कि थाइलैण्ड के किसी अन्य निर्यातक ने निर्यातक प्रश्नावली का उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। अतः प्राधिकारी ने इस देश के असहयोगी निर्यातकों हेतु थाइलैण्ड के सहयोगी निर्यातकों की *** अम.डॉलर प्रति मी.टन की भारत को न्यूनतम प्रतिनिधि निवल निर्यात कीमत को अपनाया है।

चीन जन.गण. एवं इण्डोनेशिया हेतु निर्यात कीमत का निर्धारण

43. प्राधिकारी नोट करते हैं कि चीन जन.गण. और इण्डोनेशिया के सम्बद्ध वस्तुओं के किसी भी निर्यातक/उत्पादक ने प्राधिकारी को निर्धारित प्रपत्र और तरीके से उत्तर प्रस्तुत नहीं किया है। अन्य देशों के उत्पादकों/निर्यातकों के उत्तर के अभाव में प्राधिकारी ने इन देशों के संबंध में निर्यात कीमत का निर्धारण पाटनरोधी नियमावली के नियम 6(8) के अनुसरण में, उपलब्ध सर्वोत्तम सूचना के आधार पर किया है। प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान उक्त देशों से किए गए आयातों का भारित औसत सीआईएफ मूल्य ज्ञात करने के प्रयोजनार्थ डीजीसीआई एंड एस के आयात आंकड़ों पर विश्वास किया है। उक्त देशों के संबंध में निवल निर्यात कीमत ज्ञात करने हेतु सर्वोत्तम उपलब्ध सूचना और घरेलू उद्योग द्वारा किए गए दावों के आधार पर समुद्री मालभाड़े, बीमे, पत्तन व्यय हेतु समायोजन पर विचार किया गया है। तदनुसार, कारखाना-द्वार स्तर पर निवल कीमत का निर्धारण चीन *** अम.डॉलर प्रति मी.टन और इण्डोनेशिया के सभी निर्यातकों हेतु *** अम.डॉलर प्रति मी.टन किया गया है।

पाटन मार्जिन

सम्बद्ध सत्ताओं हेतु पाटन मार्जिन

44. प्राधिकारी नोट करते हैं कि मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (सोंगखला) कंपनी लि., थाइलैण्ड और मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (साराबूरी) कंपनी लि. सम्बद्ध पार्टियां हैं क्योंकि दोनों कंपनियों की प्रमुख शेयर होल्डिंग एक कंपनी अर्थात् मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री कंपनी लि. द्वारा धारित है। सम्बद्ध निर्यातक उत्पादकों अथवा एक ही समूह के निर्यातक उत्पादकों को पाटन मार्जिन के निर्धारण के प्रयोजनार्थ एक और कंपनी मानना और उनके लिए एक पाटन मार्जिन का निर्धारण करना प्राधिकारी द्वारा अपनाई गई पद्धति रही है। ऐसा विशेष रूप से इसलिए किया जाता है कि अलग-अलग पाटन मार्जिन के

निर्धारण से पाटनरोधी उपायों से बचने को प्रोत्साहन मिलेगा और न्यूनतम पाटन मार्जिन वाली कंपनी के माध्यम से सम्बंधित निर्यातक उत्पादकों को भारत को निर्यात करने में समर्थ बनाने से वह अप्रभावी हो जाएंगे ।

45. उपर्युक्त निर्धारित सामान्य मूल्य और निर्यात कीमतों को ध्यान में रखते हुए पाटन मार्जिन का निर्धारण निम्नानुसार किया गया है:—

अम.डॉलर/घन मीटर में

क्र. सं.	देश	उत्पादक/निर्यातक	पाटन मार्जिन	पाटन मार्जिन %	पाटन मार्जिन (रेंज)
1.	थाइलैण्ड	मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (सोंगखला) कंपनी लि., थाइलैण्ड	***	***	70—80
		मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (सारबूरी) कंपनी लि., थाइलैण्ड	***	***	50—60
		समूह	***	***	45—55
		अन्य कोई उत्पादक/निर्यातक	***	***	85—95
2.	यूएई	मेसर्स जिप्सेम्ना कंपनी (एलएलसी), दुबई	***	***	8—16
		अन्य कोई उत्पादक/निर्यातक	***	***	15—25
3.	चीन	अन्य कोई उत्पादक/निर्यातक	***	***	35—45
4.	इण्डोनेशिया	अन्य कोई उत्पादक/निर्यातक	***	***	1—10

क्षति एवं कारणात्मक संबंध

हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए क्षति संबंधी निवेदन

46. घरेलू उद्योग को हुई क्षति के संबंध में हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार है :—

- घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति मांग की तुलना में अत्यधिक उत्पादन क्षमता के कारण उत्पादन लागत बढ़ने से हुई है।
- पाटनरोधी शुल्क लागू करने हेतु किया गया आवेदन बाजार से प्रतिस्पर्धा को समाप्त कर देने के उद्देश्य से प्रस्तुत किया गया है। भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने याचिकाकर्ता कंपनी के विरुद्ध इस संबंध में एक जांच पहले ही शुरू की है।

- iii. सम्बद्ध याचिका त्रुटिपूर्ण है क्योंकि याचिकाकर्ता प्रथमदृष्ट्या यह सिद्ध करने में असफल रहा है कि पाटन क्षति और कारणात्मक संबंध मौजूद था।
- iv. याचिकाकर्ता के चेन्नै स्थित संयंत्र की लागत के एमॉर्टाईजेशन के कारण याचिकाकर्ता कथित क्षति हुई है।
- v. आबद्ध खपत से हुए लाभ का विश्लेषण नहीं किया गया है। आंतरिक रूप से खपत की गई वस्तुओं के गैर-किफायती उपयोग से हुई क्षति का कारण सम्बद्ध आयातों को नहीं माना जा सकता है।
- vi. याचिकाकर्ता की क्षति रहित कीमत का निर्धारण समुचित लाभ मार्जिन के साथ किया जाना चाहिए।
- vii. आयात भारत में सम्बद्ध कंपनी द्वारा किए गए हैं, जो उत्पादों की बिक्री हेतु विज्ञापन व्यय, बिक्री संवर्धन व्यय, वेयरहाऊसिंग प्रभार आदि जैसे बिक्री से जुड़े सभी व्यय करती है। अतः उचित तुलना करने के उद्देश्य से भारत में व्यापारिक कंपनी की बिक्री कीमत की तुलना याचिकाकर्ता की बिक्री कीमत से की जानी चाहिए।
- viii. सम्बद्ध देशों से हुए आयातों में वृद्धि केवल नए उत्पादन और यूएई से परिणामी निर्यातों के कारण हुई है। यदि यूएई से हुए आयातों को दयरे से बाहर रखा जाए तो आयातों की मात्रा समान ही रहती है।
- ix. वर्ष 2008-09 से 2009-10 के दौरान आयातों के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। साथ ही, इसी अवधि के दौरान दूसरे भारतीय उत्पादक लाफार्ज बोराल जिप्सम इण्डिया प्रा.लि. के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है। इससे ज्ञात होता है कि घरेलू उद्योग को बाजार हिस्से का नुकसान आंतरिक घरेलू प्रतिस्पर्धा अर्थात् लाफार्ज बोराल जिप्सम इण्डिया प्रा.लि. के कारण हुआ है, न कि सम्बद्ध देशों से कथित पाटन के कारण।
- x. निवेदन किया जाता है कि वर्ष 2008-09 से 2009-10 के दौरान याचिकाकर्ता के उत्पादन में गिरावट आई थी, परन्तु जांच अवधि के दौरान उत्पादन में अत्यधिक वृद्धि हुई है। उपर्युक्त तालिका से यह भी देखा जा सकता है कि याचिकाकर्ता को उत्पादन में नुकसान दूसरे भारतीय उत्पादक के कारण हुआ जिसने वर्ष 2008-09 में विनिर्माण शुरू किया था।
- xi. कथित पाटित आयातों में वृद्धि और कथित क्षति के बीच कोई सह संबंध नहीं है। दरअसल, जब वर्ष 2008-09 और 2009-10 में आयातों में गिरावट आई थी तब अन्य बातों के साथ लाभ, नकद लाभ और निवेश से आय आदि जैसे याचिकाकर्ता के क्षति संबंधी मानदण्डों में भी गिरावट आई थी। अतः आयातों और कथित क्षति के बीच कारणात्मक संबंध की मौजूदगी अनुपस्थित है।

घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन

47. क्षति के बारे में घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- i. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिया गया यह तर्क गलत है कि घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति अत्यधिक उत्पादन क्षमता के कारण उत्पादन लागत बढ़ने से हुई है

न कि आयातों के कारण। क्षमता से संबंधित निर्णय बाजार के आकार और पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान वृद्धि दर के रूप में बाजार के विकास के आधार पर लिए जाते हैं। निम्नलिखित तालिका में दिए गए आंकड़ों से बाजार का अनुमानित आकार और वर्ष 2003 से 2006 तक प्रतिशत के रूप में बाजार वृद्धि ज्ञात होती है:—

एम3 में मात्रा	2003	2004	2005	2006
बाजार वृद्धि	85000	123750	173750	225000
वर्ष दर वर्ष बाजार वृद्धि		45.65%	40.4%	29.5 %

उपर्युक्त तालिका दर्शाती है कि पिछले वर्षों के दौरान 30 से 40 प्रतिशत की निरंतर औसत बाजार वृद्धि हुई है, जिसके कारण घरेलू उद्योग ने क्षमता विस्तार करने का निर्णय लिया था।

- ii. उत्पादन लागत में वृद्धि विचलनशील उत्पादन लागत में वृद्धि के कारण हुई है क्योंकि प्रति इकाई अचल लागत मामूली है। इस प्रकार, लागत में वृद्धि का कोई संबंध क्षमता में वृद्धि से नहीं है।
- iii. यह तर्क भ्रामक है कि याचिकाकर्ता का आशय बाजार से प्रतिस्पर्धा को समाप्त कर देना है। पाटनरोधी शुल्क की आधारभूत अवधारणा पाटन की अनुचित पद्धति से संरक्षण करना है। इसके अलावा, भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा याचिकाकर्ता अथवा विचाराधीन उत्पाद के विरुद्ध कोई जांच नहीं की गई है।
- iv. केवल पाटन, क्षति और कारणात्मक संबंध के पर्याप्त साक्ष्य के आधार पर ही प्राधिकारी द्वारा जांच शुरू की जाती है। क्षति, कारणात्मक संबंध और पाटन के संदर्भ में घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत किए गए आवेदन में सूचना पहले ही उपलब्ध कराई गई है।
- v. क्षति से संबंधित कारकों अथवा सामान्य मूल्य की गणना में चैनै संयंत्र के उत्पादन को समाप्त करने की लागत के एमॉर्टाइजेशन पर विचार नहीं किया गया है।
- vi. आबद्ध खपत की मात्रा नमूनों अथवा मॉक अप्स के रूप में प्रयुक्त बोर्डों के स्वरूप की है। वर्ष 2009-10 के दौरान इस प्रयोजनार्थ प्रयुक्त बोर्डों की कुल मात्रा *** मी.टन थी, जो *** एम3 के समतुल्य है, जो वर्ष 2009-10 के दौरान हुई बिक्री का मात्र *** प्रतिशत है। बिक्री संवर्धन व्यय के अंतर्गत इस लागत पर विचार किया गया है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

48. प्राधिकारी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों द्वारा दिया गया यह तर्क गलत है कि घरेलू उद्योग को हुई कथित क्षति अत्यधिक उत्पादन क्षमता के कारण उत्पादन लागत बढ़ने से हुई है न कि आयातों के कारण जैसा कि घरेलू उद्योग ने सही उल्लेख किया है

कि क्षमता विस्तार से संबंधित निर्णय कंपनियों द्वारा रातोंरात नहीं लिए जाते हैं बल्कि बाजार के आकार और पूर्ववर्ती वर्षों के दौरान देखी गई वृद्धि पर आधारित होते हैं। घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध कराए गए आंकड़ों दर्शाते हैं कि वर्ष 2003 से 2006 के दौरान बाजार में 30-40 प्रतिशत निरंतर औसत वृद्धि हुई है।

49. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क लागू करने का उद्देश्य बाजार से प्रतिस्पर्धा को समाप्त कर देना नहीं है बल्कि उचित प्रतिस्पर्धा की विशेषता के साथ समान अवसरों का सृजन करना है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि हितबद्ध पक्षकारों ने अपने निवेदनों के समर्थन में कोई दस्तावेजी साक्ष्य प्रस्तुत नहीं किया है कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने याचिकाकर्ता कंपनी के विरुद्ध इस संबंध में कोई जांच शुरू की है। घरेलू उद्योग ने भी सीसीआई द्वारा उनकी कंपनी के विरुद्ध ऐसी किसी जांच से इंकार किया है। इसके बावजूद, प्राधिकारी नोट करते हैं कि भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग द्वारा शुरू की गई जांच पाटनरोधी जांचों के दायरे से बाहर है।

50. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति से संबंधित कारकों अथवा सामान्य मूल्य की गणना में चैनै संयंत्र के उत्पादन को समाप्त करने की लागत के एमॉर्टाइजेशन पर विचार नहीं किया गया है। अतः हितबद्ध पक्षकारों द्वारा इस संबंध में किया गया निवेदन प्रासंगिक नहीं है।

51. प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग द्वारा दी गई सूचना के अनुसार घरेलू उद्योग द्वारा सम्बद्ध वस्तुओं की आवद्ध खपत की कुल मात्रा वर्ष 2009-10 के दौरान हुई कुल बिक्री की मात्रा *** प्रतिशत है, जो नगण्य है।

संचयी आकलन

52. पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II पैरा (iii) में प्रावधान है कि एक से अधिक देशों से उत्पाद के आयातों की एक ही समय पाटनरोधी जांच के मामले में प्राधिकारी ऐसे आयातों के संचयी प्रभाव का आकलन करेंगे यदि यह निर्धारित होता है कि :-

- क. प्रत्येक देश से किए गए आयातों हेतु निर्धारित पाटन मार्जिन निर्यात कीमत के प्रतिशत के रूप में व्यक्त करने पर दो प्रतिशत से अधिक है और प्रत्येक देश से किए गए आयातों की मात्रा समान वस्तु के आयात का तीन प्रतिशत (अथवा अधिक) है अथवा अलग-अलग देशों द्वारा किया गया निर्यात तीन प्रतिशत से कम है, समग्र आयात का हिस्सा समान वस्तु के आयातों से सात प्रतिशत अधिक है और
- ख. आयातित वस्तु और समान घरेलू वस्तु के बीच प्रतिस्पर्धा की शर्तों के संदर्भ में आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उचित है।

53. प्राधिकारी नोट करते हैं कि :-

- भारत में सम्बद्ध वस्तुओं का पाटन अनेक देशों से किया जा रहा है।

- प्रत्येक सम्बद्ध देश से किए जा रहे पाटन की मार्जिन न्यूनतम निर्धारित सीमा से अधिक है।
- प्रत्येक सम्बद्ध देश से किए गए आयातों की मात्रा निर्धारित न्यूनतम सीमा से अधिक है;
- आयातों के प्रभाव का संचयी आकलन करना उचित है क्योंकि सम्बद्ध देशों के निर्यात भारतीय बाजार में घरेलू उद्योग द्वारा उपलब्ध समान वस्तु से प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा कर रहे हैं, जो निम्नलिखित से स्पष्ट है:—

क. सम्बद्ध देशों के उत्पादकों द्वारा विनिर्मित उत्पादों और घरेलू उद्योग द्वारा विनिर्मित उत्पादों की विशेषताएं तुलनीय हैं। दूसरे शब्दों में विभिन्न देशों द्वारा आपूर्तित वस्तुएं घरेलू उद्योग द्वारा आपूर्तित वस्तुओं के समान वस्तुएं हैं।

ख. सामान्य पार्टियां हैं जो विभिन्न स्रोतों से आयातित वस्तुओं और घरेलू उद्योग द्वारा उत्पादित वस्तुओं का उपयोग कर रही हैं। आयातित और घरेलू सम्बद्ध वस्तुओं, दोनों का प्रयोग एक दूसरे के स्थान पर किया जा रहा है और घरेलू उत्पाद तथा आयातित उत्पाद तथा कमोबेश आयातित उत्पादों के बीच प्रत्यक्ष प्रतिस्पर्धा है।

ग. सम्बद्ध देशों के निर्यातकों और घरेलू उद्योग ने उत्पाद की बिक्री समान अवधि में ग्राहकों के समान समूह को की है। बिक्री के माध्यम तुलनीय हैं।

घ. प्रत्येक सम्बद्ध देश से किए गए आयातों की मात्रा अत्यधिक है।

54. उपर्युक्त को देखते हुए प्राधिकारी का विचार है कि सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के निर्यातों से घरेलू उद्योग को हुई क्षति का संचयी आकलन करना उचित होगा।

55. अनुबंध II के साथ पठित पाटनरोधी नियमावली के नियम II में प्रावधान है कि क्षति के निर्धारण में "..... पाटित आयातों की मात्रा, घरेलू बाजार में समान वस्तु की कीमतों पर उसके प्रभाव और ऐसी वस्तु के घरेलू उत्पादकों पर ऐसे आयातों के परिणामी प्रभाव हित सभी प्रासंगिक तथ्यों को ध्यान में रखकर" उन कारकों की जांच की जाएगी, जो घरेलू उद्योग को हुई क्षति के द्योतक हैं। कीमतों पर पाटित आयातों के प्रभाव पर विचार करते समय यह जांच करना जरूरी है कि क्या भारत में समान वस्तु की कीमत की तुलना में पाटित आयातों के कारण उल्लेखनीय कीमत कटौती हुई है अथवा क्या ऐसे आयातों के प्रभाव का उद्देश्य कीमतों में उल्लेखनीय स्तर तक मन्दी लाना अथवा कीमत वृद्धि को रोकना है, जो अन्यथा उल्लेखनीय स्तर तक हुई होती। भारत में घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों के प्रभाव का जांच हेतु पाटनरोधी नियमावली के अनुबंध II के अनुसरण में उद्योग जगत की स्थिति को प्रभावित करने वाले सूचकों जैसे उत्पादन, क्षमता उपयोग, बिक्री की मात्रा, स्टॉक, लाभप्रदता, निवल बिक्री प्राप्ति, पाटन की सीमा और मार्जिन आदि पर विचार किया गया है।

पाटित आयातों का मात्रात्मक प्रभाव

आयातों की मात्रा और सम्बद्ध देशों का बाजार हिस्सा

56. निम्नलिखित तालिका दर्शाती है कि भारत में किए गए कुल आयातों में सम्बद्ध देशों से किए गए आयातों का हिस्सा जांच अवधि के दौरान 99.13 प्रतिशत है। इसके अलावा प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान, निरपेक्ष रूप से, सम्बद्ध देशों से हुए आयातों में आधार वर्ष की तुलना में 194 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है।

मीटर क्यूब (एम3)

	अप्रैल 07— मार्च 08	अप्रैल 08— मार्च 09	अप्रैल 09— मार्च 10	जांच अवधि
सम्बद्ध देशों से आयात	54076	49851	53823	105134
अन्य देशों से हुए आयात	6	—	182	928
कुल आयात	54082	49851	54005	106062
कुल आयातों में सम्बद्ध देशों का प्रतिशत हिस्सा	99.99	100	99.99	99.13

सम्बद्ध देशों से आयातों का बाजार हिस्सा

57. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि वर्ष 2007-08 की तुलना में जांच अवधि के दौरान कुल मांग में घरेलू उत्पादन के हिस्से में गिरावट आई है। दूसरी ओर सम्बद्ध देशों से आयातों का हिस्सा 19.24 प्रतिशत से बढ़कर 27.65 प्रतिशत हो गया है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि याचिकाकर्ता कंपनी और सम्बद्ध वस्तुओं के अन्य घरेलू उत्पादकों द्वारा नए क्षमतावर्धन के कारण बाजार हिस्से में परिवर्तन हुआ है। तथापि, प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के हिस्से में हुए परिवर्तन की जांच, पाटन आयातों के कीमत प्रभाव आदि संबंधी अन्य मानदण्डों और घरेलू उद्योग को हुई परिणामी क्षति के संदर्भ में की है।

मीटर क्यूब (एम3)

	अप्रैल 07— मार्च 08	अप्रैल 08— मार्च 09	अप्रैल 09— मार्च 10	जांच अवधि
कुल आयात	54082	49851	54005	106062
याचिकाकर्ता कंपनी का उत्पादन	226982	211235	198999	216092
अन्य उत्पादकों का उत्पादन		30000	45000	58125
कुल मांग	281010	291086	298004	380279
सम्बद्ध देशों का प्रतिशत हिस्सा	19.24	17.13	18.06	27.65
अन्य देशों का हिस्सा	—	—	0.06	0.24
घरेलू उत्पादन का हिस्सा	80.75	83.88	81.88	72.10

घरेलू उत्पादन की तुलना में सम्बद्ध देशों से हुए आयात

58. निम्नलिखित तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उत्पादन के प्रतिशत के रूप में सम्बद्ध देशों से हुए आयात आधार वर्ष में 27.26 प्रतिशत से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 45.27 प्रतिशत हो गए हैं जो इस बात का द्योतक है कि सम्बद्ध देशों से हुए आयातों में न केवल निरपेक्ष रूप से वृद्धि हुई है, बल्कि कुल घरेलू मांग की तुलना में भी वृद्धि हुई है।

	मीटर क्यूब (एम3)			
	अप्रैल 07— मार्च 08	अप्रैल 08— मार्च 09	अप्रैल 09— मार्च 10	जांच अवधि
सम्बद्ध देशों से हुए आयात	54076	49851	53823	105134
अन्य देशों से हुए आयात	6		182	928
कुल आयात	54082	49851	54005	106062
विचाराधीन उत्पाद का कुल उत्पादन	226928	214235	243999	274217
प्रतिशत हिस्सा	23.8	23.2	22.1	38.7

घरेलू कीमतों पर पाटित आयातों का प्रभाव

59. सम्बद्ध देशों पर किए गए आयातों के पहुंच मूल्य तथा घरेलू बिक्री कीमतों एवं उसकी लागत का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

	रुपये / मीटर क्यूब (एम3)			
	अप्रैल 07— मार्च 08	अप्रैल 08— मार्च 09	अप्रैल 09— मार्च 10	जांच अवधि
पहुंच मूल्य	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	121	106	108
घरेलू बिक्री कीमत	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	109	112	106
लागत	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	124	135	120

60. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि के दौरान सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के औसत पहुंच मूल्य में उतार-चढ़ाव आता रहा है। तथापि, औसत पहुंच मूल्य में वर्ष 2008-09 में वृद्धि के बाद, सम्बद्ध वस्तुओं की विनिर्माण लागत में वृद्धि होने के बावजूद जांच अवधि के दौरान तेजी से गिरावट आई। दूसरी ओर, जांच की पूरी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग सम्बद्ध वस्तुओं को कम कीमत पर बेचने पर विवश प्रतीत होता है जिसके परिणामस्वरूप आधार वर्ष 2007-08 में लाभ अर्जित करने की स्थिति से जांच अवधि के दौरान घाटा हुआ है। यह इस बात का द्योतक है कि घरेलू उद्योग पाटित आयातों की उपस्थिति के कारण लागत में हुई वृद्धि को वसूल करने के लिए अपनी कीमतों में वृद्धि

करने में समर्थ नहीं हुआ। अतः यह इस बात का सूचक है कि जांच की पूरी अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की कीमतों में अवमूल्यन हुआ और आयात कीमतों के कारण कीमत कटौती हुई।

घरेलू उद्योग पर पाटित आयातों का परिणामी प्रभाव

भारतीय उत्पादकों द्वारा धारित बाजार हिस्से में परिवर्तन

61. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की जांच अवधि के दौरान घरेलू बाजार में मांग में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। तथापि, क्षति की जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में अत्यधिक गिरावट आई है। इसी प्रकार, कुल घरेलू बिक्री के हिस्से में इस अवधि में *** प्रतिशत की गिरावट आई है। इसका तात्पर्य यह है कि मांग में हुई वृद्धि पर सम्बद्ध देश से किए गए आयातों ने प्रत्यक्ष रूप से कब्जा कर लिया है। इस प्रकार, जहां तक बाजार हिस्से का संबंध है, आयातों के कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई है।

उत्पादन और क्षमता उपयोग

62. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध वस्तुओं हेतु कोई समर्पित क्षमता नहीं है। इसी क्षमता से सम्बद्ध वस्तुओं से इतर वस्तुओं का उत्पादन भी किया जाता है। तथापि, प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि सम्बद्ध वस्तुएं सभी उत्पादों के कुल उत्पादन का 92 प्रतिशत हैं। क्षति की अवधि और जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की क्षमता और उत्पादन का ब्यौरा निम्नलिखित तालिका में दिया गया है:-

मीटर क्यूब (एम3)

	अप्रैल 07— मार्च 08	अप्रैल 08— मार्च 09	अप्रैल 09— मार्च 10	जांच अवधि
क्षमता	287500	350000	412500	412500
कुल उत्पादन	226987	210860	204675	219882
क्षमता उपयोग %	79%	60%	50%	53%

63. उपर्युक्त तालिका से प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में 26 प्रतिशत की कमी आई है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग ने क्षति अवधि के दौरान क्षमता का वर्धन किया था। इसके अलावा, इसी अवधि के दौरान अन्य घरेलू उत्पादकों ने भी सम्बद्ध वस्तुओं के उत्पादन की शुरुआत की थी। अतः याचिकाकर्ता कंपनी के बाजार हिस्से में गिरावट आई है। यह उत्पादन में परिवर्तन आई है। यह उत्पादन में परिवर्तन और घरेलू उद्योग के क्षमता उपयोग में परिलक्षित हुआ था। अतः प्राधिकारी ने वर्तमान जांच में केवल इसी कारक को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का मानदण्ड नहीं माना है।

उत्पादकता

64. आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की प्रति कर्मचारी उत्पादकता में मामूली वृद्धि हुई है।

	अप्रैल 07— मार्च 08	अप्रैल 08— मार्च 09	अप्रैल 09— मार्च 10	मीटर क्यूब (एम3) जांच अवधि
उत्पादन	226987	210860	204675	219882
कर्मचारी	***	***	***	***
प्रति कर्मचारी उत्पादन	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	93	96	102

बिक्री की मात्रा और मूल्य

65. क्षति की जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में लगभग 5 प्रतिशत की गिरावट आई है। सम्बद्ध वस्तुओं की समग्र मांग में 74 प्रतिशत की वृद्धि के बावजूद घरेलू उद्योग की बिक्री की मात्रा में गिरावट आई है। सम्बद्ध वस्तुओं की मांग में वृद्धि के बावजूद बिक्री की मात्रा में गिरावट, और निर्यातों की मात्रा में अत्यधिक वृद्धि के साथ सम्बद्ध देशों से किए गए निर्यातों के बाजार हिस्से में वृद्धि सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों की उपस्थिति को प्रदर्शित करती है।

	अप्रैल 07— मार्च 08	अप्रैल 08— मार्च 09	अप्रैल 09— मार्च 10	मीटर क्यूब (एम3) जांच अवधि
बिक्री की कुल मात्रा— घरेलू	226928	211235	198999	216092
सूचीबद्ध	100	93	88	95

रोजगार एवं मजदूरी

66. प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति की जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित कर्मचारियों की संख्या में कमी आई है। तथापि, उन्हें भुगतान की गई मजदूरी में वृद्धि हुई है।

	अप्रैल 07— मार्च 08	अप्रैल 08— मार्च 09	अप्रैल 09— मार्च 10	जांच अवधि
कर्मचारियों की संख्या	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	100	94	95
कुल मजदूरी (लाख रुपये)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	121	122	123

लाभप्रदता

67. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध देश से पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की लाभप्रदता जांच अवधि के दौरान अत्यधिक प्रभावित हुई है। वर्ष 2007-08 में लाभ की स्थिति की तुलना में घरेलू उद्योग को 2008-09 के दौरान और तत्पश्चात घाटे का सामना करना पड़ा। प्राधिकारी नोट करते हैं कि घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत में जहां ***% तक की वृद्धि हुई, वहीं क्षति अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री प्राप्ति में अधिकतम ***% की वृद्धि हुई, जिसमें जांच अवधि के दौरान गिरावट आई। यह इस बात का द्योतक है कि घरेलू उद्योग बिक्री कीमतों को उत्पादन लागत में वृद्धि की सीमा तक बढ़ाने में समर्थ नहीं था, जिसके परिणामस्वरूप लाभप्रदता में गिरावट आई।

रूपये प्रति मीटर क्यूब (एम3)

	अप्रैल 07- मार्च 08	अप्रैल 08- मार्च 09	अप्रैल 09- मार्च 10	जांच अवधि
बिक्री कीमत— रूपये/एम3	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	109	112	106
लागत— रूपये/एम3	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	124	135	120
लाभ (लाख रूपये)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	-32	-135	-49
लाभ/हानि— रूपये/एम3	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	-36	-117	-31

निवेश से आय (नियोजित पूंजी)

68. घरेलू उद्योग द्वारा नियोजित पूंजी से आय की प्रवृत्ति भी लाभप्रदता की प्रवृत्ति के समान देखी गई है।

	अप्रैल 07- मार्च 08	अप्रैल 08- मार्च 09	अप्रैल 09- मार्च 10	जांच अवधि
नियोजित पूंजी	***	***	***	***
ब्याज पूर्व लाभ	***	***	***	***
नियोजित पूंजी से आय (%)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	24	34	9

मालसूचियां

69. क्षति की जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की मालसूचियों में मामूली गिरावट आई है। यह गिरावट इस तथ्य के मद्देनजर आई है कि घरेलू उद्योग मालसूची में अतिरिक्त निवेश के कारण और क्षति का सामना नहीं करना चाहता है।

मीटर क्यूब (एम3)

	अप्रैल 07— मार्च 08	अप्रैल 08— मार्च 09	अप्रैल 09— मार्च 10	जांच अवधि
आदिशेष स्टॉक	***	***	***	***
इतिशेष स्टॉक	***	***	***	***
औसत स्टॉक	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	81	77	93

कीमत कटौती और कम कीमत पर बिक्री

70. डीजीसीआई एंड एस स्रोत से प्राप्त आयात आंकड़ों के आधार पर प्राधिकारी निम्नलिखित तालिका से नोट करते हैं कि सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों का अत्यधिक कीमत कटौती प्रभाव हुआ था।

रूपये/मीटर क्यूब (एम3)

क्र. सं.	ब्यौरा	यूएई	चीन	इण्डोनेशिया	थाइलैण्ड	सम्बद्ध देश
1.	घरेलू उद्योग की बिक्री कीमत	***	***	***	***	***
2.	पहुंच मूल्य	***	***	***	***	***
3.	कीमत कटौती	***	***	***	***	***
4.	कीमत कटौती %	***	***	***	***	***
5.	कीमत कटौती की %सीमा	35—25	40—30	30—20	40—50	42—30

कम कीमत पर बिक्री

71. जांच अवधि के संबंध में उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर कम कीमत पर बिक्री का प्रभाव सकारात्मक है और सभी सम्बद्ध देशों के मामले में अत्यधिक है और इसे निम्नानुसार तालिकाबद्ध किया गया है:—

क्र. सं.	ब्यौरा	यूएई	चीन	इण्डोनेशिया	थाइलैण्ड	सम्बद्ध देश
1.	घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत	***	***	***	***	***

2.	पहुंच मूल्य	***	***	***	***	***
3.	कम कीमत पर बिक्री	***	***	***	***	***
4.	कम कीमत पर बिक्री %	***	***	***	***	***
5.	कम कीमत पर बिक्री की %सीमा	30-40	40-50	25-35	45-55	35-45

नकद प्रवाह पर वास्तविक एवं संभावित नकारात्मक प्रभाव

72. निम्नलिखित तालिका स्पष्ट रूप से यह दर्शाती है कि क्षति की जांच अवधि के दौरान आवेदक के नकद प्रवाह की स्थिति में अत्यधिक गिरावट आई है।

	अप्रैल 07- मार्च 08	अप्रैल 08- मार्च 09	अप्रैल 09- मार्च 10	जांच अवधि
लाभ/हानि(लाख रुपये)	***	***	***	***
जोड़े : मूल्यहास (लाख रुपये)	***	***	***	***
नकद प्रवाह (लाख रुपये)	***	***	***	***
सूचीबद्ध	100	31	-18	32

वृद्धि

73. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जांच अवधि सहित क्षति अवधि के दौरान जहां तक लाभप्रदता और नकद प्रवाह का संबंध है, घरेलू उद्योग की वृद्धि अत्यंत नकारात्मक है, जिसका विवेचन इस जांच परिणाम में किया गया है।

पूंजी निवेश जुटाने की क्षमता

74. घरेलू उद्योग एक बहु-उत्पाद कंपनी है, जिसका विचाराधीन उत्पाद के उत्पादन और बिक्री के अलावा अन्य कार्यकलापों से सृजित टर्नओवर भी उल्लेखनीय है। यद्यपि पाटित आयातों के कारण लाभप्रदता/नकद प्रवाह और नियोजित पूंजी से आय गंभीर रूप से प्रभावित हुए थे तथापि, इस तथ्य को ध्यान में रखते हुए कि घरेलू उद्योग ने हाल ही में क्षमता में उल्लेखनीय विस्तार किया था और अभी इसका पूंजी निवेश/विस्तार की कोई योजना नहीं है, प्राधिकारी द्वारा इस संबंध में अभी कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता है।

वास्तविक क्षति संबंध निष्कर्ष

75. सम्बद्ध वस्तुओं की मांग आधार वर्ष में 100 (सूचीबद्ध) से बढ़कर जांच अवधि के दौरान 105 (सूचीबद्ध) हो गयी है, अर्थात् इसमें 35 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इसी अवधि के

दौरान घरेलू उद्योग की बिक्री में ***% की गिरावट आई है। इस प्रकार, घरेलू उद्योग भारतीय बाजार में मांग में हुई वृद्धि का लाभ उठा पाने में समर्थ नहीं है।

76. यह देखा गया है कि आयातों में निरपेक्ष रूप से और भारत में उत्पादन और खपत के तुलना में अत्यधिक वृद्धि हुई है। आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में अत्यधिक कीमत कटौती हो रही है। आयातों और आयातित तथा घरेलू उत्पाद की कीमतों के बीच अत्यधिक अन्तर के परिणामस्वरूप उत्पादन, बिक्री की मात्रा, क्षमता उपयोग और बाजार हिस्से जैसे मानदण्डों के रूप में घरेलू उद्योग के निष्पादन में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान गिरावट आई है। उपर्युक्त विश्लेषण यह दर्शाता है कि घरेलू उद्योग ने वास्तविक क्षति का सामना किया है।

कारणात्मक संबंध

77. नियमावली के अनुसार प्राधिकारी द्वारा अन्य बातों के अलावा 45 जांच की जानी अपेक्षित है कि क्या पाटित आयातों को छोड़कर किसी अन्य ज्ञात कारक से क्षति हो रही है, ताकि इन अन्य कारकों के कारण हुई क्षति का कारण पाटित आयातों को नहीं माना जा सके। जो कारक इस संबंध में प्रासंगिक हैं उनमें पाटित आयातों पर नहीं बेचे गए आयातों की मात्रा एवं कीमतें, मांग में संकुचन अथवा खपत की पद्धति में परिवर्तन, विदेशी और घरेलू उत्पादकों की व्यापार प्रतिबंधात्मक पद्धतियां और उनके बीच प्रतिस्पर्धा, प्रौद्योगिकी विकास एवं निर्यात निष्पादन और घरेलू उद्योग की उत्पादकता शामिल है। प्राधिकारी ने जांच की है कि क्या नियमावली के अंतर्गत सूचीबद्ध इन अन्य मानदण्डों का घरेलू उद्योग को हुई क्षति में योगदान रहा है।

क. तीसरे देशों से आयात: प्राधिकारी नोट करते हैं कि तीसरे देशों से किए गए आयात नगण्य हैं अतः इनसे घरेलू उद्योग को कोई क्षति नहीं हुई होगी।

ख. मांग में कमी : प्राधिकारी नोट करते हैं कि क्षति अवधि के दौरान मांग में कोई कमी नहीं हुई है। इसके विपरीत सम्बद्ध वस्तुओं की समग्र में आधार वर्ष की तुलना में जांच अवधि के दौरान उल्लेखनीय सकारात्मक वृद्धि देखी गई है।

ग. खपत की पद्धति : खपत की पद्धति में हुआ कोई उल्लेखनीय परिवर्तन न तो प्राधिकारी के ध्यान में आया है और न ही किसी हितबद्ध पक्षकार ने इस संबंध में कोई निवेदन किया है।

घ. प्रतिस्पर्धा की शर्तें : हितबद्ध पक्षकारों ने तर्क प्रस्तुत किया है कि घरेलू उद्योग की अन्य यूनिट द्वारा वाणिज्यिक उत्पादन शुरू किए जाने के कारण घरेलू उद्योग के निष्पादन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ा है जो घरेलू उद्योग में प्रतिस्पर्धा की स्थिति के कारण है। प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध वस्तुओं की मांग का कुछ बाजार हिस्सा निःसंदेह बाजार में आई नई कंपनी ने कब्जे में ले लिया है, परन्तु प्रतिवादी निर्यातक ने स्वीकार किया है कि भारत में घरेलू बाजार में सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री पाटित कीमतों पर हुई है।

ड. प्रौद्योगिकी का विकास: अब तक की गई जांच से यह ज्ञात नहीं हुआ है कि प्रौद्योगिकी में कोई उल्लेखनीय परिवर्तन हुआ है, जिसके कारण घरेलू उद्योग को क्षति हुई हो।

च. घरेलू उद्योग का निर्यात निष्पादन : चूंकि जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग द्वारा सम्बद्ध वस्तुओं का कोई निर्यात नहीं किया गया है अतः प्राधिकारी ने घरेलू उद्योग के निर्यात निष्पादन का विश्लेषण नहीं किया है।

78. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जहां सूचीबद्ध अन्य ज्ञात कारकों से घरेलू उद्योग को कोई क्षति हुई प्रदर्शित नहीं होती है, तथापि, निम्नलिखित मानदण्डों से ज्ञात होता है कि घरेलू उद्योग को पाटित आयातों के कारण क्षति हुई है।

- i. सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग को बाजार हिस्से का नुकसान हुआ है।
- ii. घरेलू उद्योग को बिक्री की मात्रा का नुकसान हुआ है। इसके बाजार हिस्से में गिरावट आई है, जबकि सम्बद्ध देशों के आयातों के बाजार हिस्से में वृद्धि हुई है।
- iii. घरेलू उद्योग के बाजार हिस्से में आई गिरावट के परिणामस्वरूप घरेलू उद्योग के उत्पादन और क्षमता उपयोग में अत्यधिक गिरावट आई है।
- iv. पाटित आयातों के कारण घरेलू उद्योग की कीमतों में कीमत कटौती हो रही है। यदि पूर्ववर्ती वर्ष की तुलना में निवल निर्यात कीमतें देखी जाती हैं तो अत्यधिक कीमत अवमूल्यन का मामला भी बनता है।
- v. इसके अलावा, लाभ, निवेश से आय तथा नकद प्रवाह के रूप में घरेलू उद्योग का निष्पादन संतोषजनक नहीं है। यदि इसकी तुलना पूर्ववर्ती वर्ष के निष्पादन से की जाती है, तो इस निष्पादन में अत्यधिक गिरावट देखी जाती है।

79. उपर्युक्त को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का विचार है कि घरेलू उद्योग को हुई क्षति पाटित आयातों के कारण हुई है।

क्षति की सीमा और क्षति मार्जिन

80. प्राधिकारी ने जांच अवधि के दौरान घरेलू उद्योग की उत्पादन लागत पर विचार करते हुए घरेलू उद्योग हेतु सम्बद्ध वस्तुओं की क्षति रहित कीमत का निर्धारण किया है। क्षति मार्जिन के निर्धारण हेतु घरेलू उद्योग की क्षति रहित कीमत की तुलना सम्बद्ध वस्तुओं के पहुंच मूल्य से की गई है। चूंकि मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (सोंगखला) कंपनी लि., थाइलैण्ड तथा मेसर्स सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (साराबूरी) कंपनी लि., थाइलैण्ड संबंधित कंपनियां हैं अतः इस जांच परिणाम में पहले से उल्लिखित कारणों से प्राधिकारी ने उक्त संबंधित कंपनियों हेतु एकल क्षति मार्जिन निर्धारित की है। प्राधिकारी द्वारा की गई क्षति मार्जिन की गणना निम्नानुसार है:—

अम.डॉलर/मीटर क्यूब (एम3)

क्र. सं.	देश	उत्पादक/निर्यातक	क्षति मार्जिन	क्षति मार्जिन %	क्षति मार्जिन % रेंज
1.	थाइलैण्ड	द सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री	***	***	45—55

		(सोंगखला) कंपनी लि., थाइलैण्ड			
		द सीएम जिप्सम इण्डस्ट्री (साराबूरी) कंपनी लि., थाइलैण्ड	***	***	65-75
		समूह	***	***	65-75
		कोई अन्य उत्पादक / निर्यातक	***	***	90-100
2.	यूएई	मेसर्स जिप्सेम्ना कंपनी (एलएलसी), दुबई	***	***	40-50
		कोई अन्य निर्यातक / उत्पादक	***	*** -	40-50
3.	चीन	सभी निर्यातक / उत्पादक	***	***	70-80
4.	इण्डोनेशिया	सभी निर्यातक / उत्पादक	***	***	35-45

विविध निवेदन

81. हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं:-

- i. सम्बद्ध वस्तुओं की माप हेतु समुचित इकाई वर्गमीटर है न कि घन मीटर। सम्बद्ध वस्तुओं की बिक्री कीमत के निर्धारण में बोर्ड की मोटाई विशेष महत्वपूर्ण नहीं है। चूंकि याचिकाकर्ता ने लागत और वित्तीय सूचना घन मीटर आधार पर प्रस्तुत की है, अतः याचिकाकर्ता के आंकड़ों पर आधारित विश्लेषण एक विकृत विश्लेषण होगा।
- ii. सम्बद्ध जांच न्यायाधिकार के बिना की गई है, क्योंकि जांच शुरुआत की तारीख को निर्दिष्ट प्राधिकारी का पदधारक व्यक्ति भारत सरकार के अपर सचिव के स्तर का था, जबकि नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी भारत सरकार के संयुक्त सचिव स्तर का होना चाहिए।
- iii. जांच की शुरुआत याचिकाकर्ता द्वारा याचिका में प्रदान की गई सूचना की पर्याप्तता एवं सत्यता की जांच किए बिना की गई है।
- iv. याचिकाकर्ता द्वारा की गई क्षति रहित कीमत की गणना गलत है क्योंकि याचिकाकर्ता ने 22 प्रतिशत कादावा किया है जो अत्यधिक है जबकि प्राधिकारी द्वारा 3 प्रतिशत से अधिक दर की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए।
- v. सम्बद्ध वस्तुएं अवसंरचना क्षेत्र से संबंधित है अतः वृहद आर्थिक वृद्धि के हित में सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए।

- vi. याचिका का उद्देश्य उपभोक्ताओं की कीमत पर भारतीय बाजार में याचिकाकर्ता कंपनी हेतु एकाधिकार सृजित करना है। सम्बद्ध देशों से आयात उपभोक्ताओं को सस्ती कीमत पर बेहतर गुणवत्ता की सामग्री खरीदने का विकल्प प्रदान करते हैं।

82. घरेलू उद्योग द्वारा किए गए विविध निवेदन निम्नानुसार हैं :-

- i. जो कोई पक्षकार निर्दिष्ट अधिकारी द्वारा निर्धारित प्रारूप में मांगी गई सूचना उपलब्ध कराने में असफल रहता है उसके द्वारा किया गया निवेदन कृपया नजरअंदाज किया जाए।
- ii. बोर्ड की मोटाई एक प्रमुख घटक है, जो विचाराधीन उत्पाद की लागत और कीमत को प्रभावित करता है। हितबद्ध पक्षकारों ने स्वयं यह स्वीकार किया है कि 15 मिमी बोर्ड की कीमत 12 मिमी बोर्ड से अधिक है। इस प्रकार एम3 ही माल की वह इकाई है, जो बोर्ड की मोटाई के अंतर को दर्शा सकती है, जिसका बोर्ड की लागत और कीमतों पर प्रत्यक्ष प्रभाव पड़ता है।
- iii. प्राधिकारी के न्यायाधिकार संबंधी मुद्दा हेमिल्टन हाऊसवेयर प्रा.लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी [2012 (276) ईएलटी 191] के मामले में माननीय मुम्बई उच्च न्यायालय के समक्ष उठाया गया था। माननीय उच्च न्यायालय ने दिनांक 14.10.2011 के अपने आदेश द्वारा यह याचिका खारिज कर दी थी।
- iv. प्राधिकारी द्वारा यह जांच घरेलू उद्योग द्वारा आवेदन में उल्लिखित क्षति, कारणात्मक संबंध और पाटन को सिद्ध करने के लिए क्षति संबंधी कारकों के विस्तृत विश्लेषण के आधार पर शुरू की गई थी। हितबद्ध पक्षकारों को जांच के इस चरण में यह मुद्दा उठाने का कोई अधिकार नहीं है।
- v. नियोजित पूंजी से 22 प्रतिशत की आय की अनुमति देना प्राधिकारी द्वारा निरंतर एवं एकसमान रूप से अपनाई गई पद्धति है।
- vi. केवल यह तथ्य कि सम्बद्ध वस्तुओं का प्रयोग अवसंरचना क्षेत्र में किया जाता है पाटनरोधी मामलों में निर्णय लेने का आधार नहीं बन सकता है और न ही कभी आधार बना है। दरअसल, नीतिगत दृष्टिकोण से भी, यदि वस्तुएं अवसंरचना क्षेत्र से संबंधित हैं, तो यह सुनिश्चित करना भी समीचीन है कि देश के अवसंरचना क्षेत्र को भी पाटित आयातों से कोई क्षति नहीं पहुंचती है।

प्राधिकारी द्वारा जांच

83. हितबद्ध पक्षकारों एवं घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदनों का विवेचन प्राधिकारी ने निम्नानुसार किया है:—

- i. प्राधिकारी नोट करते हैं कि जब कभी किसी उत्पाद की मोटाई विश्लेषण करने का कारक होती है तो ऐसा विश्लेषण घन मीटर (एम3) के आधार पर किया जाना उचित है न कि वर्ग मीटर के आधार पर।
- ii. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए इस निवेदन का संबंध है कि सम्बद्ध जांच न्यायाधिकार के बिना की गई है, क्योंकि जांच शुरुआत की तारीख को निर्दिष्ट प्राधिकारी का पदधारक व्यक्ति भारत सरकार के अपर सचिव के स्तर का था, जबकि नियमावली के अनुसार निर्दिष्ट प्राधिकारी भारत सरकार के संयुक्त सचिव स्तर का होना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि "हेमिल्टन हाऊसवेयर प्रा.लि. बनाम निर्दिष्ट प्राधिकारी" [2012(276) ईएलटी 191] मामले की रिट याचिका सं. 2011 की 6791 में माननीय मुम्बई उच्च न्यायालय ने दिनांक 14.10.2011 के अपने आदेश द्वारा इसी प्रकार का अनुरोध खारिज कर दिया था।
- iii. प्राधिकारी नोट करते हैं कि सम्बद्ध जांच प्राधिकारी ने सम्बद्ध देशों के मूल की अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं के पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध के बारे में आवेदक द्वारा प्रस्तुत साक्ष्य से प्रथम दृष्टया संतुष्ट होने पर शुरु की गई है। हितबद्ध पक्षकारों और घरेलू उद्योग द्वारा प्रस्तुत सूचना की पर्याप्तता एवं सत्यता सिद्ध करना सत्यापन एवं जांच का विषय है।
- iv. जहां तक हितबद्ध पक्षकारों द्वारा किए गए इस निवेदन का संबंध है कि सम्बद्ध वस्तुएं अवसंरचना क्षेत्र से संबंधित है अतः वृहद आर्थिक वृद्धि के हित में सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों पर पाटनरोधी शुल्क नहीं लगाया जाना चाहिए। प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी प्रावधानों के अंतर्गत इस तर्क का कोई आधार नहीं है। प्राधिकारी यह भी नोट करते हैं कि पाटनरोधी प्रावधानों का उद्देश्य आयातों पर अंकुश लगाना नहीं है, बल्कि पाटित आयातों की तुलना में घरेलू उद्योग को समान अवसर उपलब्ध कराना है।

84. हितबद्ध पक्षकारों तथा तथा घरेलू उद्योग द्वारा किए गए निवेदनों एवं उनमें उठाए गए मुद्दों की जांच और रिकार्ड में उपलब्ध तथ्यों पर विचार करते हुए प्राधिकारी का यह अनंतिम निष्कर्ष है कि

क. विचाराधीन उत्पाद का सम्बद्ध देशों से भारत को निर्यात संबंधित सामान्य मूल्य से कम मूल्य पर किया गया है जिसके परिणामस्वरूप सम्बद्ध वस्तुओं का पाटन हुआ है।

ख. घरेलू उद्योग को वास्तविक क्षति हुई है।

ग. घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति सम्बद्ध देशों से पाटित आयातों के कारण हुई है।

भारतीय उद्योग के हित एवं अन्य मुद्दे

85. प्राधिकारी नोट करते हैं कि पाटनरोधी शुल्क का प्रयोजन सामान्यतः पाटन की अनुचित व्यापार पद्धति द्वारा घरेलू उद्योग को हुई क्षति को समाप्त करना है ताकि भारतीय बाजार में खुली और उचित प्रतिस्पर्धा की स्थिति को बहाल किया जा सके, जो देश के सामान्य हित में है। पाटनरोधी उपायों के अधिरोपण से सम्बद्ध देशों से आयात किसी भी प्रकार से प्रतिबंधित नहीं होंगे, अतः उपभोक्ताओं के लिए सम्बद्ध वस्तुओं की उपलब्धता प्रभावित नहीं होगी।

86. यह माना जाता है कि पाटनरोधी शुल्कों से सम्बद्ध वस्तुओं के प्रयोग से विनिर्मित उत्पादों के मूल्य स्तर प्रभावित हो सकते हैं और परिणामस्वरूप इन उत्पादों की तुलनात्मक प्रतिस्पर्धा भी कुछ सीमा तक प्रभावित हो सकती है। तथापि, पाटनरोधी उपायों के कारण भारतीय बाजार में उचित प्रतिस्पर्धा में कमी नहीं आएगी, विशेष रूप से जब पाटनरोधी शुल्क को घरेलू उद्योग को हुई क्षति का निवारण करने की दृष्टि से आवश्यक राशि तक सीमित रखा जाता है। इसके विपरीत पाटनरोधी उपाय लगाने से पाटन की पद्धति से प्राप्त किए गए अनुचित लाभ दूर होंगे, घरेलू उद्योग की गिरावट पर रोक लगेगी और उपभोक्ताओं के पास व्यापक विकल्प की उपलब्धता को बनाए रखा जाएगा।

सिफारिशें

87. प्राधिकारी नोट करते हैं इस जांच की शुरुआत करने की सूचना सभी हितबद्ध पक्षकारों को दी गई थी और घरेलू उद्योग, निर्यातकों, आयातकों और अन्य हितबद्ध पक्षकारों को अन्य बातों के अलावा पाटन, क्षति एवं कारणात्मक संबंध से संबंधित पहलुओं के बारे में सकारात्मक सूचना उपलब्ध कराने के पर्याप्त अवसर प्रदान किए गए थे। पाटनरोधी नियमावली के अनुसरण में पाटन, क्षति एवं उनके कारणात्मक संबंध के बारे में प्रारंभिक जांच करने के बाद और सकारात्मक पाटन मार्जिन के अनंतिम निर्धारण और ऐसे पाटित आयातों से घरेलू उद्योग को हुई वास्तविक क्षति को सिद्ध करने को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी का विचार है कि जांच पूरी होने तक पाटन और क्षति की प्रतिपूर्ति हेतु अनंतिम शुल्क लागू किया जाना अपेक्षित है। अतः प्राधिकारी सम्बद्ध देशों से सम्बद्ध वस्तुओं के आयातों पर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क को निम्नलिखित रूप से और तरीके से लगाना उचित समझते हैं और इसकी सिफारिश करते हैं।

88. प्राधिकारी द्वारा अपनाए गए कमतर शुल्क के नियम को ध्यान में रखते हुए प्राधिकारी पाटन मार्जिन और क्षति मार्जिन में से कमतर मार्जिन के बराबर अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश करते हैं, ताकि घरेलू उद्योग को हुई क्षति को दूर किया जा सके। तदनुसार, केन्द्रीय सरकार द्वारा इन सिफारिशों को स्वीकार कर लिए जाने की स्थिति में सम्बद्ध देशों के मूल के अथवा वहां से निर्यातित सम्बद्ध वस्तुओं के सभी आयातों पर इस

अधिसूचना की तारीख से निम्नलिखित तालिका के कॉलम 8 में निर्दिष्ट राशि के अनुसार अनंतिम पाटनरोधी शुल्क लगाने की सिफारिश की जाती है।

शुल्क सारणी

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
क्र.सं.	टैरिफ मद का उपशीर्ष	सामान का विवरण	उद्गम देश	निर्यातक देश	उत्पादक	निर्यातक	शुल्क राशि	इकाई	मुद्रा
1	68091100, 68091900	सामान्य जिप्सम प्लास्टर बोर्ड	चीन जन. गण.	चीन जन. गण.	कोई	कोई	32.85	घन मीटर	अम. डॉलर
2	तदैव	तदैव	चीन जन. गण.	कोई	कोई	कोई	32.85	वही	अम. डॉलर
3	तदैव	तदैव	कोई	चीन जन. गण.	कोई	कोई	32.85	तदैव	अम. डॉलर
4	तदैव	तदैव	इण्डोनेशिया	इण्डोनेशिया	कोई	कोई	7.25	तदैव	अम. डॉलर
5	तदैव	तदैव	इण्डोनेशिया	कोई	कोई	कोई	7.25	तदैव	अम. डॉलर
6	तदैव	तदैव	कोई	इण्डोनेशिया	कोई	कोई	7.25	तदैव	अम. डॉलर
7	तदैव	तदैव	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	सियाम जिप्सम इण्डस्ट्री (साराबुरी) कं. लि.	सियाम जिप्सम इण्डस्ट्री (साराबुरी) कं. लि.	30.40	तदैव	अम. डॉलर
8	तदैव	तदैव	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	सियाम जिप्सम इण्डस्ट्री (सोंगखला) कं. लि.	सियाम जिप्सम इण्डस्ट्री (सोंगखला) कं. लि.	30.40	तदैव	अम. डॉलर

9	तदैव	तदैव	थाइलैण्ड	थाइलैण्ड	कोई अन्य संयोजन	कोई अन्य संयोजन	51.70	तदैव	अम. डॉलर
10	तदैव	तदैव	थाइलैण्ड	कोई	कोई	कोई	51.70	तदैव	अम. डॉलर
11	तदैव	तदैव	कोई	थाइलैण्ड	कोई	कोई	51.70	तदैव	अम. डॉलर
12	तदैव	तदैव	यूएई	यूएई	मेसर्स जिप्सेम्ना कं. (एलएलसी), दुबई	मेसर्स जिप्सेम्ना कं. (एलएलसी), दुबई	9.46	तदैव	अम. डॉलर
13	तदैव	तदैव	यूएई	यूएई	कोई अन्य संयोजन	कोई अन्य संयोजन	16.66	तदैव	अम. डॉलर
14	तदैव	तदैव	यूएई	कोई	कोई	कोई	16.66	तदैव	अम. डॉलर
15	तदैव	तदैव	कोई	यूएई	कोई	कोई	16.66	तदैव	अम. डॉलर

89. निम्नलिखित उत्पादों को उपर्युक्त शुल्क तालिका में यथा संस्तुत पाटनरोधी उपायों के दायरे से बाहर रखा जाता है:

- फायर बोर्ड
- फायर हीट बोर्ड
- इम्पेक्ट बोर्ड
- नमी अवरोधक युक्त जिप्सम सीलिंग बोर्ड
- इको बोर्ड
- हीट बोर्ड
- एन्टी मोल्ड बोर्ड अथवा वेदर बोर्ड
- श्वेत फिल्म से मुहरबंद एल्युमिनियम के किनारों वाले जिप्सम सीलिंग बोर्ड

आगे की प्रक्रिया

90. प्रारम्भिक जांच परिणाम अधिसूचित किए जाने के उपरांत निम्नलिखित प्रक्रिया अपनाई जाएगी:—

- क. प्राधिकारी सभी हितबद्ध पक्षकारों से इन जांच परिणामों पर टिप्पणियां आमंत्रित करते हैं और इन पर अंतिम जांच परिणाम में विचार किया जाएगा;

- ख. ज्ञात निर्यातकों, आयातकों, आवेदक तथा अन्य हितबद्ध पक्षकारों को प्राधिकारी द्वारा अलग से पत्र भेजे जा रहे हैं, जो इस जांच परिणाम के प्रेषण की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचार भेज सकते हैं। कोई अन्य हितबद्ध पक्षकार भी इस जांच परिणाम के प्रकाशन की तारीख से चालीस दिनों के भीतर अपने विचारों से अवगत करा सकता है।
- ग. प्राधिकारी आवश्यक समझी गई सीमा तक आगे और जांच तथा सत्यापन करेंगे।
- घ. प्राधिकारी पाटनरोधी नियमावली के अनुसार अंतिम जांच परिणाम के निर्धारण से पूर्व अनिवार्य तथ्यों को प्रकट करेंगे।

विजयलक्ष्मी जोशी, निर्दिष्ट प्राधिकारी

MINISTRY OF COMMERCE AND INDUSTRY

(Department of Commerce)

(DIRECTORATE GENERAL OF ANTI-DUMPING AND ALLIED DUTIES)

NOTIFICATION

New Delhi, the 19th March, 2012

Preliminary Findings

Subject: Anti-dumping investigation concerning imports of Plain Gypsum Plaster Boards, originating in or exported from China PR, Indonesia, Thailand, and UAE.

No. 14/45/2010-DGAD: - Having regard to the Customs Tariff Act, 1975, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the Act), and the Customs Tariff (Identification, Assessment and Collection of Anti-Dumping Duty on Dumped Articles and for Determination of Injury) Rules, 1995, as amended from time to time, (hereinafter referred to as the Rules) thereof;

1. Whereas M/s. Saint-Gobain Gyproc India Ltd (hereinafter referred to as the domestic industry) filed an application before the Designated Authority (hereinafter referred to as the Authority) in accordance with the Act and the Rules for initiation of anti-dumping investigation concerning imports of "Plain Gypsum Plaster Board of all thicknesses and dimensions, excluding Gypsum Boards having water absorption up to and including 5%, generally referred to as Moisture Resistant Boards, and Gypsum Boards having a minimum breaking load of 24 Newtons in the transverse direction and 50 Newtons in the longitudinal direction per millimeter of thickness of the Board, characterized as Impact Resistant Boards or Fire Resistant Boards" (hereinafter also referred to as the subject goods), originating in or exported from China PR, Indonesia, Thailand and UAE (hereinafter also referred to as the subject countries) and requested for levy of anti-dumping duties on the subject goods.
2. And whereas, the Authority, on the basis of sufficient evidence submitted by the domestic industry, issued a public notice vide Notification No. 14/45/2010-DGAD dated 21st July, 2011, published in the Gazette of India, Extraordinary, initiating the subject investigation in accordance with the sub Rule 5(5) of the Rules, to determine the existence, degree and effect of the alleged dumping of the subject goods, originating in or exported from the subject countries, and to recommend the amount of anti-dumping duty, which, if levied, would be adequate to remove the alleged injury to the domestic industry.

A. PROCEDURE

3. The procedure described herein below has been followed by the Authority with regard to the subject investigation:
- i. The Authority notified the embassies of the subject countries about the receipt of the subject application from the domestic industry in terms of Rule 5(5) of the Rules.
 - ii. The Authority sent a copy of the initiation notification dated 21st July, 2011 to the Embassies of the subject countries in India, known producers/exporters from the subject countries, known importers/users and the domestic industry as per the addresses made available by the domestic industry and requested them to make their views known in writing within 40 days of the initiation notification.
 - iii. The Authority provided a copy of the non-confidential version of the application to the known producers/exporters and to the Embassies of the subject countries in India in accordance with Rule 6(3) of the Rules supra.
 - iv. The Embassies of the subject countries in India were informed about the initiation of the investigation in accordance with Rule 6(2) of the Rules with a request to advise the exporters/producers from their countries to respond to the questionnaire within prescribed time limit. A copy of the letter and questionnaire sent to the exporters was also sent to them along with the names and addresses of the known producers/exporters from the subject countries.
 - v. The Authority sent exporter's questionnaires to elicit relevant information to the following known producers/exporters in the subject countries in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

Sl.N.	Name of Producer/ Exporter
1	Gypsemna Company (L.L.C) PO Box 74682, Plot No. 51 MR2 Industrial City of Abu Dhabi (ICAD-II) Mussafah, Abu Dhabi, United Arab Emirates
2	The Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co., Ltd. No.9, Pakin Bldg, 5th Floor, Ratchadapisek Road, Dindang, Bangkok -10400, Thailand
3	Pt. Siam Indo Gypsum Industry Jl. Inspeksi, Kalimalang Km 2 kp Cikedokan RT/RW. 001/01 Cibitung, Bekasi 17520, Indonesia
4	Pt Petrojaya Boral Plasterboard Graha Mobisel building 4 th Floor, Mampang, Prapatanraya No 139 Jakarta, Selatan 12790 Indonesia
5	Shandong Baier Bbuilding Materials Ziqiu Pingri Linyi Shandong Linyi City, China PR
6	Linyi HuameiGypsum Building Materials Co.Ltd Luozhuang District, Linyi, Qingdao, China PR

7	CNBM International Corporation Floor 17th No.4 Building Zhuyu International Commercial Center No.9, Shouti South Road Haidian District, China PR
---	--

- vi. The following producers/exporters from the subject countries filed exporters questionnaire response in the prescribed format:
- M/s Gypsemna Co. L.L.C., Abu Dhabi, UAE,
 - M/s Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd. Bangkok, Thailand,
 - M/s Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd. Bangkok, Thailand.
- vii. M/s Knauf LLC, Dubai, UAE submitted only a letter informing the Authority that they have not exported the subject goods during the POI. But, the company did not submit any questionnaire response in the prescribed format. Similarly, Huston Intertrade Co Ltd, Thailand submitted authorization letter in favour of their solicitors, but did not file any questionnaire response in the prescribed format. In view of the above position, the Authority does not accept the above stated companies as cooperative exporters in the subject investigation.
- viii. The Authority sent Importer's Questionnaires to the following known importers/users of subject goods in India calling for necessary information in accordance with Rule 6(4) of the Rules:

S.No.	Name of Importers/Exporters
1	Sastha Senior Building Product 34 Spurtank Road, Chetpet Chennai 600 031
2	Lafarge Boral Gypsum India Private Limited, A-10 Green Park, New Delhi- 110016
3	Lafarge Boral Gypsum India Pvt Ltd Door No.34 Spurtank Road , Chetpet, Chennai 600 031
4	Vikash Trading Company No.10/12nd Floorold, Bangalore Road. Hosur 635 109, Tamil Nadu
5	Total Solutions Building Material Co,Head office 318,3rd Cross, Baba Lane,Dharga Mohalla, Old Madras Road, Bangalore-16

- ix. Importer's questionnaire response in the prescribed format were received from the following importers/users of the subject goods In India:

- (a) M/s Vikas Trading Company, Bangalore
- (b) M/s Armstrong World Industries, Mumbai
- (c) M/s Lafarge Boral Gypsum India, Gurgaon

- x. M/s Total Solution Building Materials Co Ltd, Bangalore submitted authorization letter in favour of their solicitors, but did not file importer's questionnaire response in the prescribed format.
- xi. Post initiation, submissions have been made by the producers/exporters namely M/s Siam Gypsum (Sarhuri) Co Ltd, Thailand, Siam Gypsum (Shonghkla) Co Ltd, Thailand, and M/s Gypsemna, UAE, and importers/users namely M/s Lafarge Boral Gypsum India Pvt Ltd, M/s Armstrong World Industries (India) Pvt Ltd and M/s India Gypsum, Cochin.
- xii. Request for extension of time to file the questionnaires' response was received from some interested parties. The Authority granted extension of time, keeping in view the time constraints.
- xiii. The Authority made available non-confidential version of the evidence presented by various interested parties in the form of a public file kept open for inspection by the interested parties;
- xiv. Request was made to the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) to provide details of imports of subject goods for the past three years, including the period of investigation. The import data provided by the DGCI&S has been relied upon by the Authority in this finding.
- xv. Optimum cost of production and cost to make & sell the subject goods in India based on the information furnished by the applicant on the basis of Generally Accepted Accounting Principles (GAAP) was worked out so as to ascertain if anti-dumping duty lower than the dumping margin would be sufficient to remove injury to Domestic Industry.
- xvi. The period of investigation (POI) for the purpose of present investigation is 1st January 2010 to 31st December 2010 (12 months). The injury investigation period, however, covered the periods April 2007-March 2008, April 2008-March 2009, April 2009-March 2010 and the POI.
- xvii. Wherever an interested party has refused access to, or has otherwise not provided necessary information during the course of the present investigation, or has significantly impeded the investigation, the Authority considered such interested parties as non-cooperative and recorded these preliminary findings on the basis of the facts available.
- xviii. Information provided by interested parties on confidential basis was examined with regard to sufficiency of the confidentiality claims. On being satisfied, the Authority has accepted the confidentiality claims, wherever warranted and such information has been considered confidential and not disclosed to other interested parties. Wherever possible, parties providing information on confidential basis were directed to provide sufficient non-confidential version of the information filed on confidential basis and the same were kept in the public file maintained by the Authority as per the Rules.
- xix. *** in this notification represents information furnished by an interested party on confidential basis, and so considered by the Authority under the Rules.
- xx. The exchange rate adopted by the Authority for the subject investigation is 1 US \$ = Rs 46.44.

B. Product Under Consideration and Like Article

4. The product under consideration in the present investigation, as defined by the Authority in the initiation notification, is "Plain Gypsum Plaster Boards of all thicknesses and dimensions", excluding the following:-
 - (i) Gypsum Boards having water absorption up to and including 5%. These Boards are generally referred to as "Moisture Resistant Boards" which have specific application in places where moisture resistance is desired. These moisture resistant properties are acquired by addition of certain water-repelling additives.
 - (ii) Gypsum Boards having a minimum breaking load of 24 Newtons in the transverse direction and 50 Newtons in the longitudinal direction per millimetre of thickness of the Board. Boards that are typically designed for special application are characterized as "Impact Resistant Boards" or "Fire Resistant Boards."
5. Plain Gypsum Boards are also referred to as standard gypsum boards, regular gypsum boards or gypsum boards in common trade parlance across the world. The subject goods are used in interior construction in suspended ceiling and partition applications.
6. Plain Gypsum Boards are classified under chapter heading 68091100 as given below:

Tariff Item	Description of Goods
68	Articles of stone, plaster, cement, asbestos, mica or similar materials; ceramic products; glass and glassware
6809	Articles of plaster or of compositions based on plaster- Boards, sheets, panels, tiles and similar articles, not ornamented.
68091100	Faced or reinforced with paper or paperboard only

7. The domestic industry submitted that the subject goods are also being imported under other tariff headings 68099900 and 68091900, apart from 68091100. But, the Authority notes that as per the DGCI&S data, the subject goods are found to be imported only under the tariff sub-heads 68091100 and 68091900. However, customs classification is indicative only and is in no way binding upon the scope of the present investigation.

Submissions made by Exporters, Importers, Users and other Interested Parties

8. The following are the submissions made by the exporters, importers, users and other interested parties:
 - i. Gypsum Boards are primarily of two types: Plain Boards and Technical Boards. The following varieties of technical gypsum plaster boards should be excluded from the scope of the PUC:
 - a) Fire Board: Gypsum Boards that meet the fire rating standard of more than 30 minutes on fire exposure as per BS 476: Part 20 and 22, including "shaft wall" boards. These Boards have specially formulated Core which gives superior fire resistance and higher strength. These boards are used for areas which require higher fire rating like Server Rooms, Lift areas etc.

- (b) Heat Board: Gypsum Boards with polyester metalized foil firmly bonded on to the backside which gives at least 75% solar reflectance. These boards are used as partition around places where large amount of heat radiation is generated like generator rooms or in places which need insulation from a hot atmosphere around it, like top floor of a building.
- (c) Fire Heat Board: Gypsum Boards that meet the Fire rating standards of more than 30 minutes on Fire Exposure as per BS 476: Part 20 and 22 (copies enclosed as Exhibit 1B and Exhibit 1C) and also have a polyester metalized foil firmly bonded on to the backside that gives at least 75% solar reflectance. These Boards have a specially formulated Core which gives superior Fire resistance and higher strength and also have a polyester metalized foil firmly bonded on to the backside to reduce the risk of condensation forming on the back of the board. These boards are used for protection around places that are exposed to risk of fire and also as wall lining.
- (d) ECHO Board: Gypsum Boards that have square or circle perforations on their sides which provides them special sound absorption properties. These boards have a Noise Reduction Coefficient ('NRC') in the range of 0.65 to 0.80 as per IS 8225-1987 in reverberation room. These boards are used in Cinema Halls, Recording rooms and other places where reverberation effect of sound has to be minimized.
- (e) Impact Board: Gypsum Boards with high density core giving them higher breaking load strength than a regular Standard Board. This is mainly used in high traffic zone areas like foot-steps, stair cases etc., where there is frequent heavy weights movement. These boards weigh 12.5 kilograms per meter square of 12.5 mm thickness (+/- 0.35 kg/m²) as against a standard board that weighs around 9 kilograms per meter square of 12 mm thickness. Thus the Impact Boards are 50 percent heavier than the standard boards and hence are used in places where heavy loads are to be stored or moved.
- (f) Anti-mold Board or Weather Board: Gypsum Boards with certain special additives added to the core and a special paper liner added to the surfaces to give them enhanced protection against mold or fungus growth falling within Anti Mold standard (ASTM Standard) D 3273. These boards find special use in hospitals, warehouses and other areas which are exposed to moisture or abnormal environmental conditions.
- (g) Thermal Board: Gypsum Boards with XPS Composite Panel at the back side using PVA Glue which offers additional thermal Insulation with the lower thickness of the Board.
- ii. 'Gypsum Ceiling Boards with Moisture Barrier', being imported by M/s Armstrong, falls under the excluded category of the PUC and therefore should be specifically excluded from the scope of the present investigation. Similarly, 'Gypsum Ceiling Boards with Aluminium Edges Sealed in White Film' should also be excluded from the scope of the PIUC.

- iii. The definition of the product under consideration in the present case is highly selective and abusive of anti dumping law. Petitioner has very selectively considered scope of the product under consideration and excluded those product types which the petitioner is not producing in India and which are being imported by the petitioner from its affiliated plants overseas.
- iv. The petitioner has specifically excluded 'moisture resistant boards' and 'fire resistant boards'; as petitioner itself is importing these excluded category from its own subsidiary/sister concern, in Thailand.

Submissions made by the Domestic industry

9. The following are the submissions made by the domestic industry:
- i. The product under consideration is "Plain Gypsum Plaster Boards of all thicknesses and dimensions", excluding the following:
 - a. Gypsum Boards having water absorption up to and including 5%. These Boards are generally referred to as "Moisture Resistant Boards" which have specific application in places where moisture resistance is desired. These moisture resistant properties are acquired by addition of certain water-repelling additives.
 - b. Gypsum Boards having a minimum breaking load of 24 Newtons in the transverse direction and 50 Newtons in the longitudinal direction per millimetre of thickness of the Board. Boards that are typically designed for special application are characterized as "Impact Resistant Boards" or "Fire Resistant Boards".
 - ii. Plain Gypsum Boards are also referred to as standard gypsum boards, regular gypsum boards or gypsum boards in common trade parlance across the world.
 - iii. The subject goods are used in interior construction in suspended ceiling and partition applications.
 - iv. The subject goods are classified under chapter heading 68091100. The subject goods are also being imported under tariff headings 68099900 and 68091900.
 - v. There is no known difference in the subject goods produced by the Indian industry and the subject goods exported from the subject countries. The subject goods produced by the Indian industry and imported from the subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably.
 - vi. The so-called interested parties have not filed sufficient grounds justifying their claim of exclusion. It is a settled principle of law that the onus to prove exclusion from the Product under Consideration rests completely on the party who makes

such claim. Further, the so-called interested parties have referred to technical specifications, but the same have been kept confidential.

- vii. As per the consistent practice of the DGAD, Authority may not take cognizance of the submissions made by an importer who has not filed the prescribed importer's questionnaire response.
- viii. Moisture resistant boards of water absorption upto and including 5% have not even been claimed as the "Product under Consideration". Therefore, the question of exclusion of Gypsum Ceiling Boards with Moisture Barrier, simply does not arise.
- ix. *Fire Boards and "shaft wall" boards* are already excluded from the purview of the "Product under Consideration". However, the Domestic Industry has no comments if the Fire boards meeting the specifications in the table below are excluded:

Properties	Specifications	Test Method	End Use
Weight	Minimum 9.8Kg/m ² for 12.5mm & 11.7Kg/m ² for 15mm	IS 2542	Areas requiring higher fire rating like server room, lift area etc. Complies with EN 520 Type F
Branding on Board	Type of board to be mentioned		
Strength of board (Longitudnal)	9.5mm- Min 400 N	IS 2542	
	12.5mm- Min 550 N		
	15mm- Min 650 N		
Fire Rating	Min 60 Minutes for 80mm thick system	BS 476 Part 6 Bs 476 Part 7 BS 476 part 20 & 22	

- x. The Heat board with the specification given by the interested parties should not be excluded as this board is a like article to the product under consideration and can commercially and technically substitute the same. Further there was no material import, if any, of this board into India during the POI from subject countries.
- xi. *Fire Heat Board or fire resistant boards* are already excluded from the "Product under Consideration" provided they fulfill the technical criteria mentioned therein and, therefore, there is no question of making any specific exclusion. However, the Domestic Industry has no comments if the Fire boards meeting the specifications in the table below are excluded:

Properties	Specifications	Test Method	End Use
Weight	Minimum 9.8Kg/m ² for 12.5mm & 11.7Kg/m ² for 15mm	IS 2542	Wall lining & ceiling system to give increased fire system with vapour control. Complies with EN 14190
Branding on Board	Type of board to be mentioned		
Strength of board (Longitudinal)	9.5mm- Min 400 N	IS 2542	
	12.5mm- Min 550 N		
	15mm- Min 650 N		
Fire Rating	Min 60 Minutes for 80mm thick system	BS 476 Part 6 Bs 476 Part 7 BS 476 part 20 & 22	
Thermal conductivity	Min 0.24 W/Mk		

- xii. The Echo boards having the below mentioned specification may be excluded from the PUC:

Properties	Specifications	Test Method	End Use
Weight	Minimum 9.8Kg/m ² for 12.5mm & 11.7Kg/m ² for 15mm	IS 2542	Wall lining & ceiling system to give increased fire system with vapour control. Complies with EN 14190
Branding on Board	Type of board to be mentioned		
Strength of board (Longitudinal)	9.5mm- Min 400 N	IS 2542	
	12.5mm- Min 550 N		
	15mm- Min 650 N		
Fire Rating	Min 60 Minutes for 80mm thick system	BS 476 Part 6 Bs 476 Part 7 BS 476 part 20 & 22	
Thermal conductivity	Min 0.24 W/Mk		

- xiii. Domestic Industry has no comments if the impact boards meeting the specifications in the table below are excluded:

Properties	Specifications	Test Method	End Use
Weight	Minimum 9.8Kg/m ² for 12.5mm & 11.7Kg/m ² for 15mm	IS 2542	Wall lining & ceiling system to give increased fire system with vapour control. Complies with EN 14190
Branding on Board	Type of board to be mentioned		
Strength of board (Longitudnal)	9.5mm- Min 400 N	IS 2542	
	12.5mm- Min 550 N		
	15mm- Min 650 N		
Fire Rating	Min 60 Minutes for 80mm thick system	BS 476 Part 6 Bs 476 Part 7 BS 476 part 20 & 22	
Thermal conductivity	Min 0.24 W/Mk		

- xiv. The Anti-mold or weather board mentioned by the respondents should not be excluded as this board is a "like article" to the product under consideration and can commercially and technically substitute the same. Further, the interested parties have not made out a cogent case as to how these boards are not technically and commercially substitutable with the Product under Consideration.
- xv. The thermal board mentioned by the respondents should not be excluded as this board is a "like article" to the product under consideration and can commercially and technically substitute the same. Further, the interested parties have not made out a cogent case as to how these boards are not technically and commercially substitutable with the Product under Consideration.
- xvi. As regards the submission for exclusion of 'Gypsum Ceiling Boards with Moisture Barrier', being imported by M/s Armstrong, from the purview of the PUC, Authority's attention is invited to the Product under Consideration defined by the applicant wherein moisture resistant boards of water absorption upto and including 5% have not even been claimed as the "Product under Consideration".
- xvii. It is a well-settled principle that anti-dumping is a special measure and the protection sought to be restricted only where dumping is taking place and injury is caused to the Domestic Industry. It is preposterous to suggest that the Domestic Industry has been selective in defining the Product under Consideration. As regards the products being manufactured by the Domestic Industry, full information has been provided to the Authority.

- xviii. Imports of *moisture resistant boards and fire resistant boards* had been taking place at much higher prices, which did not have any adverse effect on the domestic industry. Had the domestic industry included these products in the scope of the "Product under Consideration", the same interested parties would have raised the issue as to why those products which are not "Like Article" and which do not cause injury to the Domestic Industry have been included. Further, such specialty products constitute a very small portion of the domestic industry's turnover and also the total domestic market.

Examination by the Authority

10. The Authority initiated the subject investigation by defining the product under consideration as Plain Gypsum Plaster Boards of all thicknesses and dimensions, excluding the Gypsum Boards having water absorption up to and including 5% and the Gypsum Boards having a minimum breaking load of 24 Newtons in the transverse direction and 50 Newtons in the longitudinal direction per millimetre of thickness of the Board.
11. The Authority notes that the Plain Gypsum Plaster Boards are also referred to as Standard Gypsum Boards, Regular Gypsum Boards or simply Gypsum Boards in common trade parlance across the world. The subject goods are used in interior construction in suspended ceiling and partition applications.
12. The Authority notes that the Gypsum Plaster Boards that are typically designed for special applications to provide moisture resistance or fire resistance or impact resistance are characterized as "Moisture Resistant Boards", "Impact Resistant Boards" or "Fire Resistant Boards", respectively and are as such beyond the scope of the product under consideration in the present investigation.
13. The Authority notes that broadly there are two types of Gypsum Plaster Boards viz. Plain Gypsum Plaster Boards and Specialized or Technical or Value Added Gypsum Plaster Boards. The production process of the various types of the Gypsum Plaster Boards is more or less same. However, specific inputs/additives are added to obtain desired properties in the end product.
14. Post initiation, the interested parties claimed exclusion of Fire Boards, Heat Boards, Fire Heat Boards, ECHO Boards, Impact Boards, Anti-mold Boards or Weather Boards, Thermal Boards, Gypsum Ceiling Boards with Moisture Barrier and Gypsum Ceiling Boards with Aluminium Edges Sealed in White Film', from the scope of the product under consideration. The matter is examined as below:

Fire Boards

- i. The interested parties submitted that "Fire Boards" are gypsum plaster boards that meet the fire rating standard of more than 30 minutes on fire exposure as these boards have specially formulated core which gives superior fire resistance and higher strength to the product and requested for their exclusion from the purview of the PUC. The domestic industry also agreed for the exclusion of this type of boards subject to the specifications provided by them. The Authority

notes that the product under consideration in the subject investigation is Plain Gypsum Plaster Boards of all thicknesses and dimensions and Fire Boards or "Fire Resistant Boards" are as such excluded from the purview of the product under consideration".

Fire Heat Boards

- ii. The interested parties have submitted that "Fire Heat Boards" are gypsum plaster boards that meet the fire rating standards of more than 30 minutes on Fire Exposure as per BS 476: Part 20 and 22 (copies enclosed as Exhibit 1B and Exhibit 1C) and also have a polyester metalized foil firmly bonded on to the backside that gives at least 75% solar reflectance. These boards are used for protection around places that are exposed to risk of fire and also as wall lining. The domestic industry submitted that *Fire Heat Boards* or fire resistant boards are already excluded from the "Product under Consideration" provided they fulfill the technical criteria mentioned by them and, therefore, there is no question of making any specific exclusion. The Authority notes that the product under consideration in the subject investigation is Plain Gypsum Plaster Boards of all thicknesses and dimensions and the "Fire Heat Boards" being fire resistant boards are as such excluded from the purview of the product under consideration.

Impact Boards

- iii. The Authority notes that "Impact Boards" are that type of gypsum plaster boards that have high density core which give them higher breaking load strength. As submitted by the interested parties, such type of gypsum boards having higher breaking load strength are mainly used in high traffic zone areas like foot-steps, stair cases etc., where there is frequent heavy weights movement. The interested parties have further submitted that these boards weigh 12.5 kilograms per meter square of 12.5 mm thickness (+/- 0.35 kg/m²) as against a standard board that weighs around 9 kilograms per meter square of 12 mm thickness. The domestic industry submitted that the "Impact Boards" are already excluded from the "Product under Consideration" provided they fulfill the technical criteria mentioned by them and, therefore, there is no question of making any specific exclusion. The Authority notes that the product under consideration in the subject investigation is Plain Gypsum Plaster Boards of all thicknesses and dimensions and the "Impact Boards" are as such excluded from the purview of the product under consideration.

Gypsum Ceiling Boards with Moisture Barrier

- iv. The Authority notes that the interested parties have requested for exclusion of "Gypsum Ceiling Boards with Moisture Barrier". The Authority further notes that the domestic industry has also informed that the moisture resistant boards of water absorption up to and including 5% have already been excluded from the purview of the "Product under Consideration" and therefore, the question of specific exclusion of Gypsum Ceiling Boards with Moisture Barrier, does not arise. The Authority notes that the product under consideration in the subject investigation is Plain Gypsum Plaster Boards of all thicknesses and dimensions and "Gypsum Ceiling Boards with Moisture Barrier" being moisture resistant

boards are as such excluded from the purview of the product under consideration.

ECHO Boards

- v. The Authority notes that "ECHO Boards" are gypsum plaster boards which provide special sound absorption properties. The interested parties have submitted that "ECHO Boards" have square or circle perforations on their sides and a Noise Reduction Coefficient ('NRC') in the range of 0.65 to 0.80 as per IS 8225-1987 in reverberation room, that provide special sound absorption properties. They have further submitted that due to their special sound absorption properties, these boards are used in Cinema Halls, Recording rooms and other places where reverberation effect of sound has to be minimized. The Authority further notes that the domestic industry has also agreed for the exclusion of the "ECHO Boards" from the purview of the PUC, with specifications as provided by them. The Authority notes that the PUC in the present investigation is Plain Gypsum Plaster Boards of all thicknesses and dimensions and the "ECHO Board" is a special/value added variant of gypsum plaster board. The Authority further notes that the domestic industry has not provided any documentary evidence to substantiate production of "ECHO Board" by them during the injury period including POI, in conformity with the technical specifications being claimed by them. In view of the above position, the Authority notes that "ECHO Board", being a special/value added variant of the gypsum plaster boards, is excluded from the purview of the PUC.

Heat Boards

- vi. The interested parties stated that "Heat Board" is gypsum plaster boards with polyester metalized foil firmly bonded on to the backside which gives at least 75% solar reflectance and claimed its exclusion from the purview of the PUC. But, the domestic industry has argued that this type of board is a like article to the product under consideration and can commercially and technically substitute the same. Further, domestic industry has submitted that there was no material imports, if any, of this board into India during the POI from subject countries and requested not to exclude the "Heat Boards" from the purview of the PUC. The Authority notes that the product under consideration in the present investigation is Plain Gypsum Plaster Boards of all thicknesses and dimensions and "Heat Board" is a special/value added variant of gypsum plaster board. The Authority further notes that the domestic industry has not furnished any documentary evidence to substantiate production and supply of the same variety during the injury period including POI. In view of the above position, the Authority notes that "Heat Board", being a special/value added variant of the gypsum plaster boards, is excluded from the purview of the product under consideration.

Anti-mold Boards or Weather Boards

- vii. As submitted by the interested parties, the "Anti-mold Boards or Weather Boards" are gypsum plaster boards with certain special additives added to the core and a special paper liner added to the surfaces to give them enhanced protection against mold or fungus growth. They have further submitted that

these boards find special use in hospitals, warehouses and other areas which are exposed to moisture or abnormal environmental conditions. The interested parties have requested for the exclusion of such type of gypsum plaster boards from the purview of the PUC. On the contrary, the domestic industry has submitted that it is a "like article" to the product under consideration and can commercially and technically substitute the same. The Authority notes that the product under consideration in the present investigation is Plain Gypsum Plaster Boards of all thicknesses and dimensions and "Anti-mold Board or Weather Board", is a special/value added variant of the gypsum plaster board. The Authority further notes that the domestic industry has not furnished any documentary evidence to substantiate production and supply of this variety of gypsum plaster board during the injury period including POI. In view of the above position, the Authority notes that "Anti-mold Boards or Weather Boards", being a special/value added variant of the gypsum plaster boards, is excluded from the purview of the product under consideration.

Thermal Boards

- viii. The interested parties have submitted that "Thermal Boards" are gypsum plaster boards with XPS Composite Panel at the back side using PVA Glue which offers additional thermal insulation with the lower thickness of the Board and therefore be excluded from the purview of the PUC. On the contrary, the domestic industry has submitted that thermal board should not be excluded as this board is a "like article" to the product under consideration and can commercially and technically substitute the same. The Authority notes that the product under consideration in the present investigation is plain gypsum plaster board and "Thermal Board", is a special/value added variant of the gypsum plaster boards. The Authority further notes that the domestic industry has not furnished any documentary evidence to substantiate production and supply of "Thermal Boards" during the injury period including POI. In view of the above position, the Authority notes that "Thermal Board", being a special/value added variant of the gypsum plaster boards, is excluded from the purview of the PUC.

Gypsum Ceiling Board with Aluminium Edges Sealed in White Film

- ix. The interested parties requested for exclusion of "Gypsum Ceiling Boards with Aluminium Edges Sealed in White Film" from the purview of the PUC. The domestic industry has also not furnished any documentary evidence to substantiate production and supply of the same variety during the injury period including POI. The Authority notes that the product under consideration in the present investigation is plain gypsum plaster boards of all thicknesses and dimensions and "Gypsum Ceiling Board with Aluminium Edges Sealed in White Film", being a special/value added variant of the gypsum plaster board, is excluded from the purview of the PUC.

Like Article

15. Rule 2(d) of the Anti-dumping Rules defines like article as follows:

"like article" means an article which is identical or alike in all respects to the article under investigation for being dumped in India or in the absence of such

article, another article which although not alike in all respects, has the characteristics closely resembling those of the articles under investigation.

16. The domestic industry has claimed that the subject goods, which are being dumped into India, are identical to the domestic like product being produced by them. The domestic industry has further claimed that there is no known difference in their product and the subject goods exported from the subject countries and are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods and there is no significant difference in the subject goods produced by the domestic industry and those exported from the subject countries and both are technically and commercially substitutable. The interested parties have also not disputed the likeness of the subject goods being produced by the domestic industry and those exported from the subject countries:
17. The Authority notes that there is no known difference in the subject goods produced by the domestic industry and those exported from the subject countries. The subject goods produced by the Indian industry and that imported from subject countries are comparable in terms of characteristics such as physical & chemical characteristics, manufacturing process & technology, functions & uses, product specifications, pricing, distribution & marketing and tariff classification of the goods. The two are technically and commercially substitutable. The consumers are using the two interchangeably. None of the interested parties have raised any objection in this regard. In view of the above, the subject goods produced by the domestic industry are being treated as domestic like articles to the product under consideration imported from subject countries in terms of the Rules.
18. After considering the information on record, the Authority is of the view that there is no known difference between the product under consideration exported from subject countries and the product produced by the Indian industry. Product under consideration produced by the domestic industry is comparable to the imported subject product in terms of chemical characteristics, functions & uses, product specifications, distribution & marketing and tariff classification of the goods. Thus, the two are considered to be technically and commercially substitutable and therefore like articles in terms of the Rules.

C. SCOPE OF DOMESTIC INDUSTRY & STANDING

19. The interested parties submitted that the petitioner has its related entity in UAE and Thailand, exporting gypsum boards to India. This makes the petitioner 'related to the exporters' and as per Rule 2 (b) of the Anti-dumping Rules, such producers would not form part of the domestic industry.
20. The domestic industry submitted that neither they are related to the exporters of the subject goods from the subject countries or importers of the subject goods in India, nor they have imported the subject goods from the subject countries during the injury period including the POI.

Examination by the Authority

21. Rule 2(b) of the Anti-dumping Rules, as amended, defines domestic industry as under: -

"domestic industry" means the domestic producers as a whole engaged in the manufacture of the like article and any activity connected therewith or those whose collective output of the said article constitutes a major proportion of the total domestic production of that article except when such producers are related to the exporters or importers of the alleged dumped article or are themselves importers thereof in such case the term 'domestic industry' may be construed as referring to the rest of the producers.

22. The Authority notes that in the subject investigation the application was filed by M/s. Saint-Gobain Gyproc India Ltd, on behalf of the domestic industry. As per the information furnished by M/s. Saint-Gobain Gyproc India Ltd, there is another producer of the subject goods in India namely M/s Lafarge Boral Gypsum India Pvt. Ltd. (LBGI). The share of the applicant company in the total domestic production of the subject goods was claimed to be 79% and the balance accounted for by M/s Lafarge Boral Gypsum India Pvt. Ltd. However, as claimed by the applicant company, M/s Lafarge Boral Gypsum India Pvt. Ltd is a regular importer of the subject goods and has also imported the subject goods in the period of investigation, thereby making them ineligible for the status of domestic industry under the Rules. The Authority notes that none of the interested parties, including M/s Lafarge Boral Gypsum India Pvt. Ltd, have disputed this fact.
23. The Authority further notes that none of the interested parties have substantiated their claim by furnishing documentary evidence that M/s. Saint-Gobain Gyproc India Ltd's related companies in the subject countries have exported the subject goods to India during the POI. It may be the position that some of their related companies in the subject countries may have exported certain excluded variety of the Gypsum Plaster Boards, but that does not make them ineligible for the status of domestic industry under the Rules. In view of the above position, the Authority considers M/s. Saint-Gobain Gyproc India Ltd as commanding a major proportion of the production of the subject goods in India and therefore constituting domestic industry under the Rules.

D. De Minimis Limits

24. As per the import data received by the Authority from the Directorate General of Commercial Intelligence and Statistics (DGCI&S) and other secondary sources, as well as the data furnished by the cooperating exporters from the subject countries, the imports of the subject goods from the subject countries are above the de minimis level.

E. NORMAL VALUE, EXPORT PRICE AND DUMPING MARGIN

25. The following are the submissions made by the interested parties:
- i. The statement of the petitioner that the prices of the subject goods in Thailand are beyond its reach is false since one of its subsidiaries namely M/s Thai Gypsum Products Plc is engaged in production of the subject goods.

- ii. The claim of the petitioner that the domestic selling price of Gypsum in Thailand is Government controlled, is unsupported by any documentary evidence. Certain communications state that the Government shall fix a minimum export price for gypsum to conserve the natural resource to be unduly exported abroad. Thus, what is being controlled by the Government of Thailand is the minimum export price of Gypsum for sales outside Thailand and not the domestic selling price.
- iii. The Constructed Normal Value (CNV) presented in the petition does not meet the requirement of the law. The price of primary raw material – Gypsum has been considered on the basis of *'experience of the domestic industry'*. Such a methodology for constructing CNV is unheard of.
- iv. The petitioner has not even disclosed the materials that have been considered by it as raw material and their price considered in determining CNV. Even the consumption factor adopted by the petitioner has not been disclosed. The evidences on the basis of which such prices were constructed have also not been provided. One other important component of cost is electricity cost. The petitioner has not provided the norms used for power consumption nor has stated the per unit cost of electricity considered in determining CNV.
- v. In determining the ex-factory export price, the petitioner has adjusted the CIF export price available from IBIS with inter alia ocean freight that would be incurred in transporting the subject goods from the exporting country to India. The petitioner has claimed that, as per the information available with it, the ocean freight from Thailand to India is USD 55 per meter cube. The freight cost has been inflated. The freight charges during the POI have been significantly lower than USD 55 per meter cube.
- vi. Petitioner has *constructed* normal value for UAE/Thailand. This is despite the fact that they have their own subsidiaries in UAE/ Thailand producing Gypsum Plaster Boards. Such being the case, petitioner deliberately did not provide evidence of normal value on the basis of actual selling price in these countries.
- vii. Siam Sarburi has exported to India Plain Gypsum Plaster Boards of the made to order LaGyp brand with the dimension of *** mm width and *** mm thickness. However, in the domestic market of Thailand, Siam Sarburi has sold Plain Gypsum Boards of Standard Board type with ***,***,*** and *** mm thickness, ***, *** mm width and ***-***mm length. As the goods being exported are different from the goods domestically sold, the domestic selling price cannot be used for determining the normal value for Siam Sarburi. However, Siam Sarburi has exported the ***mm thickness boards to other countries. Therefore,

as per the relevant provisions of Customs Tariff Act, the normal value for Siam Sarburi should be determined on the basis of the price of *** mm thickness boards exported to other countries. If, however, the Authority is of the opinion that normal value is to be determined based on domestic sales of Gypsum boards with other thickness, then the same can be done by taking the domestic sales price of the board having *** mm thickness, which is a similar product.

- viii. Siam Songkhala has neither sold *** mm thickness board in the domestic market, nor exported the same to other countries. In view of that, the Authority should compare the selling price of *** mm thickness boards exported to India with *** mm thickness boards sold in the domestic market of Thailand.

26. The following are the submissions made by the domestic industry with regard to the normal value, export price and dumping margin:

- i. The producers in Thailand enjoy undue advantage with respect to raw material pricing, essentially on account of government intervention. The notification Ref. No.OR.KO.0516/193 Dated January 16, 2009 issued by the Mining Industry Council of Thailand regarding determination of minimum export price of gypsum indicates that the prices of gypsum, the major raw material for the subject goods, cannot be accepted on their face value on account of differential pricing policy followed in Thailand. Moreover, this is not reflective of fair market price of gypsum in Thailand. The Authority is requested to take in to account the market price of gypsum while computing the cost of production for the purpose of determining normal value in Thailand.
- ii. Thailand, one of the subject countries, may be taken as an appropriate market economy third country for determination of normal value for China PR, as the capacity in China PR for manufacturing the subject goods is close to the manufacturing facility in Thailand. Moreover, the industry structure, the average capacity of plants, the cost structure, the production process and the technology are reasonably and fairly close to that found in China. The relevant information regarding the determination of normal value, therefore, can be obtained from Thailand by the Authority during the course of the investigation.
- iii. The various companies within the group are different legal entities with independent management. While the same may be considered as affiliates for a particular purpose, there is no practice of sharing the information across entities within the group due to differing shareholding patterns. Further, even within the group companies, sharing of cost and pricing information cannot be insisted unless one company is a 100% subsidiary of the other. In any case, the onus on the applicant is only to provide the sufficient evidence for the purpose of initiation and it is the actual cost and price of the cooperating exporter which shall be taken into account for the purpose of calculating the dumping margin.

- iv. The statement that Constructed Normal Value (CNV) presented in the petition does not meet the requirement of the law, is misplaced. Under the law, the applicant is required to give only evidence which is sufficient to justify the initiation of the investigations in terms of Rule 5 of the Anti-dumping Rules.
- v. The information of the Domestic Industry is routinely being taken by the DGAD as a valid basis for estimating the CNV and the dumping margin. The real test in law as well as in practice is whether the information relied upon by the Hon'ble Authority is sufficient to initiate the investigation or not.
- vi. The information relating to the cost/consumption of raw material and electricity are business sensitive information and hence are confidential.
- vii. The relevant document for substantiating the claim in the context of ocean freight is enclosed with the application.
- viii. The methodology of determination of normal value, suggested by *Siam Sarburi and Siam Songkhla*, is not in accordance with the methodology prescribed by the law.
- ix. The domestic as well as export price from UAE should be rejected as they do not reflect the full cost of production and sales, as per admissions by the exporters themselves that they enjoy certain benefits in the form of incentives / subsidies for being located in SEZ.

Examination by the Authority

27. The submissions made by the interested parties with regard to normal value, export price and dumping margin are addressed by the Authority as follows:

- i. The Authority notes that the Notification Ref. No.OR.KO.0516/193 Dated January 16, 2009 of the Mining Industry Council of Thailand, furnished by the domestic industry, shows that it is the export price of raw material i.e. Gypsum which is regulated by the Govt. of the subject country. However, no evidence has been furnished to substantiate that the said order by the Govt. of the exporting country also impact the domestic prices of raw material. Therefore, the contention of the domestic industry in this regard has not been accepted by the Authority.
- ii. The Authority notes that in terms of Para 7. of Annexure I of the Anti-dumping Rules, in case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or

payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the Authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. The Authority further notes that neither Thailand can be considered as at the same level of development as China PR, nor any reliable information has been made available by any interested party in this regard. In view of the above, the submission of the domestic industry to take Thailand, one of the subject countries in the present investigation, as an appropriate market economy third country for determination of normal value for China PR, is not accepted by the Authority.

- iii. The domestic industry has submitted that their related companies in the subject countries have not exported the subject goods to India during the POI. As a result, such related companies have also not responded in the present investigation. Moreover, the domestic industry has stated that the various companies within the group are different legal entities with independent management and therefore, information regarding cost and pricing being confidential in nature, are not shared.
- iv. As regards the submission by domestic industry that incentives / subsidies are available to the exporters from UAE on account of being located in SEZ, the Authority at this stage have accepted the claims of respondent exporter from UAE subject to verification of its submissions on all accounts.
- v. As regards the claim of the domestic industry for adjustment of transportation cost for determination of ex-factory export price, based on submissions made by the cooperating exporters from the subject countries, the Authority notes that the claim apparently appears to be excessive. Therefore, in the determination of normal value, the Authority has considered transportation costs based on the claims of the cooperating exporters in this regard.
- vi. The methodology of determination of normal value and export price adopted by the Authority is in terms of the laid down Rules and as such explained in this finding.

28. The exporter's questionnaire responses submitted by the following cooperative exporters/producers have been accepted by the Authority, subject to verification of their claims, and considered for the purpose of determination of normal value, export price and dumping margin in this preliminary finding. In respect of other producers/exporters from the respective subject countries the Authority has relied upon the best information available on record.

- (a) Gypsemna Co. L.L.C., UAE
- (c) The Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd, Thailand
- (d) The Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd, Thailand

29. The Authority has determined normal value, export price and dumping margin as follows:

NORMAL VALUE

CHINA PR

30. The Authority notes that none of the producers/exporters from China PR have submitted questionnaire responses and are therefore non-cooperative. In the absence of any response and China PR being a non-market economy, the Authority therefore considers it appropriate to proceed with para-7 of Annexure-I to the Rules for determination of normal value for China PR. Para 7 of Annexure I of the Rules provides that:

"In case of imports from non-market economy countries, normal value shall be determined on the basis of the price or constructed value in the market economy third country, or the price from such a third country to other countries, including India or where it is not possible, or on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin. An appropriate market economy third country shall be selected by the designated Authority in a reasonable manner, keeping in view the level of development of the country concerned and the product in question, and due account shall be taken of any reliable information made available at the time of selection. Accounts shall be taken within time limits, where appropriate, of the investigation made in any similar matter in respect of any other market economy third country. The parties to the investigation shall be informed without any unreasonable delay the aforesaid selection of the market economy third country and shall be given a reasonable period of time to offer their comments."

31. The domestic industry proposed that Thailand be taken as an appropriate market economy third country for determination of normal values for China PR, without making available any reliable information as required under the Rules. Moreover, the Authority notes that China PR and Thailand cannot be considered as at the same level of development. In view of the above, in terms of Para 7 of Annexure I of the Rules, the Authority provisionally determines the constructed normal value (CNV) *"on any other reasonable basis, including the price actually paid or payable in India for the like product, duly adjusted if necessary, to include a reasonable profit margin"*. Accordingly, the Authority has determined CNV in respect of China PR as US \$ *** per MT.

Indonesia

32. The Authority notes that none of the producers/exporters from Indonesia have submitted exporter's questionnaire response. Therefore, the Authority has relied upon the best available information in terms of Rule 6(8) of the Rules for the determination of normal value in respect of Indonesia and determined the normal value as US\$ *** per MT.

Determination of Normal value in respect of Co-operative Exporters/Producers from Thailand and UAE

UAE

M/s Gypsemna, UAE:

33. The Company submitted details of sales of the subject goods in the domestic market. The Authority notes that the company sold a total quantity of *** cubic meter of the subject goods in the domestic market. The Authority further notes that the thickness of the subject goods sold in domestic market varied from ***mm to ***mm. An analysis of the domestic sales of the petitioner company during the POI revealed that there were significant differences in the sales price based on thickness of the goods sold to the consumers. The ex-factory sales price of the subject goods in the domestic market ranged from US \$ *** per cubic meter to US \$ *** per cubic meter. Therefore, for the purpose of arriving at the normal value and for comparison on like-to-like basis, the domestic sales price of thickness of the Gypsum Plaster Board, as exported by the company to India, has been considered. Accordingly, the average CIF price of domestic sales of subject goods during the POI was US \$ ***. The company has claimed further adjustments on account of local transportation and credit cost. It has also been claimed by M/s Gypsemna, UAE that in the domestic market the subject goods are being sold to the customers at varying levels of trade. Accordingly the company allows substantial discounts to the customers based on quantities of subject goods sold. Subject to verification of the information submitted by the company and its substantiation with documentary evidence, the Authority does not accept the claims of the company with regard to normal value at this stage. Accordingly the normal value in case of M/s Gypsemna, UAE has been determined by the Authority as US \$ ***/meter cube.

Thailand

M/s Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd, Thailand

34. The company submitted details of sales of the subject goods in the domestic market. The Authority notes that the company sold a total quantity of *** meter cubes of the subject goods in the domestic market. The Authority further notes that the thickness of the subject goods sold in domestic market varied from ***mm to ***mm. An analysis of the domestic sales of the petitioner company during the POI revealed that there were significant differences in the sales price based on thickness of the goods sold to the consumers. The ex-factory sales price of subject goods, based on thickness varied from US \$ *** per cubic meter to US \$ *** per cubic meter. Therefore, for the purpose of arriving at the normal value and for comparison on a like-to-like basis, the domestic sales price of the thickness of the Gypsum Plaster Board, as exported by the company to India has been considered. Accordingly, the average CIF price of domestic sales of subject goods during the POI was USD *** per cubic meter. The company has claimed further adjustments on account of inland transportation, ocean freight, insurance, port handling charges, customs fees, credit cost and Bank charges. Subject to verification of the information submitted by the company, the Authority accepts the claims of the company with regard to normal value. Accordingly the normal value in case of M/s Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd has been determined by the Authority as US \$ *** per meter cube.

M/s Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd

35. The company submitted details of sales of the subject goods in the domestic market. The Authority notes that the company sold a total quantity of *** meter cubes of the subject goods in the domestic market. The Authority further notes that the thickness of the subject goods sold in domestic market varied from ***mm to ***mm. An analysis of the domestic sales of the petitioner company during the POI revealed that there were significant differences in the sales price based on thickness of the goods sold to the consumers. The ex-factory sales price of subject goods, based on thickness varied from US \$ *** per cubic meter to US \$ *** per cubic meter. Therefore, for the purpose of arriving at the normal value and for comparison on like-to-like basis, the domestic sales price of the thickness of the Gypsum Plaster Board, as exported by the company to India has been considered. Accordingly, the average CIF price of domestic sales of subject goods during the POI was USD *** per cubic meter. The company has claimed further adjustments on account of inland transportation, ocean freight, insurance, port handling charges, custom fees, credit cost and Bank charges. Subject to verification of the information submitted by the company, the Authority accepts the claims of the company with regard to normal value. Accordingly, the normal value in case of M/s Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd has been determined by the Authority as US \$ *** per meter cube.

Determination of Normal value in respect of Non-Cooperative Exporters/Producers from Thailand and UAE**Non Cooperative exporters, UAE**

36. The Authority has determined normal value of US\$ *** per MT for non-cooperative producers/exporters from UAE, on the basis of best available information as per the Rules.

Non Cooperative exporters, Thailand

37. The Authority has determined normal value of US\$ *** per MT for non-cooperative producers/exporters from Thailand, on the basis of best available information as per the Rules.

EXPORT PRICE**UAE****M/s Gypsemna Co. (L.L.C.), Dubai**

38. The company submitted details of its exports of subject goods to India in the prescribed proforma. The Authority notes that the company has only sold the subject goods of the thickness of *** mm to Indian market. The company sold a total quantity of *** meter cube of subject goods in the Indian market at an average export price of US \$ ***. In the export price, the company has claimed adjustments on account of credit cost, local transportation, documentation charges and ocean freight. Subject to verification of the information, the claim of the company with regard to export price is accepted by the Authority for the purpose of preliminary findings. Accordingly, subject to verification,

the net export price of subject goods exported by M/s Gyosemna Co. (LLC), Dubai to India during the POI is worked out by the Authority as US \$ *** per cubic meter.

Non Cooperative exporters from UAE

39. The Authority notes that no other exporter from UAE has submitted exporter's questionnaire response. Therefore, the Authority has adopted the lowest representative net export price to India of the cooperative exporters from UAE i.e. US\$ *** per MT, for non-cooperative exporters from the same country.

Thailand

The Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd. Thailand

40. The company submitted details of its exports of subject goods to India in the prescribed proforma. The Authority notes that the company has sold the subject goods of the thickness of *** mm and *** mm to Indian market. The company sold a total quantity of *** meter cube of subject goods in the Indian market at an average export price of US \$ *** per cubic meter. In the export price, the company has claimed adjustments on account of ocean freight, port handling charges, credit cost and bank charges. Subject to verification of the information, the claim of the company with regards to export price is accepted by the Authority for the purpose of preliminarily findings. Accordingly, subject to verification, the net export price of subject goods exported by M/s Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd. Thailand to India during the POI is worked by the Authority as US \$ *** per cubic meter.

The Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd. Thailand

41. The company submitted details of its exports of subject goods to India in the prescribed proforma. The Authority notes that the company has only sold the subject goods of the thickness of *** mm to Indian market. The company sold a total quantity of *** meter cube of subject goods in the Indian market valuing US \$ ***. In the export price, the company has claimed adjustments on account of inland transportation, Ocean freight, port handling charges, credit cost and bank charges. Subject to verification of the information, the claims of the company with regards to export price are accepted by the Authority for the purpose of preliminarily findings. Accordingly, subject to verification, the net export price of subject goods exported by M/s Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd. Thailand to India during the POI is work out by the Authority as US \$ *** per cubic meter.

Non Cooperative exporters from Thailand

42. The Authority notes that no other exporter from Thailand has submitted exporter's questionnaire response. Therefore, the Authority has adopted the lowest representative net export price to India of the cooperative exporters from Thailand i.e. US\$ *** per MT, for non-cooperative exporters from the same country.

Determination of Export Price in respect of China PR and Indonesia

43. The Authority notes that none of the exporters/producers of subject goods from China PR and Indonesia has responded to the Authority in the form and manner prescribed.

In the absence of response from the producers/exporters from the said countries, the Authority has determined the export price in respect of these countries on the basis of best information available on record in terms of Rule 6(8) of the Anti-dumping Rules. The Authority has relied upon DGCIS import data for the purpose of arriving at the weighted average CIF value of imports from the said countries during the POI. Adjustments on account of ocean freight, insurance, port expenses have been considered, based on available information and on the basis of claims made by the domestic industry, to arrive at the net export price in respect of the said countries. Accordingly, export price at ex-factory level for all exporters of China is determined as US\$ *** per MT and for all exporters of Indonesia as US\$ *** per MT.

DUMPING MARGIN

Dumping Margin for Related Entities.

44. The Authority notes that M/s Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd. Thailand and M/s Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd. Thailand are related parties since majority of the share holding of both the companies is held by a single entity namely M/s Siam Gypsum Industry Co. Ltd. It has been a consistent practice of the Authority to consider related exporting producers or exporting producers belonging to the same group as one single entity for the determination of a dumping margin and thus to establish one single dumping margin for them. This is in particular because calculating individual dumping margins might encourage circumvention of anti-dumping measures, thus rendering them ineffective, by enabling related exporting producers to channel their exports to India through the company with the lowest individual dumping margin.

45. Considering the Normal Values and Export Prices, as determined above, the dumping margins have been determined as follows:

S. No.	Country	Producer/ Exporter	Dumping Margin	In US\$/Cubic Meter	
				Dumping Margin %	DM (range)
1.	Thailand	M/s Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd. Thailand	***	***	70-80
		M/s Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd. Thailand	***	***	50-60
		Group	***	***	45-55
		Any other producer/exporter	***	***	85-95
2.	UAE	M/s Gypsemna Co. (L.L.C.), Dubai	***	***	8-16
		Any other producer/exporter	***	***	15-25

3.	China	All producers/exporters	***	***	35-45
4.	Indonesia	All producers/exporters	***	***	1-10

INJURY AND CAUSAL LINK

Injury Related Submissions made by the interested parties

46. The following are the submissions made by the interested parties concerning injury to the domestic industry:

- i. The injury allegedly suffered by domestic industry is due to increased cost of production caused by excessive production capacity as compared to demand.
- ii. The application for imposition of anti-dumping duty is intended to drive away competition from the market. The Competitive Commission of India has already initiated an investigation against the petitioner company in this regard.
- iii. The subject petition is flawed since the petitioner has failed to establish prima facie that there was dumping, injury and causal link.
- iv. Amortization of the cost of petitioner's Chennai plant that has discontinued production has caused the alleged injury to the petitioner.
- v. Advantages gained out of captive consumption have not been analyzed. Any injury caused due to uneconomical usage of internally consumed goods shall not be attributed to the subject imports.
- vi. NIP of the petitioners should be determined with a reasonable profit margin.
- vii. The imports are made by a related company in India which incurs all the selling expenses like advertisement expenses, sales promotion expenses, warehousing charges etc. to sell the product. Hence, in order to arrive at a fair comparison, what is to be compared is the net selling price of the trading company in India with the selling price of the petitioner.
- viii. Imports from subject countries have increased only because of fresh production and resultant exports from UAE. If imports from UAE are excluded, the volume of imports is in the same region.
- ix. During the period of 2008-09 and 2009-10, the market share of imports decreased. Despite this, market share of the domestic industry declined. At the same time, the market share of the other Indian producer, Lafarge Boral Gypsum India Pvt. Ltd, increased in the same period. This shows that the loss of market share to the Domestic industry is on account of internal domestic competition i.e., Lafarge Boral Gypsum Indian Pvt. Limited and not because of alleged dumping by the subject countries.

- x. It is submitted that there was a decrease in the production of the petitioner for the period 2008-09 and 2009-10, but the production has in fact increased substantially in the POI. It is also observed from the above table that the loss in the production of the petitioner was because of the other Indian producer, which started manufacturing in 2008-09.
- xi. There is no correlation between the increase in the alleged dumped imports and the alleged injury. In fact, when the imports declined in 2008-09 and 2009-10, the injury parameters for the petitioner declined too, inter alia, profits, cash profit and return on investment. Therefore, the existence of causal link between the imports and the alleged injury is absent.

Submissions made by the domestic industry

47. The following are the submissions made by the domestic industry concerning injury:

- i. The contention raised by the interested parties that injury allegedly suffered by domestic industry is due to increased cost of production caused by excessive production capacity and not because of imports is incorrect. The capacity decisions are made based on the development of the market in terms of the size and growth rates of the preceding years. The data in table below gives the estimated size of the market and the market growth in % terms for the years 2003 to 2006:

Quantity in M3	2003	2004	2005	2006
Market growth	85000	123750	173750	225000
Market growth year to year		45.65%	40.4%	29.5%

The above table shows that there is a steady average market growth of 30 - 40% over the years that determined the decision of domestic industry for expansion of the capacity.

- ii. The increase in the cost of production is overwhelmingly due to the increase in the variable cost of production, as increase in the fixed cost per unit is marginal. Thus, the increase in costs has no relation with the increase in capacity.
- iii. The contention that petitioner is intending to drive competition from the market is misplaced. The basic premise of anti-dumping duty is to protect against unfair practice of dumping. Moreover, there is no enquiry either against the petitioner or with regard to the Product under Consideration by the CCI.
- iv. It is only on the basis of sufficient evidence of dumping, injury and casual link that the Authority initiates investigations. The information in the context of the injury, casual link and dumping has already been provided in the application filed by the domestic industry.
- v. The amortization cost due to discontinuation of production of the Chennai plant has not been considered either to calculate the injury related factors or the normal value.

- vi. The quantity of captive consumption is in the nature of boards utilized as samples or mock ups. The total quantity of boards utilized for this purpose in 2009-10 was *** MT which is equivalent to *** M3 which is merely *** % of total sales during 2009-10. The cost for the same has been considered under the sales promotion expenses.

Examination by the Authority

48. The Authority notes that the contention made by the interested parties that the injury, allegedly suffered by domestic industry, is due to increased cost of production caused by excessive production capacity and not because of imports, is incorrect. As the domestic industry has rightly pointed out, the decisions for capacity expansion are not made by companies overnight but rather on the basis of market size and growth observed over the preceding years. The data provided by the domestic industry show a steady average market growth of 30 - 40% during 2003 to 2006.
49. The Authority notes that the intent for imposition of anti-dumping duty is not to drive away competition from the market, but rather to create a level playing field characterized by fair competition. The Authority further notes that the interested parties have not furnished any documentary evidence in support of their submission that the Competitive Commission of India has already initiated an investigation against the petitioner company in this regard. The domestic industry has also denied any such investigation by the CCI against their company. Nevertheless, the Authority notes that the investigations initiated by the Competitive Commission of India are beyond the scope of Anti-dumping investigations.
50. The Authority notes that the amortization cost on account of discontinuation of production of the Chennai plant has not been considered either to calculate the injury related factors or the normal value. Therefore, the submission made by the interested parties in this regard has no relevance.
51. The Authority notes that as per the information provided by the domestic industry the total quantity of captive consumption of the subject goods by the domestic industry is merely *** % of the total sales during 2009-10 and thus negligible.

Cumulative assessment

52. Annexure II para (iii) of the Anti-dumping Rules provides that in case imports of a product from more than one country are being simultaneously subjected to anti-dumping investigations, the Authority will cumulatively assess the effect of such imports, in case it determines that:
- a. the margin of dumping established in relation to the imports from each country is more than two percent expressed as percentage of export price and the volume of the imports from each country is three percent (or more) of the import of like article or where the export of individual countries is less than three percent, the imports collectively accounts for more than seven percent of the import of like article and

- b. Cumulative assessment of the effect of imports is appropriate in light of the conditions of competition between the imported article and the like domestic articles.

53. The Authority notes that:-

- The subject goods are being dumped into India from a number of countries.
 - The margins of dumping from each of the subject countries are more than the *de-minimis* limits prescribed;
 - The volume of imports from each of the subject countries is more than the *de-minimis* limits prescribed;
 - Cumulative assessment of the effects of imports is appropriate as the exports from the subject countries directly compete with the like articles offered by the domestic industry in the Indian market, which is evident from the following:-
- a. The products manufactured by the producers from the subject countries and the products manufactured by the domestic industry have comparable properties. In other words, goods supplied by various subject countries and by the domestic industry are *inter-se* like articles.
 - b. There are common parties who are resorting to use of the imported subject goods from various sources and the goods produced by the domestic industry. Both, the imported and the domestic subject goods, are being used interchangeably and there is direct competition between the domestic product & imported products and *inter-se* amongst imported products.
 - c. The exporters from the subject countries and domestic industry have sold the product in the same periods to the same set of customers. The sales channels are comparable.
 - d. The volume of imports from each of the subject countries is significant.

54. In view of the above, the Authority considers that it would be appropriate to assess injury to the domestic industry cumulatively from exports of the subject goods from the subject countries.

55. Rule 11 of Antidumping Rules read with Annexure II provides that an injury determination shall involve examination of factors that may indicate injury to the domestic industry, "... taking into account all relevant facts, including the volume of dumped imports, their effect on prices in the domestic market for like articles and the consequent effect of such imports on domestic producers of such articles...." In considering the effect of the dumped imports on prices, it is considered necessary to examine whether there has been a significant price undercutting by the dumped imports as compared with the price of the like article in India, or whether the effect of such imports is otherwise to depress prices to a significant degree or prevent price increases, which otherwise would have occurred, to a significant degree. For the examination of the impact of the dumped imports on the domestic industry in India, indices having a bearing on the state of the industry such as production, capacity utilization, sales volume, stock, profitability, net sales realization, the magnitude and margin of dumping, etc. have been considered in accordance with Annexure II of the AD Rules.

Volume Effects of Dumped Imports:

Import volumes and market share of subject countries

56. The following table shows that the share of imports from the subject countries, in the total imports in to India, is as high as 99.13% during the period of investigation. Moreover, in absolute terms, the Authority notes that during the POI import from the subject countries has increased significantly by 194% as compared to base year.

Meter Cube (M3)

	April 07- March 08	April 08-March 09	April 09 - March 10	POI
Imports from Subject Countries	54076	49851	53823	105134
Imports from Other Countries	6	-	- 182	928
Total Imports	54082	49851	54005	106062
% Share of Subject countries In Total Imports	99.99	100	99.66	99.13

Market Share of Imports from the Subject country

57. The Authority notes from the table below that there has been decline in the share of domestic production in the total demand during the POI over the year 2007-08. On the other hand the share of imports from the subject countries has increased from 19.24% to 27.65%. The Authority also notes that there has been inter se change in the market share of the domestic producers due to addition of new capacity by the petitioner company and the other domestic producers of the subject goods. However, the inter se change in the share of domestic producers has been examined by the Authority in the context of the other parameters on dumping, price effect etc of the imports and the consequent injury to the domestic industry.

Meter Cube (M3)

	April 07- March 08	April 08- March 09	April 09 - March 10	POI
Total Imports	54082	49851	54005	106062
Production of petitioner company	226982	211235	198999	216092
Production of other producers		30000	45000	58125
Total demand	281010	291086	298004	380279
% Share of Subject countries	19.24	17.13	18.06	27.65
Share of other countries	-	-	0.06	0.24
Share of domestic production	80.75	83.88	81.88	72.10

Imports from the subject countries in relation to domestic production

58. The Authority notes from the table given below that imports from the subject countries, as a percentage of domestic production, have increased from 27.26 % in the base year to 45.27% during the POI, thereby signifying that the imports from subject countries have

increased not only in absolute terms but have also increased in relation to total domestic production.

	Meter Cube (M3)			
	April 07- March 08	April 08- March 09	April 09 - March 10	POI
Imports from Subject countries	54076	49851	53823	105134
Imports from other countries	6		182	928
Total imports	54082	49851	54005	106062
Total Production PUC	226928	214235	243999	274217
% Share	23.8	23.2	22.1	38.7

Effect of Dumped Imports on Domestic Prices

59. The details relating to landed value of imports from the subject countries as well as domestic selling prices along with the cost are given in the following table:

	Rs/Meter Cube (M3)			
	April 07- March 08	April 08- March 09	April 09 - March 10	POI
Landed Value	***	***	***	***
Indexed	100	121	106	108
Domestic Selling Price	***	***	***	***
Indexed	100	109	112	106
Cost	***	***	***	***
Indexed	100	124	135	120

60. The Authority notes that the average landed value of the subject goods from subject countries has been fluctuating over the injury investigation period. However, the average landed value, after rising in the year 2008-09 has sharply declined in the period of investigation in spite of the fact that the cost to manufacture subject goods has been increasing. On the other hand, throughout the investigation period, the domestic industry seems to be forced to offer the subject goods at lower prices resulting in losses during the POI from a profit making situation in the base year 2007-08. It indicates that the domestic industry was not able to increase its prices to fully recover the increase in cost due to the presence of dumped imports. It therefore indicates that the prices of the domestic industry have been suppressed and undercut by the import prices throughout the investigation period.

Consequent Effect of Dumped Imports on the Domestic Industry

Changes in Market Share held by the Indian Producers.

61. The Authority notes that the demand in the domestic market has increased by about 30% over the injury investigation period. However, the market share of the domestic industry has declined significantly over the injury investigation period. Similarly, the market share of the total domestic sales has declined over the same period by ***%. It implies that the increase in the demand has directly been taken over by imports from the subject countries. Thus, the imports have caused injury to the domestic industry with respect to market share.

Output & Capacity Utilization

62. The Authority notes that there are no dedicated capacities for the subject goods. The goods other than subject goods are also produced from the same capacity. However, the Authority further notes that the subject goods constitute more than 92% of the total production of all products. The details relating to capacity and production of the domestic industry during the injury period and the POI are given in the following table:

Meter Cube (M3)

	April 07- March 08	April 08- March 09	April 09 - March 10	POI
Capacity	287500	350000	412500	412500
Total Production	226987	210860	204675	219882
Capacity Utilization %	79%	60%	50%	53%

63. The Authority notes from the table above that the capacity utilization of the domestic industry over the injury investigation period has come down by 26%. The Authority further notes that there has been capacity addition by the domestic industry during the injury period. Further, during the same period the other domestic producers have also commenced production of the subject goods. Therefore, there has been a decline in the market share of the petitioner company. This was reflected in the change in the production and capacity utilization of the domestic industry. Therefore, this factor alone has not been considered by the Authority as a parameter for injury to the domestic industry in the present investigation.

Productivity

64. The per-employee productivity of the domestic industry during the period of investigation has marginally increased as compared to base year.

Meter Cube (M3)

	April 07- March 08	April 08- March 09	April 09 - March 10	POI
Production	226987	210860	204675	219882
Employees	***	***	***	***
Production per Employee	***	***	***	***
Indexed	100	93	96	102

Sales Volume & Value

65. The sales volume of the domestic industry has come down by about 5% over the injury investigation period. The decline in the sales volume of the domestic industry has occurred in spite of a 74% increase in the overall demand for the subject goods. The decline in the volume of sales, in spite of increase in the demand for subject goods, coupled with significant surge in the volume of exports and the market share of exports from the subject countries demonstrates the presence of dumped imports from the subject countries.

	Meter Cube (M3)			
	April 07- March 08	April 08- March 09	April 09 - March 10	POI
Total Sales Volume – Domestic	226928	211235	198999	216092
Indexed	100	93	88	95

Employment and Wages

66. The Authority notes that the number of employees engaged by the domestic industry has come down over the injury investigation period. However, the wages paid to them have increased.

	April 07- March 08	April 08- March 09	April 09 - March 10	POI
No of Employees	***	***	***	***
Indexed	100	100	94	95
Wages Total (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Indexed	100	121	122	123

Profitability

67. The Authority notes that the profitability of the domestic industry has been severely affected in the period of investigation due to dumped imports from subject countries. The domestic industry started to suffer losses during 2008-09 onwards as compared to significant profit making situation in the base year 2007-08. The Authority notes that while there was increase in the cost of production of the domestic industry to the extent of **%, on the other hand the sales realization of the domestic industry increased at the maximum during the injury period of **%, which further declined in the POI. This signifies that the domestic industry was not able to increase the selling prices to the extent of increase in the cost of production resulting in decline in its profitability.

	R/s Meter Cube (M3)			
	April 07- March 08	April 08- March 09	April 09 - March 10	POI
Selling Price- Rs./ M3	***	***	***	***
Indexed	100	109	112	106
Cost -Rs. / M3	***	***	***	***
Indexed	100	124	135	120
Profit (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Indexed	100	-32	-135	-49
Profit/Loss- Rs. / M3	***	***	***	***
Indexed	100	-36	-117	-31

Return on Investment (Capital Employed)

68. The return on capital employed (ROCE) of the domestic industry has also followed the same trend as that of profitability.

	April 07- March 08	April 08-March 09	April 09 - March 10	POI
Capital Employed	***	***	***	***
Profit Before Interest	***	***	***	***
ROCE (%)	***	***	***	***
Indexed	100	24	34	9

Inventories

69. The inventories of the domestic industry have marginally come down over the injury investigation period. The same have declined in view of the fact that the domestic industry does not want to get further injured on account of excess investment in the inventory.

Meter Cube (M3)				
	April 07- March 08	April 08-March 09	April 09 - March 10	POI
Opening stock	***	***	***	***
Closing Stock	***	***	***	***
Average stock	***	***	***	***
Indexed	100	81	77	93

Price Undercutting and Price Underselling

70. Basing on the import data received from the DGCI&S source, the Authority notes from the table given below that there was significant undercutting effect of the dumped imports from the subject countries.

R/s Meter Cube (M3)						
Sl. No.	Details	UAE	China	Indonesia	Thailand	Subject countries
1.	Sales Price of domestic industry	***	***	***	***	***
2.	Landed value	***	***	***	***	***
3.	Undercutting	***	***	***	***	***
4.	Undercutting %	***	***	***	***	***
5.	Undercutting range	35-25	40-30	30-20	40-50	42-30

Price underselling

71. The price underselling effect on the basis of the available data for the POI is positive and significant for all the subject countries and is tabulated as follows:

900 47/12 - 11

Sl. No.	Details	UAE	China	Indonesia	Thailand	Subject countries
1.	NIP of domestic industry	***	***	***	***	***
2.	Landed value	***	***	***	***	***
3.	Underselling	***	***	***	***	***
4.	Underselling %	***	***	***	***	***
5.	Underselling % range	30-40	40-50	25-35	45-55	35-45

Actual and potential negative effect on cash flows

72. The table below clearly indicates that the cash flow position of the applicant has significantly deteriorated over the injury investigation period.

	April 07- March 08	April 08- March 09	April 09 - March 10	POI
Profit/ Loss (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Add: Depreciation (Rs. Lacs)	***	***	***	***
Cash Flow (In Rs. Lacs)	***	***	***	***
Indexed	100	31	-18	32

Growth

73. The Authority notes that the growth of the domestic industry is severely negative with respect to profitability and cash flow during the injury period including POI as detailed in this finding.

Ability to Raise Capital Investments

74. The domestic industry is a multi product company having significant turnover generated from activities other than the production and sale of the PUC. Although the profitability/cash flows and returns on capital employed were significantly affected due to dumped imports, considering the fact that the domestic industry has in the recent past undertaken major expansion of capacities and for the present it has no plans for capital investment/expansion, no conclusion can be drawn by the Authority in this regard.

Conclusion on material injury

75. The demand of the subject goods has increased from 100 (Index) in base year to 105 (Index) in POI, i.e., increase by 35%. During the same period, the domestic sales have declined by ***%. Thus the domestic industry has not been able to take advantage of the increase in demand of the subject goods in the Indian market.

76. It is seen that the imports have increased significantly in absolute terms and in relation to production & consumption in India. The imports are significantly undercutting the prices

of the domestic industry. As a result, of the significant increase in imports and price difference between the imported and domestic product, the performance of the domestic industry has deteriorated in terms of parameters such as production, sales volumes, capacity utilization and market share during the POI in comparison to the base year. The above analysis shows that the domestic industry has suffered material injury.

Causal Link

77. As per the Rules, the Authority is, inter alia, obligated to also examine any known factors other than the dumped imports, which at the same time are injuring the domestic industry, so that the injury caused by these other factors are not attributed to the dumped imports. Factors which may be relevant in this respect include the volume and prices of imports not sold at dumped prices, contraction in demand or changes in the patterns of consumption, trade restrictive practices of and competition between the foreign and domestic producers, developments in technology and the export performance and the productivity of the domestic industry. The Authority has examined whether these other parameters listed under the Rules could have contributed to injury to the domestic industry.
- a. **Imports from Third Countries:** - The Authority notes that imports from third countries are negligible and thus could not have caused injury to the domestic industry.
 - b. **Contraction in Demand:** - The Authority notes that there is no contraction in the demand over the injury period. On the contrary, overall demand for the subject goods has shown significant positive growth during the POI as compared to the base year.
 - c. **Pattern of consumption:** - No significant change in the pattern of consumption has come to the knowledge of the Authority, nor any interested party has made any submission in this regard.
 - d. **Conditions of competition:** - It has been argued by the interested parties that the performance of domestic industry has been adversely affected due to commencement of commercial production by another unit in the domestic industry and the same is due to the condition of competition in the domestic industry. The Authority notes that some of the market share of the domestic demand of the subject goods has no doubt shifted to the new entrant in the market but it has been admitted by the responding exporters that the subject goods have been sold in the domestic market in India at dumped prices.
 - e. **Developments in technology:** - The investigation so far has not shown that there was any significant change in technology, which could have caused injury to the domestic industry.
 - f. **Export performance of the domestic industry:** - Since there are no exports of the domestic industry of the subject goods during the period of investigation, no injury analysis of the export performance of the domestic industry has been carried out by the Authority.

78. The Authority notes that while listed known other factors do not show injury to the domestic industry, the following parameters indicate that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

- i. The dumped imports of the subject goods from the subject countries causing loss of market share for the domestic industry.
- ii. The domestic industry has lost sales volumes. Its market share has declined, whereas that of imports from the subject countries has increased.
- iii. As a consequence of decline in the market share of the domestic industry, production & capacity utilization of the domestic industry deteriorated significantly.
- iv. The dumped imports are undercutting the prices of the domestic industry. There is a case of significant price-depression as well, if its net selling prices are seen *vis a vis* the preceding year.
- v. Besides, the domestic industry's performance in terms of profits, return on investment and cash flow is far from satisfactory. In fact its performance has significantly deteriorated, if analysed *vis a vis* its performance during the preceding period.

79. In view of the above, the Authority is of the view that injury to the domestic industry has been caused by dumped imports.

Magnitude of injury and injury margin:

80. The Authority has determined non-injurious prices of the subject goods for the domestic industry taking into account the cost of production of the domestic industry for the POI. The non-injurious price of the domestic industry has been compared with the landed values of the subject goods to determine the injury margins. Since M/s Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd. Thailand and M/s Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd. Thailand are related entities, for the reasons already explained in this finding, the Authority has determined one single injury margin for the said related entities. The injury margins have been worked out by the Authority as follows:

US \$/Meter Cube (M3)

Sl. No.	Country	Producer/ Exporter	Injury Margin	Injury Margin %	IM% Range
1.	Thailand	The Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd. Thailand	***	***	45-55
		The Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd. Thailand	***	***	65-75
		Group	***	***	65-75
		Any other producer/exporter	***	***	90-100
2.	UAE	M/s Gypsemna Co. (L.L.C.), Dubai	***	***	40-50

		Any other producer/exporter	***	***	40-50
3.	China	All exporters / producers	***	***	70-80
4.	Indonesia	All exporters / producers	***	***	35-45

Miscellaneous Submissions

81. The following are the miscellaneous submissions made by the interested parties:

- i. The appropriate unit of measurement for the subject goods is meter square and not meter cube. The thickness of the boards is not of material importance in determining the selling price of the subject goods. Since petitioner has provided costing and financial information on the basis of cubic meter, analysis based on petitioner's data will be a distorted analysis.
- ii. The subject investigation is without jurisdiction since the person holding the office of the Designated Authority as on the date of initiation of the investigation was of the rank of Additional Secretary to Government of India, whereas as per the Rules, the Designated Authority should have been of the rank of Joint Secretary to the Government of India.
- iii. The investigation has been initiated without examining the adequacy and accuracy of the information provided by the petitioner in the petition.
- iv. The computation of NIP by the petitioner is incorrect, as the petitioner has claimed an exorbitant 22%. The Authority should not allow rate of return more than 3%.
- v. Subject goods are concerned with the infrastructure sector. In the interest of macro-economic growth, anti-dumping duty should not be imposed on the imports of the subject goods from the subject countries.
- vi. The petition is intended to create monopoly for the petitioner company in the Indian market at the cost of the consumers. The imports from the subject countries give a choice to the consumers for procuring better quality material at cheaper price.

82. The following are the miscellaneous submissions made by the domestic industry:

- i. Authority may kindly disregard any submission made by any party who has failed to provide the information called for by the Designated Authority in the prescribed format.
- ii. Thickness of the board is a key element which has effect on the cost and price of the product under consideration. The interested parties have themselves accepted that the price of 15mm board is more than the 12 mm board. Thus M3 is the only unit of measurement which can take care of the variation in the thicknesses of the boards having a direct impact on the cost and prices of the boards.
- iii. The issue concerning jurisdiction of the Authority was raised before the Hon'ble Bombay high Court in the case of "Hamilton Housewares Pvt Ltd V/s DA" [2012

(276) E.L.T. 191]. The Hon'ble Bombay High Court dismissed the petition vide order dated 14.10.2011.

- iv. The investigation has been initiated by the Authority on the basis of detailed analysis of the injury factors to establish injury, causal link and dumping given by the domestic industry in the application. The interested parties have no right to raise these issues at this stage of the investigations.
- v. It is the consistent and uniform practice of the Authority to allow a return of 22% of capital employed.
- vi. The mere fact that the subject goods may find their application in the infrastructure sector, cannot and has never been a ground for decision-making in anti-dumping matters. In fact, even from a policy perspective, if the goods belong to the infrastructure sector, then there is all the more reason to ensure that the infrastructure industry of the country is not injured by the dumped goods.

Examination by the Authority

83. The miscellaneous submissions made by the interested parties and the domestic industry are addressed by the Authority as under:
- i. The Authority notes that whenever thickness of a product is factor of analysis, it is appropriate to cause such analysis on the basis of meter cube (M3) and not meter square.
 - ii. As regards the submission made by the interested parties that the subject investigation is without jurisdiction since the person holding the office of the Designated Authority as on the date of initiation of the investigation was of the rank of Additional Secretary to Government of India, whereas as per the Rules, the Designated Authority should have been of the rank of Joint Secretary to the Government of India, the Authority notes that Hon'ble High Court of Mumbai, vide their order dated 14.10.2011, in the WP No. 6791 of 2011 of "Hamilton Housewares Pvt Ltd V/s DA" [2012 (276) E.L.T. 191], dismissed a petition with similar prayer.
 - iii. The Authority notes that the subject investigation has been initiated by the Authority having been satisfied prima facie with the evidences submitted by the applicant concerning dumping, injury and causal link of the subject goods, originating in or exported from the subject country. Establishing adequacy and accuracy of the information submitted by the interested parties and the domestic industry are matters of verification and investigation.
 - iv. As regards the submission made by the interested parties that subject goods are concerned with the infrastructure sector and in the interest of macro-economic growth, anti-dumping duty should not be imposed on the imports of the subject goods from the subject countries, the Authority notes that the argument has no logic under the anti-dumping provisions. The Authority further notes that the intent behind anti-dumping provisions is not to curb imports but rather to create a level playing field for the domestic industry vis-a-vis the dumped imports.

Conclusions:

84. After examining the submissions made by the interested parties and the domestic industry and issues raised therein; and considering the facts available on record, the Authority provisionally concludes that:
- a. The product under consideration has been exported to India from the subject countries below associated normal values, thus resulting in dumping of the subject goods.
 - b. The domestic industry has suffered material injury.
 - c. The material injury to the domestic industry has been caused by the dumped imports from subject countries.

Indian industry's interest & other issues

85. The Authority notes that the purpose of anti-dumping duties, in general, is to eliminate injury caused to the domestic industry by the unfair trade practices of dumping so as to re-establish a situation of open and fair competition in the Indian market, which is in the general interest of the country. Imposition of anti-dumping measures would not restrict imports from the subject countries in any way, and, therefore, would not affect the availability of the subject goods to the consumers.
86. It is recognized that the imposition of anti-dumping duties might affect the price levels of the product manufactured using the subject goods and consequently might have some influence on relative competitiveness of these products. However, fair competition in the Indian market will not be reduced by the antidumping measures, particularly if the levy of the anti-dumping duty is restricted to an amount necessary to redress the injury to the domestic industry. On the contrary, imposition of anti-dumping measures would remove the unfair advantages gained by dumping practices, would prevent the decline of the domestic industry and help maintain availability of wider choice to the consumers of the subject goods.

Recommendations

87. The Authority notes that the investigation was initiated and notified to all interested parties and adequate opportunity was given to the domestic industry, exporters, importers and other interested parties to provide positive information, *inter alia*, on the aspects of dumping, injury and causal link. Having initiated and conducted a preliminary investigation into dumping, injury and the causal link thereof in terms of the Anti-dumping Rules and having provisionally established positive dumping margins as well as material injury to the domestic industry caused by such dumped imports, the Authority is of the view that imposition of provisional duty is required to offset dumping and injury pending completion of the investigation. Therefore, the Authority considers it necessary and recommends imposition of provisional anti-dumping duty on imports of the subject goods from the subject countries in the form and manner described hereunder.
88. Having regard to the lesser duty rule followed by the Authority, the Authority recommends imposition of provisional anti-dumping duty equal to the lesser of the margin of dumping and the margin of injury, so as to remove the injury to the domestic industry. Accordingly, provisional anti-dumping duty as per amount specified in Col 8

of the table below is recommended to be imposed from the date of this notification in the event of acceptance of these recommendations by the Central Government, on all imports of the subject goods originating in or exported from the subject countries.

Duty Table

1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
Sl. No.	Sub Head ing of Tariff item	Description of Goods	Country of Origin	Country of Export	Producer	Exporter	Duty Amount	Unit	Currency
1	680911 00, 680919 00	Plain Gypsum Plaster Board	China PR	China PR	Any	Any	32.85	Cubic Meter(M3)	US \$
2	do	do	China PR	Any	Any	Any	32.85	do	US \$
3	do	do	Any	China PR	Any	Any	32.85	do	US \$
4	do	do	Indonesia	Indonesia	Any	Any	7.25	do	US \$
5	do	do	Indonesia	Any	Any	Any	7.25	do	US \$
6	do	do	Any	Indonesia	Any	Any	7.25	do	US \$
7	do	do	Thailand	Thailand	Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd.	Siam Gypsum Industry (Saraburi) Co. Ltd.	30.40	do	US \$
8	do	do	Thailand	Thailand	Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd.	Siam Gypsum Industry (Songkhla) Co. Ltd.	30.40	do	US \$
9	do	do	Thailand	Thailand	Any Other	Any	51.70	do	US \$

					Combination	Other Combination			
10	do	do	Thailand	Any	Any	Any	51.70	do	US \$
11	do	do	Any	Thailand	Any	Any	51.70	do	US \$
12	do	do	UAE	UAE	M/s Gypsemna Co. (L.L.C.), Dubai	M/s Gypsemna Co. (L.L.C.), Dubai	9.46	do	US \$
13	do	do	UAE	UAE	Any Other Combination	Any Other Combination	16.66	do	US \$
14	do	do	UAE	Any	Any	Any	16.66	do	US \$
15	do	do	Any	UAE	Any	Any	16.66	do	US \$

89. The following products are excluded from the scope of the anti-dumping measures as recommended in the duty table given above:

- Fire Boards
- Fire Heat Boards
- Impact Boards
- Gypsum Ceiling Boards with Moisture Barrier
- ECHO Boards
- Heat Boards
- Anti-mold Boards or Weather Boards
- Thermal Boards
- Gypsum Ceiling Boards with Aluminium Edges Sealed in White Film.

Further Procedures

90. The following procedure would be followed subsequent to notifying the preliminary findings:-

- a. The Authority invites comments on these findings from all interested parties and the same would be considered in the final findings;
- b. Exporters, importers, the applicant and other interested parties known to be concerned are being addressed separately by the Authority, who may make known their views, within forty days from the date of the dispatch of these preliminary findings. Any other interested party may also make known its views within forty days from the date of publication of these findings;
- c. The Authority would conduct further investigation and verification to the extent deemed necessary;
- d. The Authority would disclose essential facts as per the Anti-dumping Rules before determining the final findings.

VIJAYLAXMI JOSHI, Designated Authority